जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 264 प्रभात उदयपुर, शनिवार 27 जुलाई, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी को 5 , सुनहरी बाग, बंगला अलॉट हुआ

यह नया बंगला सोनिया गांधी के बंगले से व नये संसद भवन से एक मिनट कार ड्राइव की दूरी पर है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। अब राहुल गांधी का पता बदल गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता की हैसियत से उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त है तथा इसलिये अब वे टाइप-8 आवास के लिये अधिकृत हैं।

लोकसभा की हाउसिंग कमेटी में आवास के रूप में उन्हें 5 सुनहरी बाग रोड बँगला आवंटित किया है। राहुल ने अभी तक आवास को स्वीकार की लिखित सहमति नहीं दी है, हालाँकि उनके सुरक्षाकर्मी नये आवास में पहुँच गये हैं तथा वे उत्सुकता से भरे मीडिया को वहाँ नहीं आने दे रहे हैं।

आज प्रियंका तथा राहुल गांधी इस बँगले को देखने गये थे। यह बँगला सोनिया गांधी के आवास, 10 जनपथ से 1 मिनट ड्राइव की दूरी पर है तथा इतनी ही दूर इस बँगले से संसद भवन है, जहाँ विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें बड़ी और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करना है।

संसद की नई इमारत में भी राहुल को एक कक्ष दिया गया है, जो विपक्षी नेताओं का केन्द्र बन गया है। कई नेता इस कक्ष में सुकून से विश्राम करते हुए देखे जा सकते हैं।

शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के विपक्ष के नेता वाले कार्यालय में प्राय: दिखाई देते हैं।

एल.ओ.पी. की अधिकांश मीटिंग भी इसी कक्ष में होती हैं।

पिछले चन्द रोज़ से राहुल यहाँ अपनी पार्टी के उन सांसदों के साथ मीटिंग कर रहे हैं, जो बजट पर बोलेंगे। वे उन्हें भाषण के मुख्य बिन्दुओं के बारे में भी बता रहे हैं तथा बजट के उन बारीक बिन्दुओं पर भी चर्चा कर रही हैं, जिन पर विशेष जोर दिया जाना जरूरी है।

याद दिला दें कि जब राहुल पहली बार सांसद बने थे, उस समय उन्होंने 12 तुगलक लेन को अपना घर बनाया था। यह बँगला उन्होंने सुरक्षा संबंधी बिन्दुओं को मद्देनज़र रखते हुए आवंटित किया गया था।

लेकिन जब गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश ने उन्हें डिस्क्वालिफाई कर दिया था तो उनके पास उस बँगले को खाली करने का नोटिस भेजा गया था। उस समय राहुल उच्चतर अदालत में अपील करने की तैयारी कर रहे थे, इसके बावजूद उन्होंने बँगला खाली कर दिया था। ज्ञातव्य है कि उन्होंने अपील की थी तथा जीत गये थे। लेकिन उन्हें कोई बँगला आवंटित नहीं किया गया तथ वे अपनी माँ के साथ रहने के लिए 10 जनपथ चले गये। अब वे वहाँ से इस बँगले में शिफ्ट होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राहुल को नये संसद भवन में एक ऑफिस भी अलॉट हुआ है, विपक्ष के नेता की हैसियत से।
- राहुल का यह ऑफिस इण्डिया गठबन्धन के नेताओं की आवा-जाही का केन्द्र बन गया है, तथा वरिष्ठ नेतागण, जैसे शरद पवार भी वहां प्रायः देखे जाते हैं।
- अब गांधी परिवार की सदस्या प्रियंका गांधी ही एक प्राइवेट मकान में रह रही हैं, क्योंकि, उनकी सुरक्षा हटा देने के बाद, उनको नया बंगला अलॉट करना आवश्यक नहीं है।
- चर्चाओं के अनुसार, राहुल गांधी द्वारा वायनाड की संसदीय सीट से इस्तीफा देने के बाद, प्रियंका गांधी वहां से उपचुनाव लड़ेंगी और वहां से उनके जीतने की प्रबल संभावना है, फिर, गांधी परिवार के तीनों बड़े नेता अपने-अपने सरकारी निवास में हक से रहने लगेंगे।

प्रियंका गांधी ने इज़राइली प्रधानमंत्री को ''बर्बर'' कहा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। युद्ध की त्रासदी झेल रहे फिलीस्तीन लोगों के प्रति सद्भावना दर्शाने के निर्णायक प्रयास के तहत कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने गाज़ा पर वॉर के लिए इज़राइल की कठोर निंदा की। गाज़ा पर इज़राइल का हमला दस माह से चल रहा है और अब तक इसमें 40,000 लोग मारे जा चुके हैं। प्रियंका ने विश्व समुदाय से अपील की है कि वे इस नरसंहार के लिए इज़राइल की कड़ी आलोचना करें और उसे ऐसा करने से रोंके।

प्रियंका गांधी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि गाज़ा में नरसंहार में मारे जा रहे नागरिक, माता-पिता, नर्स, डॉक्टर, सहायताकर्मी, शिक्षक, लेखक, कवि, वरिष्ठ नागरिकों व मासूम बच्चों के बारे में बोलना ही पर्याप्त नहीं है। हर सही सोच वाले व्यक्ति, जिनमें इज़राइल के नागरिक भी शामिल हैं, की नैतिक जिम्मेवारी है कि वे हिंसा का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्रियंका गांधी की यह टिप्पणी इस समय की भारत सरकार की विदेश नीति, जो इज़राइल समर्थक प्रतीत होती है, के खिलाफ है।

सुप्रीम कोर्ट ने यू.पी. सरकार पर लगे ''स्टे'' की अवधि बढ़ाई

यू.पी. सरकार का निर्देश था कि कांवड़ यात्रा के मार्ग पर खाद्य सामग्री बेचने वाले प्रतिष्ठानों को अपने मालिक व कर्मचारियों के नाम, प्रतिष्ठान पर प्रमुखता से डिस्प्ले करने होंगे

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने आज अपने उस अन्तरिम स्टे को हटाने से इन्कार कर दिया जो उसने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी कांवड़ यात्रा के मार्ग पर पड़ने वाले खान-पान के भोजनालयों व ढाबों के बारे में यू.पी. सरकार के इस आदेश पर जारी किया था कि कांवड़ यात्रा के रास्ते में आने वाले भोजनालयों व ढाबों के मालिक अपनी दुकान के बाहर अपना नाम व पता प्रदर्शित करेंगे।

कोर्ट ने इस बात को रेखांकित किया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने जो शपथ- पत्र गुरुवार रात्रि को कोर्ट में दाखिल किया था, उसे वे पढ़ नहीं पाए हैं तथा उत्तराखण्ड सरकार व मध्यप्रदेश ने जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की है। इसके बाद न्यायाधीश ऋषिकेश रॉय व न्यायाधीश एस.वी.एन. भट्टी ने अगली सुनवाई की तारीख 5 अगस्त तक अन्तरिम स्टे को बढ़ा दिया।

हालांकि, बैंच ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान उसके मार्ग में आने वाले ढाबों तथा भोजनालयों के मालिकों एवं कर्मचारियों के द्वारा स्वैच्छिक आधार पर दुकानों के बाहर अपने नाम लिखे जाते हैं तो 22 जुलाई को कोर्ट द्वारा जारी आदेश के अनुसार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने इस निर्देश पर, 22 जुलाई को स्टे लगाया था, जो 26 जुलाई तक लागू रहना था, पर, आज 26 जुलाई को यह ''स्टे'' अगली तारीख, यानि 5 अगस्त तक जारी रखने के आदेश दिये।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह अभी यू.पी. सरकार द्वारा इस मसले पर प्रस्तुत जवाब को पढ़ नहीं पाई है।
- सुप्रीम कोर्ट ने पर यह भी स्पष्टीकरण दिया कि अगर इन ढ़ाबों, थड़ियों के मालिक स्वयं ही अपना नाम दुकान पर प्रमुखता से लिखवाकर ''डिस्प्ले'' करना चाहते हैं तो सुप्रीम कोर्ट को कोई आपत्ति नहीं होगी।
- मुकुल रोहतगी ने यू.पी. सरकार की ओर से पैरवी की तथा अभिषेक मनु सिंघवी ने यू.पी. सरकार के आदेश के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के तर्क प्रस्तुत किये।

कर्नाटक में जोर पकड़ रहा केन्द्र बनाम राज्य का झगड़ा

नीट और ई.डी. के खिलाफ कर्नाटक सरकार ने सख्त रूख अपनाया

-लक्ष्मण वैंक कुची -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। राज्य बनाम केन्द्र का विवाद और गर्मा गया है, कर्नाटक ने भी गत दिनों तमिलनाडु की तरह नीट विरोधी संकल्प प्रस्तावित करके केन्द्र सरकार को एक सख्त संकेत दिया है तथा प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करके केन्द्रीय जांच एजेन्सियों की मनमानी के खिलाफ भी कठोर संदेश दिया है, दर्ज एफ.आई.आर. में आरोप लगाया है कि ई.डी. के अधिकारियों ने एक मंत्री को भ्रष्टाचार के केस में फंसाने के लिए दबाव बनाने का प्रयास किया था।

नीट की परीक्षा में पेपर लीक को लेकर चल रहे घमासान विवाद के बीच, कर्नाटक ने भी केन्द्रीयकृत परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठाया और नीट की परीक्षा से व्यवस्था से अलग रखने का प्रस्ताव पारित किया, यह लगभग वैसा ही है जैसा कि तमिलनाडु पहले ही दोबार कर चुका है और कर्नाटक ने भी घोषणा की है कि राज्य सरकार अपने प्रदेश में मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षाएं स्वयं आयोजित करा लेगी।

यह कुछ वैसा ही है जैसा कि केन्द्र सरकार ने देश में मेडिकल के सभी कोर्सेज में प्रवेश के लिए नीट को नियमानुसार अनिवार्य बनाकर पहले की प्रक्रिया को बंद कर दिया था, इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का प्रवेश नीट परीक्षा के अंकों के आधार पर होता है, जिसका तमिलनाडु सरकार यह कहकर विरोध करती रही है कि नीट के लागू होने से राज्य के गरीब व पिछड़े वर्ग के विद्यार्थी वर्ग का मेडिकल एजुकेशन के मैदान में समान अवसर नहीं मिलता है उनको यह अधिकार नहीं मिलता है। उनका यह अधिकार छीन लिया गया है।

नीट के खिलाफ दो बार विधानसभा में सर्वसम्मति से संकल्प पारित करने के बावजूद अभी अपना निर्णय नहीं लिया है, जिस प्रकार का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कर्नाटक ने विधानसभा में नीट परीक्षा प्रणाली के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है। तमिलनाडू भी दो बार ऐसा प्रस्ताव पारित कर चुका है।
- कर्नाटक में ई.डी. अधिकारियों के खिलाफ एफ.आई.आर. भी दर्ज की गई है तथा आरोप लगाया गया है कि ई.डी. अधिकारी प्रशासनिक अधिकारियों को, मंत्री को भ्रष्टाचार के केस में फंसाने के लिए धमका रहे हैं।

भारतवासी 58 देशों की वीज़ा फ्री यात्रा कर सकते हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। पाकिस्तान का पासपोर्ट लगातार चौथे वर्ष चौथे सबसे बुरे स्थान पर है। यह जानकारी हैनली पासपोर्ट इन्डैक्स की नवीनत जानकारी में दी गई है। पाकिस्तान के नागरिक किसी सिर्फ 33 देशों की ही वीज़ा फ्री यात्रा कर सकते हैं। हैनली पासपोर्ट इन्डैक्स इन्टरनैशनल (आई.ए.टी.ए.) के डेटा का इस्तेमाल कर 199 देशों के ट्रेवल डॉक्यूमैन्ट्स का मूल्यांकन करता है। डॉक्यूमैन्ट्स होल्डर्स कितने वीज़ा फ्री देशों की यात्रा करता है, उसी के आधार पर मूल्यांकन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- नवीनतम हैनली पासपोर्ट इन्डैक्स में भारत की रैंकिंग 82 पहुंच गई है, जबकि पाकिस्तान लगातार चार साल से 100वें नम्बर पर है और पाकिस्तानी नागरिक सिर्फ 33 देशों की ही वीज़ा फ्री यात्रा कर सकते है।

गलता पीठ प्रकरण में यथास्थिति के आदेश, स्टे एप्लिकेशन पर फैसला सुरक्षित

'स्वामी अवधेशाचार्य व उनका परिवार ही गलता पीठ में पूजा अर्चना करना जारी रखेंगे'

जयपुर, 26 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने गलता पीठ की संपत्तियों और महंत की नियुक्ति के संबंध में हाईकोर्ट की एकलपीठ द्वारा दिये गये फैसले पर कार्रवाई करने पर अंतरिम रोक लगाई है और दोनों पक्षों को यथा-स्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने मामले में एकलपीठ के आदेश के खिलाफ दायर अपील और स्टे प्रार्थना पत्र पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने कहा कि जब तक वह स्टे एप्लीकेशन पर अपना फैसला नही सुना देती, तब तक राज्य सरकार एकलपीठ के फैसले को क्रियान्वित करने के लिये कोई कार्रवाई नहीं करे।

गौरतलब है कि 26 जुलाई की शाम साढ़े चार बजे तक देवस्थान विभाग की ओर से कई अधिकारी गलता पीठ से संबंधित संपत्तियों का मौका मुआयना व कब्जा लेने गलता पीठ के परिसर में पहुंच चुके थे। परंतु अदालत ने यथास्थिति बनाये रखने के आदेश दिये और कहा कि उसके आदेश के बाद, यानी शाम 4.30 बजे के बाद मौके पर कोई कार्रवाई नही की जाये। चीफ जस्टिस (सी.जे.) एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश अवधेशाचार्य की ओर से दायर अपील में पेश स्टे प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में स्वामी अवधेशाचार्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर तथा अधिवक्ता सुरूचि कासलीवाल सुनवाई के लिये पेश हुए थे। अदालत ने दो घंटे से भी अधिक समय तक मामले की सुनवाई की और सहायक देवस्थान आयुक्त, महेन्द्र देवतवाल को सख्त हिदायत दी कि अगर अदालत को पता चला कि 4.30 बजे बाद मौके पर कार्रवाई जारी रखी गई थी तो अदालत उन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

अपीलार्थी के वकीलों ने अदालत को बताया कि एकलपीठ ने गत 22 जुलाई को आदेश जारी कर गलता पीठ के महंत पद पर अपीलार्थी की नियुक्ति रद्द कर दी थी। उन्होंने अदालत को कहा कि यह मामला कई वर्षों से चल रहा है परंतु फिर भी किसी भी याचिका में गलता पीठ के ट्रस्ट की रजिस्ट्री को चुनौती नहीं दी गई है, जिसमें स्पष्ट लिखा है कि गलता पीठ के महंत की नियुक्ति कैसे की जायेगी। उन्होंने कहा कि रजिस्टर्ड ट्रस्ट के दस्तावेजों के अनुसार यह साफ लिखा है कि महंत के बाद उसके पुत्र ही महंत नियुक्त किये जाएंगे। उन्होंने अदालत को बताया कि कई सौ साल से यह प्रथा चली आ रही है कि महंत के पुत्र ही महंत घोषित किये गये हैं और गलता पीठ के सभी महंतों की सूची उनके द्वारा अदालत में पेश की गई थी, परंतु एकलपीठ ने कई तथ्यों की अनदेखी करते हुए यह आदेश दिये हैं कि स्वामी अवधेशाचार्य को गैर कानूनी तरीके से गलता ठिकाने का महंत घोषित किया गया है। उन्होंने अदालत को इस तथ्य से भी अवगत कराया कि वर्ष 1943 में रामोदराचार्य की महंत पद पर नियुक्ति हुई थी। सुनवाई के दौरान बताया गया कि वर्ष 1963 में पंजीकृत हुए ट्रस्ट में स्पष्ट प्रावधान किया गया था कि महंत का पद तत्कालीन महंत के पुत्र को ही दिया जाएगा, जिसे किसी भी मुकदमे में चुनौती नहीं दी गई, जबकि कई मुकदमे दायर किये गये, जिनमें केवल पीठ की संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने के आरोप लगाये गये थे। उन्होंने अदालत को कहा कि हाईकोर्ट की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अपीलार्थी के वकीलों के अनुसार, अदालत ने कहा कि उसके आदेश के बाद, यानी शाम 4.30 बजे के बाद से मौके पर सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाये।

'एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लांट आबादी क्षेत्र के बाहर कब जाएगा?'

जयपुर, 26 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्र व राज्य सरकार से पूछा है कि जयपुर के सीतापुरा स्थित इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि. (आई.ओ.सी.एल.) के एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लांट को पूर्व में चिन्हित जगह पर कब तक शिफ्ट करेंगे और इसके लिए उनकी क्या योजना है। मामले में केन्द्र व राज्य सरकार सहित, आई.ओ.सी.एल. से जवाब देने के लिए कहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजस्थान हाई कोर्ट ने केन्द्र व राज्य सरकार से आई.ओ.सी.एल. के एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लांट की शिफ्टिंग योजना पर सवाल किया। हाई कोर्ट ने ओमप्रकाश टांक की जनहित याचिका पर यह आदेश दिया।

रोज 14 घंटे काम करने का प्रस्ताव रख कर चारों तरफ से घिरी कर्नाटक सरकार

आई.टी. उद्योग और श्रमिक संगठनों ने भारी विरोध जताया

- लक्ष्मण वैंकट कुची -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। कर्नाटक का आई.टी. उद्योग व श्रमिक वर्ग राज्य सरकार के सामने खड़े हो गये हैं। इन्होंने सरकार की 14 घंटे काम करने की शर्त को राज्य सरकार की ''श्रमिक-विरोधी'' नीति करार दिया है। इनका कहना यह तो इनफॉसिस के संस्थापक एन.आर.नारायणमूर्ति की उस सलाह से भी ज्यादा घातक है, जिसमें उन्होंने काम के घंटे बढ़ाने की बात कही थी। इस सलाह को लेकर आई.टी.जार को सारी दुनिया में ट्रोल किया गया था।

कर्नाटक सरकार 14 घंटे प्रतिदिन काम करने का प्रस्ताव लेकर आई है जिसने आई.टी. श्रमिक संगठनों के साथ एक नये और बहुत बड़े विवाद को जन्म दे दिया है। आई.टी. श्रमिक संगठन तथा आई.टी. बॉडी नैसकॉम ने इसका कड़ा विरोध करते हुए, इसे ''अमानवीय'' तथा ''कर्मचारियों के मूलभूत अधिकारों पर हमला'' बताया है। अभी चन्द दिन पहले ही, कर्नाटक सरकार ने श्रमिक कानून में परिवर्तन किया था, जिसके अन्तर्गत, स्थानीय लोगों को नौकरी में आरक्षण देने का प्रावधान कर दिया था। इस आरक्षण का भी उद्योग-जगत ने भारी विरोध किया था तथा सरकार को इस क्रियान्वयन को तत्काल रोकना पड़ा था। अब सरकार पर कदम पीछे हटाने का दबाव फिर से पड़ रहा है। इस बार, श्रमिक तथा आई.टी. मैनेजमेन्ट दोनों ही सरकार की काम के घंटे बढ़ाने की सिफारिश का विरोध कर रहे हैं।

कर्नाटक स्टेट आई.टी./आई.टी.ई.एस. एम्प्लॉयीज यूनियन (के.आई.डी.यू.) ने कहा है कि इस कदम से काम के घंटे बढ़ने से प्रतिष्ठानों में शिफ्टों की संख्या ''कम जो जायेगी।'' आई.टी. कर्मचारियों की ट्रेड यूनियन ने कहा है, ''नया प्रस्ताव श्रमिक के मौलिक अधिकारों पर हमले के अलावा और कुछ नहीं है तथा यह प्रस्ताव श्रमिक के निजी समय को उससे छीन लेगा। कर्नाटक सरकार, अपने कॉरपोरेट बॉसों को खुश करने की कोशिशों में, किसी व्यक्ति के सबसे प्रमुख मौलिक अधिकार, जीने के अधिकार, की उपेक्षा कर रही है।'' यूनियन के सदस्यों ने राज्य के श्रम मन्त्री सन्तोष लाड से भी भेंट की। मन्त्री ने कहा कि सरकार कार्य के घंटे बढ़ाने के बिन्दु पर कॉरपोरेट प्रमुखों को केवल अपनी प्रतिक्रिया दे रही है। श्रम मन्त्री ने कर्मचारी यूनियन से वादा किया कि इस मामले में सभी हितधारकों के साथ चर्चा का एक राउन्ड और होगा।

संतोष लाड ने मीडियाकर्मियों को बताया, ''काम के घन्टे बढ़ाने का प्रस्ताव कर्नाटक सरकार का नहीं है। कॉपोरेट कम्पनियाँ तथा शीर्ष आई.टी. कम्पनियों के प्रमुख हमारे पास आये थे तथा मौजूदा श्रम-कानूनों में यह संशोधन करने के लिये हमसे कहा था। चूँकि, इससे हर तरफ एक बहस छिड़ गई है, इसलिये कॉर्पोरेट प्रमुखों तथा उनके कर्मचारियों को उनके स्तर पर ही इस पर चर्चा करनी होगी, तथा सरकार जनता के हितों के अनुकूल ही चलेगी।''

इस बीच, के.आई.टी.यू.(किटू) ने सभी कर्मचारी संगठनों का आव्हान किया है कि वे इन नये नियमों का विरोध करें, जो पूरी तरह अमानवीय हैं। किटू ने कहा, ''किटू सभी आई.टी./आई.टी.ई.एस. श्रेत्र के कर्मचारियों का आव्हान करती है कि सभी संगठित हो जायें तथा हम पर गुलामी थोपने वाली इस अमानवीय कोशिश का विरोध करने के लिए आगे आयें। यह संशोधन (अगर हो जाता है) कर्नाटक के आई.टी. उद्योग में काम करने वाले 20 लाख कर्मचारियों पर एक हमला होगा।''

किटू के महासचिव सुहास अडिगा ने कहा, ''यह (कार्यवाही) आई.टी./आई.टी.ई.एस. कम्पनियों के लिये काम के दैनिक घंटे अनिश्चित रूप से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक शॉप्स एण्ड कॉमर्शियल एसटैबलिशमैंट (एमैंडमैंट) बिल में प्रतिदिन 14 घंटे काम करने का प्रस्ताव रखा है, जबकि पूर्व में 10 घंटे काम करने की अनुमति थी, जिसमें ओवर टाइम भी शामिल था।
- कर्नाटक स्टेट आई.टी. एम्पलॉइज़ यूनियन ने इस कदम को श्रमिक विरोधी बताया और कहा कि इससे शिफ्ट कम हो जाएंगी जिससे बेरोजगारी बढ़ेगी।
- आई.टी. निकाय नैसकॉम ने इस प्रस्ताव को अमानवीय व श्रमिकों के मूल अधिकारों का हनन बताया।
- इस प्रस्ताव के लिए कर्नाटक सरकार को बुरी तरह से ट्रोल किया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने भी ऐसा प्रस्ताव रखा था, जिसके लिए उन्हें दुनिया भर में ट्रोल किया गया था।

विचार बिन्दु

रोगियों के लिए भलीभांति सोचकर निश्चित की गयी औषधि नाम उच्चारण करने मात्र से किसी को निरोगी नहीं कर सकती। –हितोपदेश

बढ़ती जनसंख्या भारत के विकास की सबसे बड़ी चुनौती

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने हाल ही में विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट 2023 जारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत वर्ष 2023 के मध्य तक विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा और भारत की जनसंख्या चीन से भी अधिक हो जाएगी। जुलाई 2023 तक चीन की 142.57 करोड़ जनसंख्या की तुलना में भारत की जनसंख्या 142.86 करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि अगर आबादी इसी रफ्तार से बढ़ती रही 2060 के दशक की शुरुआत में भारत की जनसंख्या लगभग 170 करोड़ तक पहुंच जाएगी। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने यह भी कहा है कि इसके बाद जनसंख्या में गिरावट आने लगेगी और आबादी में 12 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। लेकिन गिरावट के बाद भी भारत पूरी सदी में दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बना रहेगा। जनसंख्या वृद्धि आज एक वैश्विक समस्या बन चुकी है। जनसंख्या विस्फोट ने न केवल विकास को प्रभावित किया है अपितु इससे बेरोजगारी, भुखमरी और अशिक्षा जैसी भयावह समस्याओं ने विकराल रूप ले लिया हैं। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण एक जरूरी कदम हो जाता है। भारत में जनसंख्यां विस्फोट का असर अब दिखाई देने लगा है। हमारी सुविधाएँ सिकुड़ने लगी है और दैनंदिन जीवन मुश्किल में पड़ने लगा है। भारत की राजधानी जनसंख्यां विस्फोट से उबलने लगी है। देश के मेट्रो शहरों का हाल भी बहुत खराब है। बड़े और छोटे शहरों में आये दिन लगने वाले ट्रैफिक जाम ने जीना हराम कर दिया है। वाहन रेंगने की स्थिति में पहुँच गए है। लोगों को पैदल चलना अधिक मुनासिब लग रहा है। बढ़ती जनसंख्या की दुश्वारियां सिर चढ़कर बोलने लगी है। भूखों की संख्यां निरंतर बढ़ रही है। विकास कार्य सिकुड रहे है। रोटी, कपडा और मकान की बुनियादी सुविधाओं की बात करना बेमानी हो गया है। विकास का स्थान विनाश ने ले लिया है। भारत की सबसे बड़ी समस्या है जनसंख्या विस्फोट। तेजी बढ़ती हुई जनसंख्या ने देश के समक्ष अनेक विकराल समस्याएं खड़ी कर दी है, जिनका सामाधान तब तक सम्भव नहीं जब तक जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश न लगा दिया जाए। यदि जनसंख्या वृद्धि की इस दर को रोका न गया तो भीषण परिणाम भुगतने पड़ेगे। तीव्र गति से बढ़ती हुई इस जनसंख्या के लिए भोजन, वस्त्र और आवास जैसी सुविधाओं को जुटा पाना भारत जैसे सीमित साधनों वाले देश के लिए सम्भव नहीं है।

आज दुनिया की एक बड़ी आबादी भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास समेत बुनियादी सुविधाओं से वंचित है और इसकी एक प्रमुख वजह अनियंत्रित आबादी है। जनसंख्या वृद्धि भारत सहित दुनिया के कई देशों विशेषकर विकासशील देशों में गंभीर समस्या का रूप ले चुकी है। देश और दुनिया में लगातार बढ़ती जनसँख्या ने विकास के सारे मार्ग अवरुद्ध कर दिए है। कोई ठोस वैश्विक नीति नहीं होने का खामियाजा हर व्यक्ति को उठाना पड रहा है। ऐसे में समूचे विश्व का ध्यान भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर केंद्रित हो रहा है जो अपने कठोर फैसलों के लिए जाने जाते है। मोदी इस समय एक गलोबल लीडर के रूप में स्थापित हो चुके है। जनसँख्या विशेषज्ञों का मानना है यदि भारत में कानून के जरिये बढ़ती जनसँख्या पर लगाम लगाई जाती है तो दुनिया भारत का अनुसरण कर सकती है।

लगातार बढ़ती आबादी के चलते बड़े पैमाने पर बेरोजगारी तो पैदा हो ही रही है, कई तरह की अन्य आर्थिक और सामाजिक समस्याएं भी पैदा हो रही हैं । भारत के सामने अनेक समस्याएँ चुनौती बनकर खड़ी हैं। जनसंख्या-विस्फोट उनमें से सर्वाधिक है। एक अरब भारतियों के पास धरती, खनिज, साधन आज भी वही हैं जो 50 साल पहले थे परिणामस्वरूप लोगों के पास जमीन कम, आय कम और समस्याएँ अधिक बढ़ती जा रही हैं।

भारत में मोदी सरकार के लिए जनसँख्या कानून बनाने का यह सही समय है। देश के विकास को पटरी पर लाने और खुशहाल भारत के सपने को साकार करने के लिए देश में जनसँख्या कानून को अमली जामा पहनने की आज महत्ती जरुरत है। एक या दो बच्चों के आदर्श परिवार को अपनाकर ही हम देश की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं का समाधान कर सकते है। इसके लिए लोगों को जागरूक और शिक्षित कर अपने भले बुरे का ज्ञान करना जरूरी है तभी हम अपने उद्देश्य में सफल हो सकते है।

भारत विश्व का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। आजादी के समय भारत की जनसंख्या 33 करोड़ थी जो आज चार गुना तक बढ़ गयी है। 2011 की जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक भारत की जनसंख्या 121 करोड़ है। जबकि जनसंख्या वृद्धि दर संबंधी आंकड़ों पर नजर रखने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के अनुसार 2021 में भारत की जनसंख्या लगभग 139 करोड़ हो चुकी है। परिवार नियोजन के कमजोर तरीकों, अशिक्षा, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के अभाव, अंधविश्वास और विकासात्मक असंतुलन के चलते आबादी तेजी से बढ़ी है।

हमारी आबादी में अभी भी हर दिन पचास हजार की वृद्धि हो रही है। इतनी बड़ी जनसंख्या को भोजन मुहैया कराने के लिए यह आवश्यक है कि हमारा खाद्यान्न उत्पादन प्रतिवर्ष 54 लाख टन से बढे जबकि वह औसतन केवल 40 लाख टन प्रतिवर्ष की दर से ही बढ़ पाता है। जनसंख्या वृद्धि के दो मूल कारण अशिक्षा एवं गरीबी है। लगातार बढ़ती आबादी के चलते बड़े पैमाने पर बेरोजगारी तो पैदा हो ही रही है, कई तरह की अन्य आर्थिक और सामाजिक समस्याएं भी पैदा हो रही हैं । भारत के सामने अनेक समस्याएँ चुनौती बनकर खड़ी हैं। जनसंख्या-विस्फोट उनमें से सर्वाधिक है। एक अरब भारतियों के पास धरती, खनिज, साधन आज भी वही हैं जो 50 साल पहले थे परिणामस्वरूप लोगों के पास जमीन कम, आय कम और समस्याएँ अधिक बढ़ती जा रही हैं।

जनसंख्या वृद्धि एक नयी चुनौती बनकर हमारे सामने आई हैं और आज भी इस पर काबू पाने में सरकार को कठिनाई हो रही है। जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम देश को भोगने पड रहे हैं। बढ़ती जनसंख्या की दुश्वारियां सिर चढ़कर बोलने लगी है। भूखों की संख्यां निरंतर बढ़ रही है। विकास कार्य सिकुड रहे है। रोटी, कपडा और मकान की बुनियादी सुविधाओं की बात करना बेमानी हो गया है।

विकास का स्थान विनाश ने ले लिया है। अधिक जनसंख्या के कारण बेरोजगारी की विकराल समस्या उत्पन्न हो गयी है। लोगों के आवास के लिए कृषि योग्य भूमि और जंगलों को उजाड़ा जा रहा है। इससे बचने का एक मात्र उपाय यही है की हम येन केन प्रकारेण बढ़ती आबादी को रोके। अन्यथा विकास का स्थान विनाश को लेते अधिक देर नहीं लगेगी।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 27 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, रेवती नक्षत्र दिन 1:00 तक, धृति योग रात्रि 10:44 तक, विष्टि करण दिन 10:25 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:00 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मीन, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

रवियोग दिन 1:00 तक है। आज भद्रा दिन 10:25 तक रहेगी। आज शीतला सप्तमी है। पंचक दिन 1:00 तक रहेंगे।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:33 से 9:13 तक, चर 12:33 से 2:13 तक, लाभ-अमृत 2:13 से 5:34 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:52, सूर्यास्त 7:14

मेष
घर-परिवार के खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक समय खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

वृष
आर्थिक/वित्तिय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मित्रों/रिश्तेदारों में समय खराब हो सकता है।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कांवड़ यात्रा में पहचान का सुप्रीम संकट

प्रो, वीर बहादुर सिंह

पृथ्वी पर ऐसी कोई वस्तु, वनस्पति, जीव, प्राणी, जीवाणु, विषाणु, पक्षी, पहाड़, नदियां, नहरें, बाग़, सड़क, शहर, गांव यहाँ तक कि जीव-जंतुओं, पशुओं और प्राणीओं के मल मूत्र, इमारतें, कागज़, कॉपी, किताब, इत्यादि किसी पर गौर करिये, सब का नाम होता है। नाम पहचान का मुख्य संकेत अथवा द्योतक है। वैज्ञानिकों ने पेड़ पौधों के बोटैनिकल नाम और जीवित प्राणिओं के जूलॉजिकल नाम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रख दिए हैं। श्री कृष्ण ने तो सैकड़ों गायों के नाम रख लिए थे और उसी नाम से उन्हें बुलाते थे। पहचान का सिलसिला किसी चीज़ के आरम्भ होते ही शुरू हो जाता है। मनुष्यों में बच्चा जन्म लेने के उपरांत उसका पहला संस्कार नाम करण ही होता है। वहीं से मनुष्य की पहचान शुरू हो जाती है जो जीवन पर्यन्त और मरणोपरांत भी उपयोग में आती है, उस प्राणी के लिए फिर स्वर्गीय लिखा या बोला जाता है। कहने का तात्पर्य है कि एक बार पहचान बनने पर फिर ताउम्र वही बनी रहती है और उसके साथ जन्म दिन भी। फिर चाहे कोई आधार कार्ड बनबाए, अथवा अन्य कोई और कार्य यथा बैंक अकाउंट, मकान, प्रॉपर्टी, शिक्षा इत्यादि एक बार बनी पहचान सदैव काम आती है। अब जरा गौर करिये यदि ऐसी पहचान न होती, तो क्या होता? सभी आदमी बिना नाम के, सभी औरतें बिना नाम की, सभी शहर, सड़क, गली-मोहल्ला, बाजार, ऑफिस यहाँ तक न्यायलय भी, पोस्ट ऑफिस, बैंक इत्यादि मेरे विचार से सब कुछ अस्तव्यस्त रहता। कोई नियम कानून काम नहीं करते। अव्यवस्था का आलम ही सब जगह दृष्टिगोचर होता। दिल्ली जाने वाले जयपुर लखनऊ और न जाने किस जगह पहुंच जाते क्योंकि किसी स्थान का नाम ही नहीं होता।

अब देखते हैं कि अभी हो क्या रहा है? शहरों में सड़कों के नाम, गलिओं के नाम, बाज़ारों के नाम, दुकानों के नाम, दूकान मालिक का नाम और मोबाइल नंबर, साथ में क्या वस्तुएं वहां बिकती हैं उनका नाम, होज़री, कांच, प्लास्टिक, फेब्रिक, रेडीमेड गारमेंट्स, शूज, टेलर, आदि सभी लोग नाम लिखते हैं ताकि ग्राहक को सुविधा रहे, पहचान में दिक्कत नहीं आये। सभी सरकारी कार्यालयों, बैंकों और सभी स्कूल व् अन्य शैक्षिक संस्थान, बिना नाम के कोई नहीं मिलेगा। पुलिस और सभी फॉजी अफसर अपने नाम की पीतल या प्लास्टिक की नाम प्लेट ड्रेस में जेब पर लगाते हैं चाहे वे किसी धर्म, जाति के हों। इस पृथ्वी पर पहचान इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है और पहचान के लिए नाम।

उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरयाणा, उत्तराखंड, बिहार आदि अनेक जगहों से ग्रामीण कांवड़ लेकर गंगा जी तक पैदल यात्रा करते हैं, मजे की बात ये है कि वे कांवड़ को जमीं पर नहीं रखते। लौटती बार उन्हीं कलशों में गंगा जल भर कर वापिस लौटते हैं। यह काम कांवड़िये बहुत पवित्रता और आत्मीयता से करते हैं। इस यात्रा में शुद्धता का बहुत ख्याल रखा जाता है। मैं अपनी शिक्षा काल में लगभग 7 वर्ष (1951 से 1958) एटा शहर उत्तर प्रदेश में रहा, वहां मैंने जीवन में पहली वार काँवड़ देखी जो जीटी रोड से कासगंज होते हुए सोरों या अन्य किसी धार्मिक तीर्थ तक ले जाई जाती है। इसलिए मुझे पता है किस ईश्वरीय प्रेरणा और लग्न से ग्रामीण कांवड़ ले जाते हैं। उसकी तह में जाने पर ही मालूम होता है कि ग्रामीण किस निष्ठां और सात्विक भावना से यह कार्य संपन्न करते हैं। वेशभूषा से कावड़िए गरीब ही लगते हैं लेकिन धार्मिक जज्बा उनमे चरम पर होता है। पहले प्रशासन कभी भी उन्हें नियंत्रित नहीं करता था, जब से राजनितिक लोगों का नैतिक पतन हो गया है उपद्रवी उक्त यात्रा में विघ्न उत्पन्न करने का प्रयास करने लगे हैं। ये धूमिलता या विकृति समाज में मुसलमानो में अशिक्षा के कारण हिंदू दोगलों ने अपनी राजनैतिक रोटियां सेकने के लिए उन्हें सनातनिओं के विरुद्ध भड़का दिया है। ऐसी स्थिति से निबटने के लिए योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री जो एक मठ के साधु भी हैं, इस स्थिति को भांपने में कहीं चूक रही करते और सभी ऐतिहादिक कदम पहले से उठा लेते हैं। एक अनुभवी मुख्य मंत्री में यह गुण तो आवश्यक है।

मैंने सुना है कि पार्टी हाई कमान उनसे नाराज़ है और उन्हें पद से च्युत करने की फिराक में है। मोदी जी का ग्राफ लोकसभा चुनाव में ही पहले नीचे आ चुका है रही-सही कसर प्रदेश में योगी जी को हटाने से पूरी हो जाएगी। 2029 अभी बहुत दूर है अभी बजट से भी मध्यम वर्ग त्रस्त है। मेरा मानना है कि मोदी जी को अपनी सोच और कार्य शैली में बदलाव करना चाहिए तो उनकी अंतर देशीय लोकप्रियता बनी रह सकती है, बाकी मुझे संशय है कि वे पुनः लौट सकेंगे? मैं स्वयं पूर्व में उनकी पार्टी का पक्षधर रहा हूँ। उन्हें योगी जी को अपना भरपूर समर्थन देना चाहिए। मेरा मानना है कि योगी जी समय से पूर्व मोदी जी के लिए कोई अवरोध उत्पन्न नहीं करेंगे यह विशेषता उनके खून में है। मोदी जी स्वयं जनता से काफी दूर हो चुके हैं। आज उत्तरप्रदेश में आम जनता पूर्व के किसी भी मुख्यमंत्री काल की अपेक्षा अधिक प्रसन्न और स्वतंत्र महसूस कर रही है।

कुछ विचार देश के न्यायाधीशों के लिए, वे नाम पट्टिका जैसे छोटे महत्वहीन मसलों की पिटिशन सुनने के लिए सहमति नहीं दे तो शोभायमान होगा। काँवड यात्रिओं के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश कि रास्ते के सभी दुकानदार अपनी दुकान पर नाम पट्टिका लगाएं। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्थगन आदेश दे दिया। कांवड़ यात्रा कुछ दिन की ही होती है मैं स्वयं इससे हतप्रभ हूँ। उसमे स्थगन के कुछ दिन यात्रिओं को राहत नहीं मिलेगी और यात्रा समाप्त हो जाएगी। इस स्थगन से मामला पेचीदा हो गया। मैंने इसे इसलिए सुप्रीम संकट की संज्ञा दी है। ऐसे मसले लोअर कोर्ट के लिए ही छोड़े जा सकते हैं। साथ ही लंबित पड़े अनेक मसले निर्णित करने की सर्वोच्च न्यायलय की प्राथमिकता होनी चाहिए।

मैंने इस लेख में अपने सभी विचार स्पष्ट कर दिए हैं अब पाठक पढ़ें और विचार करें कि पहचान का मुद्दा क्या सुप्रीम कोर्ट को सुनना चाहिए?

–प्रो, वीर बहादुर सिंह,
पूर्व अधिष्ठाता एवं कुलपति,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर।

पुस्तक समीक्षा : "कालजयी भारतीय ज्ञान" प्राचीन ग्रंथ व वेद तथ्यपरक व विज्ञान आधारित

लेखक भगवती प्रकाश शर्मा ने अपनी पुस्तक कालजयी भारतीय ज्ञान में इन तार्किक जानकारियों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। भारतीय संस्कृति अनुपम है और पूरी दुनिया में सबसे विशिष्ट होने के कारण सर्वस्वीकार्य भी है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में लिख गये तथ्य आज के समय में भी प्रमाणिक व व्यावहारिक सिद्ध हो रहे हैं। वेदों, पुराणों, ब्राह्मण ग्रंथों, उपनिषदों, आरण्यकों, रामायण, महाभारत एवं प्राचीन सनातन हिंदु ग्रंथों में उन्नत आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के संदर्भ को विवेचित किया गया है वे हमारे जीवन दर्शन और विचारों में परिलक्षित होते हैं। भारतीय ज्ञान-परम्परा व चिंतन का एकमेव ध्येय ही विश्वमंगल है। प्राचीन भारतीय ज्ञान कोई धर्म सापेक्ष कर्मकांड न होकर सार्वभौम मानवोपयोगी ज्ञान की निधि है।

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम व ज्ञानप्रधान संस्कृति है। यूनेस्को ने ऋग्वेद की 380०वर्ष प्राचीन 3०पांडुलिपियों को विश्व विरासत में सम्मिलित करते हुए माना कि ऐसी सुदीर्घ, अक्षुण्ण व पुरातन पांडुलिपियाँ विश्व में अन्यत्र दुर्लभ हैं। ज्ञान प्रधानता के संबंध में अमेरिकी इतिहासविद् मार्क ट्वेन के अनुसार आज के आधुनिक ज्ञान-विज्ञान की भी कई जानकारियाँ प्राचीन भारतीय हिंदू वाड्मय में पहले से मिल जाती है और यह भी संभव है कि भविष्य में होने वाले नवीन अन्वेषणों व आविष्कारों के भी कई संदर्भ प्राचीन भारतीय शास्त्रों में मिल जाए। इन तार्किक जानकारियों को सरल भाषा में लेखक भगवती प्रकाश शर्मा ने अपनी पुस्तक "कालजयी भारतीय ज्ञान" में प्रस्तुत किया गया है। इस पुस्तक में भारतवर्ष के समृद्ध, समुन्नत, सर्वमान्य ज्ञान परम्परा का एक वृहद् व व्यावहारिक विश्वकोश सम्मिलित किया गया है। ब्रह्मांड में सम्पूर्ण खाली स्थान में वैज्ञानिकों के अनुसार एक आश्चर्यजनक ऊर्जा विद्यमान है, जिसे खगोल वैज्ञानिक डार्क एनर्जी कहते हैं। वर्ष 1998 के बाद पता चला कि इस डार्क एनर्जी को ब्रह्मांड का विस्तार का कारण जाना जा रहा है। ब्रह्मांड में विद्यमान 2०खरब आकाश गंगाओं व उनके मध्य के डार्क मैटर का समग्र अंश 26 प्रतिशत माना जाता है। ऐसा कहा जा सकता है कि ब्रह्मांड में सम्पूर्ण दृश्य भाग या पदार्थ एक चौथाई अंश है व तीन चौथाई अंश अदृश्य डार्क मैटर का है इन तथ्यों को वेदों में भी इसी रूप में विवेचित किया है।

पुस्तक में ब्रह्मांड की श्याम ऊर्जा, ब्रह्मांड की उत्पत्ति का वैज्ञानिक

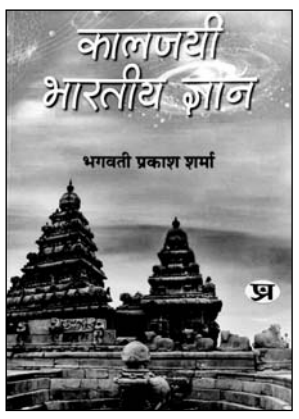

विमर्श, सौर मंडल रहस्य, गुरूत्वाकर्षण का प्राचीन वैदिक व अन्य शास्त्रों का संदर्भ ज्ञान, प्रकाश की गति का वैदिक विमर्श, ग्रहण का वैज्ञानिक विवेचन आदि की शस्त्रोक्त व्याख्या की गई है। शर्मा ने वेदों में लोकतंत्र, गणराज्य एवं राष्ट्र की प्राचीन संकल्पना, राष्ट्राध्यक्ष के चुनाव का वैदिक विमर्श, राजपद व उसकी मर्यादाएँ, उद्योग, व्यापार व वाणिज्य लोक वित्त के प्राचीन संदर्भ आदि को सतर्क प्रस्तुत किया है। उन्नत शब्द विज्ञान, उन्नत भौतिकीय, रासायनिक व गणितीय ज्ञान के संदर्भों, वैदिक सूर्योपासना के वैश्विक प्रसार और अमेरिकी पुरावशेषों पर भारतीय संस्कृतिक प्रभाव के संदर्भों का भी विवेचन किया गया है। पुस्तक में दिये गये तर्कों के आधार पर प्राचीन भारतीय ज्ञान-परम्परा सार्वभौम मानव कल्याण व सम्पूर्ण प्रकृति के संरक्षण व संवर्द्धन पर केन्द्रित है। उन्नत ज्ञान की दृष्टि से इसमें आधुनिक खगोल शास्त्र, सौरमंडल, अंतरिक्ष विज्ञानव भू-विज्ञान सहित ब्रह्मांड रचना संबंधी अनेक आधुनिक जानकारियाँ प्रचुरता में मिल जाती है। शरीर रचना,स्वास्थ्य विज्ञान और गणित सहित भौतिक विज्ञान के भी अनेक तथ्य आज वेद, वेदांग आरण्यक, उपनिषद्, ब्राह्मण, साहित्य, सूत्र, संहिताओं व अन्य संस्कृत ग्रंथों में प्रचुरता से मिल रहे हैं। अर्थशास्त्र व नागरिक शास्त्र सहित विविध सामाजिक विज्ञानों के साथ ही आधुनिक प्रौद्योगिकी एवं व्यापार-वाणिज्य के उन्नत सिद्धांत भी प्राचीन शास्त्रों में मिलते हैं। वेदों में प्रकाश की गति से लेकर हृदय के विद्युत स्पंदनों तक का ज्ञान और ब्रह्मांड की श्याम ऊर्जा से लेकर पाई के सूक्ष्म मान तक के अगणित सूत्र हैं। धातु विज्ञान से विमान शास्त्र तक के अनेक उन्नत विषय उनमें हैं। पृथ्वी की धुरी के स्पंदन से लेकर हृदयगत स्मृति जैसे सभी विषय अत्यन्त महत्व के हैं।

सूर्य न अस्त होता है न उदय-ऋग्वेद के ऐतरेय ब्राह्मण में लिखा है कि अंतरिक्ष में सूर्य कभी न उदित होता है न अस्त ही होता है। सूर्य जब भूमंडल के एक भाग को प्रकाश युक्त करता है तब दूसरे भाग का उसके सम्मुख होने पर वह दस दूसरे भाग को प्रकाशित करता है और घूमकर उल्टी ओर जा चुके भाग में अंधकार होने से वहाँ रात्रि होती है।

राजा या राष्ट्र प्रमुख की मातृभूमि पर सर्वस्व अर्पण शपथ मैं अपनी मातृभूमि व उसके दुख व कष्टों से मुक्ति के लिए स्वयं सब प्रकार के कष्ट सहने को तत्पर हूँ। वे कष्ट कैसे भी, कहीं से आवें और कब आवें, मुझे इसकी कोई चिंता या भय नहीं है। युजर्वेद में राष्ट्र की व्याख्या-ऐसा जन-समूह जो एक सुनिश्चित भूमिखंड में रहता है, संसार में व्याप्त व इसे चलाने वाले परमात्मा अथवा प्रकृति के अस्तित्व को स्वीकार करता है, बुद्धि को प्राथमिकता देता है और विद्वज्जनों का आदर करता है तथा जिसके पास अपने देश को बाहरी आक्रमण और आंतरिक,प्राकृतिक आपत्तियों से बचाने एवं सभी के योगक्षेम की क्षमता हो, वह एक राष्ट्र है। चारों वर्णों से युक्त मंत्रिमंडल-महाभारत सहित कई ग्रंथों में मंत्रिमंडल में चारो वर्णों के समावेश को आवश्यक बतलाया है। महाभारत शांति पर्व में 37 सदस्यीय मंत्रिमंडल में 3 शूद्र व 1 सूत आवश्यक बतलाए हैं।

चिकित्सक शिक्षकों ने हॉस्पिटल परिसर के बाहर पकौड़े तले

भीलवाड़ा, (निसं)। राजमेस मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक शिक्षकों ने हड़ताल के पांचवें दिन शुक्रवार को सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए एमजी हॉस्पिटल परिसर के बाहर पकौड़े तले। इस बीच, हड़ताली डॉक्टर्स ने सोमवार को आंदोलन को और उग्र करने की चेतावनी दी है।

डॉक्टर चेतन कुमार ने कहा कि शिक्षक चिकित्सकों की हड़ताल का आज पांचवां दिन है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। हड़ताली चिकित्सकों ने जयपुर कूच कर हैडक्वार्टर्स के बाहर भी सरकार के अगेंस्ट प्रदर्शन किया था। कल चिकित्सकों ने हवन करके, जबकि आज पकौड़े तलकर सरकार को अपना दु:ख व्यक्त किया कि, अगर सरकार ने मांगें नहीं मानी तो डॉक्टर्स पकौड़े तलने के लिए बाध्य हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि कल डॉक्टर्स क्रमिक अनशन करेंगे। डॉक्टर चेतन ने कहा कि जिला अस्पताल में जो भी डॉक्टर्स काम कर रहे हैं, वो भी काली पट्टी बांधकर

राजमेस मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक शिक्षकों ने सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए एमजी हॉस्पिटल परिसर के बाहर पकौड़े तले।

दु:ख व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हड़ताल से पहले अस्पताल में जहां 30-30 सर्जरी होती थी, वहां आज 8-10 सर्जरी ही हो रही है, इससे मरीजों को दिक्कतें आ रही है। डॉक्टर्स ने कहा कि अगर सरकार ने हमारी मांगें नहीं मानी तो सोमवार से और उग्र आंदोलन किया जायेगा।

अवैध कोयला भट्टियों को लेकर भीलवाड़ा जिला प्रशासन सख्त

करेड़ा के ग्राम रामपुरिया, ग्राम पंचायत नारेली में अवैध कोयला भट्टियों को ध्वस्त किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र करेड़ा के ग्राम रामपुरिया, ग्राम पंचायत नारेली में शुक्रवार को 6 अवैध कोयला भट्टियों को प्रशासन द्वारा ध्वस्त किया गया। उपखंड अधिकारी बंशीधर योगी ने बताया कि गुरुवार को जिला कलक्टर नमित मेहता द्वारा कलेक्ट्रेट में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में बिलानाम भूमि पर संचालित अवैध कोयला भट्टियों पर कार्यवाही कर उन्हें ध्वस्त करने के निर्देश प्रदान किए थे। जिसकी अनुपालना में शुक्रवार को उपखण्ड क्षेत्र करेड़ा के ग्राम रामपुरिया, ग्राम पंचायत नारेली में 6 अवैध कोयला भट्टियां जो बिलानाम भूमि पर संचालित हो रही थी पर कार्रवाई करते हुए जे.सी.बी. की सहायता से ध्वस्त किया गया। उपखंड अधिकारी ने बताया कि उपखण्ड क्षेत्र करेड़ा में बिलानाम भूमि पर संचालित एवं अन्य अवैध कोयला भट्टियों पर भी आगे लगातार कार्रवाई की जाएगी।

- **प्रशासन ने उपखंड क्षेत्र करेड़ा में छह कोयला भट्टियां धराशाही कराई**
- **जिला कलेक्टर ने एक दिन पहले राजस्व अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिए थे**

पाकिस्तान से भारत लौटे तीन भाई-बहन को बीस साल बाद भारत की नागरिकता मिली

अजमेर, (कासं)। पाकिस्तान से भारत लौटे तीन भाई-बहन को 20 साल बाद शुक्रवार को भारत की नागरिकता दी गई। अजमेर कलेक्ट्रेट स्थित एडीएम सिटी गजेंद्र सिंह राठौड़ ने भारत की नागरिकता का प्रमाण-पत्र तीनों को सौंपा। भारत की नागरिकता मिलने के बाद परिवार में खुशी का माहौल है।

एडीएम सिटी गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि रमादेवी नाम की महिला जयपुर में रहती थी। उन्होंने पाकिस्तान में शादी की थी। पहले रमादेवी के पति हंसराज और उनके बड़े बेटे को भारत की नागरिकता दी जा चुकी है। शुक्रवार को उनके तीन अन्य बच्चों दिनेश राज, नीलकमल और महेश को भारत की नागरिकता दी गई हैं। तीनों भाई-बहन को प्रमाण पत्र दिया जा चुका है। एडीएम सिटी ने बताया कि तीनों 15 सालों से अजमेर में रह रहे थे। मूल रूप से तीनों पाकिस्तान के नागरिक है। उन्होंने कहा कि पुराने कानून के तहत नागरिकता दी गई है। भारत की नागरिकता मिलने के बाद नीलकमल ने कहा- उसे नागरिकता मिलने के बाद काफी खुशी हो रही है। बहुत छोटी थी, तब पाकिस्तान से भारत आई थी। मेरी पढ़ाई-लिखाई भी यहीं पर पूरी हुई है। अब मुझे खुशी है कि मैं वोट दे पाऊंगी और भारत की योजनाओं का लाभ उठा पाऊंगी। तीनों बच्चों की मां रमादेवी ने कहा कि बच्चों को नागरिकता मिलने के बाद काफी खुशी हो रही है। नागरिकता लेने के लिए 20 साल का इंतजार करना पड़ा। इसके बाद केंद्र सरकार ने इस शुभ मुहूर्त पर नागरिकता देकर तोहफा दिया है।

लाखों की नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। भूखण्ड की कीमत बढाने एवं पट्टा दिलाने का झांसा देकर पीडित से लाखों की नकदी हडपने वाले तीन आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पीडित रमेश हंस निवासी हरिजन बस्ती नीमचखेड़ा दुर्गा कॉलोनी ने आरोपी मीरा घारू, गौरव राठोड वहरिश प्रजापत के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

कार्यालय नगरपालिका फतहनगर सनवाड़ जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-न.पा.फ.स./90-ए/2024-25/636 दिनांक:26/07/2024

-:: लोक -सूचना ::-

श्री नन्दलाल भील पिता श्री तलसिया भील, निवासी-काला कुंआ, भील बस्ती, खातीखेड़ा, तहसील मावली, जिला उदयपुर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर -कृषिक (आद्यौगिक प्रयोजनार्थ) हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल
भुपालसागर जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)	राजस्व ग्राम -सादडी, (राणावतों की सादड़ी) पटवार हल्का-पटोलीया	284,	0.3800है. मेंसे0.2737है.
		285,	0.5400है. मेंसे0.1106है.
		कुल किता-02	यानी कुल 0.3843 हैक्टेयर यानि 41350 .68 वर्गफीट यानि4594.52 वर्गगज यानि 3843 वर्गमीटर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज ....को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी, नगर पालिका फतहनगर सनवाड़

लूट की वारदात करना वाला फरार बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर में सिलसिलेवार चाकूबाजी कर आमजन में भय पैदा करने एवं लूट की वारदात करने वाले फरार बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 17 जुलाई को विकास बिस्त नेपाल से शहर में मजदूरी करने आया था। मैं गीतांजली चिकित्सालय में रेस्टोरेंट पर हेल्पर के रूप में काम करता हूं। रात में ड्यूटी पूरी होने पर मै व साथी बिर्जन बिस्त एकलिंगपुरा चौराहा की तरफ जा रहे थे। इस दौरान आए बाइक सवार दो बदमाशों ने रूक का मासिच मांगी। इनकार किया तो एक बदमाश ने चांटा मारा तथा चाकू से हमला कर फरार हो गए। इसी दौरान हिरणमगरी क्षैत्र में सोनीलाल उर्फ सोमराज गरासिया पुत्र थावरा निवासी नेवज थाना पानरवा, मनीष डांगी पुत्र शोभालाल डांगी मण्डी की मगरी घासा हॉल महावीरम काम्प्लेक्स के पास सेक्टर 4, लक्षिता टेलर पुत्री रामचन्द्र टेलर निवासी डूंगला चित्तौडगढ हॉल शिवानगर हिरणमगरी व एक अन्य व्यक्ति पर बदमाश चाकू बाजी कर फरार हो गए थे। एक साथ वारदात होने से शहर में भय का वातावरण लगने लगा। इस पर हिरणमगरी, सविना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन पुरोहित के सुपरविजन में सविना थानाधिकारी राव अजयसिंह नेतृत्व में गठित दल ने पीडित कों से की गई पूछताछ एवं मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर पर्वत नायक उर्फ लक्की पुत्र सुरेश नायक निवासी संगनवास आमेट राजसमंद हॉल आकाशवाणी हिरणमगरी, मुकेश मेघवाल निवासी रावतों का आकोला भीण्डर हॉल भोपा मगरी सेक्टर 3 हिरणमगरी को नामजद कर तलाश शुरू की। इस मामले में मुखबीर सें मिली सूचना के आधार पर पुलिस दल ने आरोपी मुकेश मेघवाल पुत्र परथा मेघवाल निवासी रावतों का आकोला भीण्डर हॉल भोपा मगरी सेक्टर 3 को गिरफ्तार किया।

अफीम ले जाते दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। खेरोदा थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान स्कूटी सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार कर स्कूटी की तलाशी ली तो डिग्गी में 1 किलों 800ग्राम अवैध अफीम मिली। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उपाधीक्षक राजेन्द्र सिंह के सुपरविजन में खेरोदा थानाधिकारी रामेग पाटीदार के नेतृत्व में गठित दल ने होटल वासुदेव के सामने नाकाबंदी के दौरान स्कूटी सवार दो संदिग्धों को रोक पूछताछ की तो एक ने अपनानाम गणेशलाल पुत्र मोहनलाल निवासी मोखुन्दा रायपुर भीलवाड़ा हाल कल्याण रोड़ रहमान सरदार बिल्डिंग, नाहवी पाड़ा थाना शांतिनगर भिवण्डी ठाणे तथा दूसरे ने अपना नाम राधेश्याम पुत्र दीपलाल निवासी बडी स्कुल के आगे कानोड़ रोड़ ड्डुगला चित्तौडगढ हॉल युवराज होटल के पास मार्केटिग यार्ड हलोल थाना पंचमल गुजरात होना बताया। इस पर अफीम मय स्कूटी जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)।शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में कंटेनर ने बाइक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौत हो गई। शुक्रवार दोपहर में देबारी रोड़ पर उदयपुर से चित्तौड़ की तरफ जा रहे कंटेनर ने बाइक को कूचल दिया। हादसे में बाइक सवार झाड़ोल निवासी अरविंद (22) पुत्र धर्मा भील की मौत हो गई।

ENGINEERING COLLEGE BHARATPUR

(A Constituent College of Rajasthan Technical University, Kota)
Village-Shyorana, Near Sewar & National Highway-21, Bharatpur-321303
www.ecbharatpur.ac.in Email : principal.gecbharatpur@gmail.com Ph.: 05644-234911

No. F1(1)/GECBH/2024-25/RHTEQIS/Recruitment (ATA)/41 Date: 25.07.2024

CONTRACTUAL APPOINTMENTS (ASSISTANT TEACHING ASSOCIATES)

In compliance of the Technical Education Department, Govt. of Rajasthan order No. एफ 11(4)त.शि./2001 पार्ट वोल्यूम-1 दिनांक 03.05.2023 applications, in prescribed format, are invited from interested eligible candidates for contractual appointment on the post of **Assistant Teaching Associate** in various departments under Rajasthan Higher Technical Education Quality Improvement Scheme (RHTEQIS) at monthly fixed remuneration of INR 28850/- (Rupees Twenty Eight Thousand Eight Hundred Fifty only).

CSE (A.I.&D.S.)-01	CSE-02	Mechanical Engineering-01	Maths-01	Total
SC(F)-01	UR(F)(Widow)-01 EWS-01	ST-01	UR-01	05

**For Physically Challenged Reservation as per norms.
These contractual appointments, on merit basis, shall be made under Rajasthan Contractual Hiring on Civil Posts Rules 2022 for a period of ONE YEAR (extendable on satisfactory performance) or termination of the Scheme, whichever is earlier. Qualifications and experience for these posts will be as per norms of AICTE/UGC applicable for Teaching Posts as on date. Reservation applicable as per DOP, Govt. of Raj. order no. प. 7(2)कार्मिक/क-2/19, दिनांक 24.02.2020.

Candidate will have to attach following documents with application : DD/BC for INR 200/- (Two Hundred only) towards application fee in favor of **Principal Engineering College Bharatpur**, Self-attested photo copies of Educational qualifications (mark sheets & certificates), GATE Score Card, Caste Certificate, Certificates of experience, document related to conversion of CGPA into percentage.

Age Limit : 40 years Maximum. Relaxation as per DOP order No. F. 17(4)DOP/A-2/2014, 11.01.2022 Last date for submitting hard copy of application **by registered speed post** is **16.08.2024**. College will not be held responsible for any postal delay and will be treated rejected.

Application form, rules and related documents are available on www.ecbharatpur.ac.in

PRINCIPAL

कार्यालय ग्राम पंचायत पदराड़ा, पंचायत समिति सायरा, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-ग्रा.प./24-25/38 दिनांक-26.07.24

-: ई निविदा सूचना-01/2024-25:-

ग्राम पंचायत पदराड़ा में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 05.08.2024 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No ZUD2425GLRC00316

सरपंच	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पदराड़ा	ग्राम पंचायत पदराड़ा
पंचायत समिति सायरा	पंचायत समिति सायरा
जिला-उदयपुर (राज.)	जिला-उदयपुर (राज.)

घोषणाओं को मूर्त रूप देने के लिए कवायद तेज

उदयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विधानसभा में प्रस्तुत सरकार के पहले पूर्ण बजट में उदयपुर जिले को ढेरों सौगातें मिली हैं। बजट में जहां एक तरफ आधारभूत विकास पर फोकस किया गया, वहीं सभी वर्गों के सामाजिक उन्नयन पर भी ध्यान दिया गया है। पर्यटन के मामले में देश के अग्रणी शहरों में शुमार उदयपुर के आधारभूत विकास को भी राज्य बजट में खास तरजीह दी गई है। जिले में कई महत्वपूर्ण सड़कों के सुदृढीकरण की घोषणा हुई, वहीं कई बड़े प्रोजेक्ट की डीपीआर भी तैयार की जानी है। सार्वजनिक निर्माण विभाग, युडीए और नगर निकाय ने इन घोषणाओं को मूर्त रूप देने के लिए कवायद भी तेज कर दी है।

राज्य बजट में सार्वजनिक निर्माण विभाग के तहत उदयपुर जिले में गोगुन्दा-गणशेजी का गुड़ा-मोडी-छिपाला-मारूवास-तुला तक 14.50 किलोमीटर सड़क के लिए 18.75 करोड़ रूपए की घोषणा की गई है। पीडब्लूयूडी के अधीक्षण अभियंता (ग्रामीण) अनिल गर्ग ने बताया कि इस सड़क कार्य के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति 12 जुलाई को जारी हो गई है तथा निविदा आमंत्रित करने की कार्यवाही भी शुरू कर दी गई है। गर्ग ने बताया कि क्यारी से सइकला तक सड़क एवं पुलिया निर्माण, सिरवल नदी पर पुलिया निर्माण और शिवडिया से पंपरमाल सड़क निर्माण के लिए 30 करोड़ की घोषणा हुई है। इस कार्य का फॉरकास्ट एस्टीमेंट तैयार कर मुख्य अभियंता जयपुर को प्रेषित कर दिया गया है। प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त होते ही निविदा प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी।

गर्ग ने बताया कि बजट में कोटड़ा से देवला रोड तक 50 किलोमीटर सड़क को 4 लेन करने के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने व मावली उदयपुर से नाथद्वारा वाया गुडली तक 35 किमी सड़क के लिए डीपीआर बनाने की भी घोषणा की गई है। इसके लिए डीपीआर के लिए दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। डीपीआर के लिए क्रमशः 150 लाख व 100 लाख रूपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के लिए मुख्य अभियंता जयपुर को पत्र प्रेषित किए गए हैं। स्वीकृति प्राप्त होते ही डीपीआर तैयार करने के लिए कंसलटेंट की नियुक्ति के लिए निविदा की जाएगी। छाणी-झाझरी रोड़ के लिए भी प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी होते ही निविदा प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। इसके अलावा बिपरजॉय तुफान, अतिवृष्टि एवं अन्य क्षतिग्रस्त सड़कों एवं पुलियाओं की मरम्मत के 139 कार्य बजट में प्रस्तावित किए गए हैं। इसके लिए प्रारंभिक तैयारियां कर ली गई हैं। स्वीकृति प्राप्त होते ही निविदा आमंत्रित की जाएगी।

राज्य बजट में उदयपुर शहर में बढ़ते यातायात दबाव को नियंत्रित करने के लिए फ्लाईओवर, एलिवेटेड रोड़ की सौगात दी गई है। इसमें पारस तिराहे पर 36.16 करोड़ की लागत से फ्लाईओवर निर्माण किया जाना है। इससे पारस तिराहे पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। वहीं देबारी चौराहे से प्रातपनगर चौराहे तक 125 करोड़ की लागत से एलिवेटेड रोड़ बनना भी प्रस्तावित है। एलिवेटेड रोड़ बनने से एयरपोर्ट मुख्य मार्ग पर वर्तमान में यातायात के अत्यधिक दबाव से बनने वाली स्थितियों में काफी सुधार होगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत बोखाड़ा, पंचायत समिति सायरा जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-2024-25/43 दिनांक-25/7/2024

-: संशोधित ई निविदा सूचना

ग्राम पंचायत बोखाड़ा में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं इस कार्यालय के निविदा सूचना संख्या 01/ 2024-25, पत्रांक पंचा/ 2024-25/33-38 दिनांक 15.07.2024 द्वारा आमंत्रित की गई थी उक्त निविदा सूचना में निविदा जमा कराने / निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग फीस एवं धरोहर राशि जमा कराने की दिनांक तथा निविदा खोलने की दिनांक में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है:-

1. निविदा अपलोड करने की दिनांक :- 05.08.2024 सायं 6.00 बजे तक
2. निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग फीस एवं धरोहर राशि जमा कराने की दिनांक :- 06.08.2024 दोपहर 12.00 बजे तक
3. निविदा खोलने की दिनांक :- 06.08.2024 अपरान्ह 2.00 बजे से

शेष विवरण/शर्ते यथावत रहेगी।

UBN No ZUD2425GLRC00140

(कमला गरासिया)	(भरत कुमार मेघवाल)
सरपंच	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत, बोखाड़ा	ग्राम पंचायत, बोखाड़ा
पं.स.सायरा, जिला-उदयपुर	पं.स.सायरा, जिला-उदयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत नामरी, पंचायत समिति मावली, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-2024-25/SPL दिनांक-16.07.24

-: ई निविदा सूचना-01/2024-25:-

ग्राम पंचायत नामरी में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 30.07.2024 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No ZUD2425GLRC00211

सरपंच	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत नामरी	ग्राम पंचायत नामरी
पंचायत समिति मावली	पंचायत समिति मावली
जिला-उदयपुर (राज.)	जिला-उदयपुर (राज.)

सरकार करेगी अग्रणी कृषकों का सम्मान, 30 सितम्बर मांगे आवेदन

उदयपुर, (कासं)। भूमिपुत्रों को सम्मानित कर प्रोत्साहित करने की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशाओं को पूरा करने की दृष्टि से राज्य सरकार द्वारा कृषि, उद्यानिकी और पशुपालन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले अग्रणी कृषकों को सम्मानित किया जाएगा। उदयपुर जिले में कृषोन्नति योजना के कृषि विस्तार पर उप मिशन आत्मा योजना अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में राज्य, जिला तथा पंचायत समिति स्तर पर पांच विभिन्न कृषि उद्यमों के श्रेष्ठ कृषकों को पुरस्कृत करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस योजना में पुरस्कृत किये जाने हेतु कृषक के मनोनयन प्रस्ताव 30 सितंबर तक आमंत्रित किये गये है। यह आमन्त्रण प्रस्ताव प्रतापनगर स्थित उप निदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) में भिजवाने होंगे।

उप निदेशक डॉ. राजेश्वरी राणावत ने बताया कि इन पुरस्कारों हेतु प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर पांच कृषकों का चयन प्रत्येक गतिविधिवार यथा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन डेयरी व मत्स्य पालन, जैविक खेती, नवाचारी खेती, कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन आदि गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों में से एक-एक कृषक का चयन किया जाएगा। पंचायत समिति स्तर पर चयनित कृषकों में से 10 सर्वश्रेष्ठ कृषकों को जिला स्तर पर चयनित किया जायेगा तथा प्रत्येक के समस्त जिलों से चयनित कृषकों में से राज्य स्तर पर 10 सर्वश्रेष्ठ कृषकों का चयन होगा। पुरस्कार के तहत प्रत्येक गतिविधिवार पंचायत समिति स्तर पर राशि 10 हजार रुपये, जिला स्तर पर 25 हजार रुपये एवं राज्य स्तर पर 50 हजार रुपये देने का प्रावधान है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

पन्नाधाय कॉलोनी शाखा, जिला चित्तौड़गढ़, राजस्थान 312001
फोन नं.: 01472-245500, ई-मेल: vjchga@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
"परिशिष्ट-IV-क" [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जैसी है जहां है", "जो है जैसी है" और "जितनी भी उपलब्ध है" के आधार पर **बैंक ऑफ बड़ौदा**, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्र./लोट नं.	ऋणियों/जमानतदारों/ बंधककर्ताओं के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया	ई-नीलामी की दिनांक / ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी) / बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (प्रलक्षित/ वास्तविक)	संपति निरीक्षण की दिनांक व समय
1.	**मैसर्स श्री राम एंटरप्राईजेज प्रोपराईटर- श्रीमती लीला आर्य पत्नी श्री राम चन्द्र रेगर जमानतदार- श्री राम चन्द्र रेगर पुत्र श्री वरदी चन्द्र रेगर** मंडफिया, नवोदय स्कूल के पास, तहसील भदेसर, जिला चित्तौड़गढ़, राजस्थान 312027	श्रीमती लीला आर्य पत्नी श्री राम चन्द्र रेगर के नाम आवासीय मकान जो पट्टा नं. 52, ग्राम मंडफिया, तहसील भदेसर, जिला चित्तौड़गढ़, राजस्थान 312027 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1904 वर्ग फीट है। सीमाएं- पूर्वः बालू राम गाडरी की सम्पत्ति, पश्चिमः वरदी चंद की सम्पत्ति, उत्तरः रोड़, दक्षिणः गोकुल रेगर की सम्पत्ति अन्य ऋण भारः ज्ञात नहीं	रूपये 24,70,437.38 दिनांक 17.04.2024 को बकाया (दिनांक 13.04.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।	06.09.2024 / दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक	आरक्षित मूल्य- रूपये 25,17,000/- / धरोहर राशि- रूपये 2,51,700/- / बोली वृद्धि राशि- रूपये 20,000/-	प्रलक्षित	30.08.2024 सुबह 11:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं ऑनलाईन नीलामी पोर्टल https://ebkray.in देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से **दूरभाष नं.- 01472-245500, मोबाईल नं. 8875006625** पर संपर्क कर सकते है।

दिनांकः 26.07.2024
स्थानः चित्तौड़गढ़

हस्ता. (परेश के टांक)
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

कार्यालय ग्राम पंचायत कुण्डलावास, पंचायत समिति सायरा, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-ग्रा.प./24-25/47 दिनांक-26.07.24

-: ई निविदा सूचना-01/2024-25:-

ग्राम पंचायत कुण्डलावास में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 05.08.2024 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No ZUD2425GLRC00313

सरपंच	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कुण्डलावास	ग्राम पंचायत कुण्डलावास
पंचायत समिति सायरा	पंचायत समिति सायरा
जिला-उदयपुर (राज.)	जिला-उदयपुर (राज.)

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

पन्नाधाय कॉलोनी शाखा, जिला चित्तौड़गढ़, राजस्थान 312001
फोन नं.: 01472-245500, ई-मेल: vjchga@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
"परिशिष्ट-IV-क" [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जैसी है जहां है", "जो है जैसी है" और "जितनी भी उपलब्ध है" के आधार पर **बैंक ऑफ बड़ौदा**, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्र./लोट नं.	ऋणियों/जमानतदारों/ बंधककर्ताओं के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया	ई-नीलामी की दिनांक / ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी) / बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (प्रलक्षित/ वास्तविक)	संपति निरीक्षण की दिनांक व समय
1.	**श्री राम चन्द्र रेगर पुत्र श्री वरदी चन्द्र रेगर सह-ऋणी- श्रीमती लीला आर्य पत्नी श्री राम चन्द्र रेगर** मंडफिया, नवोदय स्कूल के पास, तहसील भदेसर, जिला चित्तौड़गढ़, राजस्थान 312027	श्री राम चन्द्र रेगर पुत्र श्री वरदी चन्द्र रेगर के नाम आवासीय मकान जो आराजी नं. 172, ग्राम मंडफिया, तहसील भदेसर, जिला चित्तौड़गढ़, राजस्थान 312027 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग मीटर है। सीमाएं- पूर्वः रोड़, पश्चिमः नानूराम रेगर की भूमि, उत्तरः कन्हैया लाल की दुकान, दक्षिणः रोड़ अन्य ऋण भारः ज्ञात नहीं	रूपये 20,16,736.52 दिनांक 17.04.2024 को बकाया (दिनांक 13.04.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।	06.09.2024 / दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक	आरक्षित मूल्य- रूपये 68,80,000/- / धरोहर राशि- रूपये 6,88,000/- / बोली वृद्धि राशि- रूपये 20,000/-	प्रलक्षित	30.08.2024 सुबह 11:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं ऑनलाईन नीलामी पोर्टल https://ebkray.in देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से **दूरभाष नं.- 01472-245500, मोबाईल नं. 8875006625** पर संपर्क कर सकते है।

दिनांकः 26.07.2024
स्थानः चित्तौड़गढ़

हस्ता. (परेश के टांक)
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

बागोलिया में ढाई, वल्लभनगर में एक इंच बारिश

उदयपुर, (कासं)। सावन माह में अच्छी बारिश व झीलों के भरने की आस लगाए बैठे शहरवासियों को शुक्रवार शाम से हो रही बूंदाबांदी ने राहत दी है। बुधवार को अच्छी बारिश के बाद गुरूवार रीता बितने के बाद मौसम में फिर उमस घुल गई थी। शुक्रवार सुबह से मौसम में धूप व उमस देखी गई और दोपहर 3 बजे बाद छंटने लगी और बूंदाबांदी का दौर शुरू हो गया। उदयपुर शहर में बूंदाबांदी का यह दौर रात 8.30 बजे तक जारी है। वहीं शाम 5 बजे तक बीते 12 घंटों में उदयपुर जिले के बागोलिया में 64 मिमी (ढाई इंच से अधिक) तो वल्लभनगर में 22 मिमी (करीब एक इंच) बारिश के समाचार मिले है। वहीं गुरूवार की तुलना में शुक्रवार को तापमान में एक डिठाी की वृद्धि के साथ यह 32.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। लेकसिटी के बारिश का दौर एक दिन थमने के बाद आज सुबह भी बारिश के कोई आसार नहीं दिखे लेकिन दोपहर बाद बदले मौसम के साथ बूंद-बूंद का बरसाती दौर चल रहा है। उमस को राहत देने वाली इस बूंदाबांदी के साथ ही जिले के कई हिस्सों में तेज बारिश के समाचार भी मिले है। हालांकि सुबह 8 बजे समाप्त बीते 24 घंटों में सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार कहीं भी बारिश के समाचार नहीं मिले थे लेकिन दोपहर बाद मौसम का बदलाव शहर को गीला कर रहा है वहीं केचमेंट भी बारिश हो रही थी। इधर, शहर की प्रमुख झीलें फतहसागर व पीछोला में अभी आवक शुरू नहीं हुई है लेकिन नांदेश्वर चैनल के हल्के वेग से चलने के बाद केचमेंट में एक अच्छी बारिश सीसारमा नदी को चला सकती है।

कार्यालय ग्राम पंचायत चित्रावास, पंचायत समिति सायरा, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-ग्रा.प./24-25/35 दिनांक-26.07.24

-: ई निविदा सूचना-01/2024-25:-

ग्राम पंचायत चित्रावास में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 05.08.2024 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No ZUD2425GLRC00318

सरपंच	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत चित्रावास	ग्राम पंचायत चित्रावास
पंचायत समिति सायरा	पंचायत समिति सायरा
जिला-उदयपुर (राज.)	जिला-उदयपुर (राज.)

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

पन्नाधाय कॉलोनी शाखा, जिला चित्तौड़गढ़, राजस्थान 312001
फोन नं.: 01472-245500, ई-मेल: vjchga@bankofbaroda.com

अचल संपत्तियों के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
"परिशिष्ट-IV-क" [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जैसी है जहां है", "जो है जैसी है" और "जितनी भी उपलब्ध है" के आधार पर **बैंक ऑफ बड़ौदा**, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्र./लोट नं.	ऋणियों/जमानतदारों/ बंधककर्ताओं के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्तियों के साथ अचल संपत्तियों का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया	ई-नीलामी की दिनांक / ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी) / बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (प्रलक्षित/ वास्तविक)	संपति निरीक्षण की दिनांक व समय
1.	**मैसर्स मातेश्वरी किएशन साड़ी सेन्टर प्रोपराईटर- श्रीमती टीना शर्मा पत्नी श्री कमलेश कुमार पालीवाल जमानतदार- श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री श्याम सुन्दर गर्ग** 12-बी, अंबिकापुरी, कुम्भा नगर, चित्तौड़गढ़, राजस्थान 312001	श्रीमती टीना शर्मा पुत्री श्री प्रेम चंद शर्मा पत्नी श्री कमलेश कुमार पालीवाल के नाम आवासीय सम्पत्ति सर्वे नं. आराजी नं. 2097/2099 जो कीर खेड़ा, चित्तौड़गढ़, राजस्थान 312001 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1172.43 वर्ग फीट है। सीमाएं- उत्तरः जगदीश धोबी, दक्षिणः आम रोड़ 20 फीट, पूर्वः गीता देवी गर्ग, पश्चिमः राजू रेगर अन्य ऋण भारः ज्ञात नहीं	रूपये 28,26,339.97 दिनांक 28.04.2024 को बकाया (दिनांक 27.04.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।	06.09.2024 / दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक	आरक्षित मूल्य- रूपये 32,35,000/- / धरोहर राशि- रूपये 3,23,500/- / बोली वृद्धि राशि- रूपये 20,000/-	प्रलक्षित	29.08.2024 सुबह 11:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक
		श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री श्याम सुन्दर गर्ग के नाम खुला प्लॉट सर्वे नं. आराजी नं. 2088 जो कीर खेड़ा, चित्तौड़गढ़, राजस्थान 312001 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 945 वर्ग फीट है। सीमाएं- उत्तरः प्रेम चंद शर्मा, दक्षिणः रोड़, पूर्वः पारस कंवर, पश्चिमः स्वयं का मकान अन्य ऋण भारः ज्ञात नहीं			आरक्षित मूल्य- रूपये 17,00,000/- / धरोहर राशि- रूपये 1,70,000/- / बोली वृद्धि राशि- रूपये 20,000/-	प्रलक्षित	

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं ऑनलाईन नीलामी पोर्टल https://ebkray.in देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से **दूरभाष नं.- 01472-245500, मोबाईल नं. 8875006625** पर संपर्क कर सकते है।

दिनांकः 26.07.2024
स्थानः चित्तौड़गढ़

हस्ता. (परेश के टांक)
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

शिक्षक के हत्यारे को पुलिस ने जंगल से दबोचा, आरोपी ने खुद को तलवार मारी

गंभीर घायल हत्यारे की उदयपुर चिकित्सालय ले जाते समय अत्यधिक खून बहने से मौत हो गई

- अदवास गांव में शिक्षक भंवरलाल मेघवाल पर आरोपी ने तलवार से हमला किया था, जिससे शिक्षक की मौत हो गई थी
- पुलिस के दबोचने से पहले हत्यारे ने खुद के गले पर तलवार से वार कर दिया
- दिनभर समझाइश का दौर चला, मामले में चार जनों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

उदयपुर, (कासं)। सलूम्बर के अदवास गांव में शिक्षक की तलवार से हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने अदवास के जंगलों ने दबोच लिया। दबोचने से पहले हत्यारे ने खुद के गले पर भी तलवार से वार कर दिया, जिससे अत्यधिक रक्तस्त्राव होने लगा। गंभीर घायल हत्यारे को पुलिस उदयपुर के एमबी चिकित्सालय लेकर आ रही थी, जहां बीच रास्ते उसने दम तोड़ दिया।

सलूम्बर जिले में जावरमाइंस थाना क्षेत्र के अदवास गांव में गुरूवार देर शाम घर के बाहर पड़साल में बैठे शिक्षक भंवरलाल मेघवाल पर फतहसिंह पुत्र देवीसिंह ने तलवार से हमला कर दिया। मामले में बीच-बचाव के लिए आए शिक्षक के पिता डालचंद फतहसिंह पर भी तलवार से वार किए। घटना में शिक्षक भंवरलाल की मौत हो गई जबकि पिता डालचंद गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले में शिक्षक शंकरलाल मेघवाल की पत्नी ललिता मेघवाल ने थाने में मामला दर्ज करवाया। घटना के बाद उदयपुर के एमबी चिकित्सालय के मोर्चरी के बाहर हत्यारों की गिरफ्तार की मांग को लेकर दिनभर विरोध प्रदर्शन होता रहा। इससे पूर्व समझाइश के लिए सलूंबर एसपी सहित आला अधिकारी और रघुवीर मीणा सहित अन्य नेता उदयपुर पहुंचे थे और दिनभर समझाईश का दौर चला। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया जिनमें एक भोपा शामिल है। मामले में मुख्य हमलावर फतहसिंह अदवास के जंगलों में जाकर छुप गया, जिसकी दिनभर तलाश जारी रखी।

सलूंबर जिले के अदवास गांव में शिक्षक की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने जंगल से गिरफ्तार कर लिया, गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने खुद को भी तलवार मार कर घायल कर लिया जिसे गंभीर हालत में एम.बी.चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। बताया गया कि हत्यारे फतेहसिंह ने एक दिन पहले ही तलवार की धार लगाई थी। यही नहीं वह रैकी करता हुआ सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। उसने पूरी प्लानिंग के साथ घटना का अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि फतेहसिंह अत्यधिक शराब पीने का आदी है। कुछ समय पहले वह अहमदाबाद में पंचर की दुकान लगाता था। ग्रामीणों के अनुसार आरोपी आदतन नशेड़ी है और गांव में शिक्षक शंकरलाल मेघवाल के घर से उसके घर की दूरी केवल 300 मीटर है। अहमदाबाद से लौटने के बाद वह बेरोजगार था। लंबे समय से कोई काम नहीं कर रहा था।

दो हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

परिवादी से तीन हजार रूपये रिश्वत राशि मांगी थी

बाड़मेर, (निसं)। ए.सी.बी. की बाड़मेर इकाई की ओर से शुक्रवार को कार्रवाई करते हुये पटवार मण्डल बीजासर, तहसील धनाऊ के पटवारी रामूलाल मीणा को परिवादी से दो हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए. सी.बी. की बाड़मेर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए किये गये आवेदन पत्रों में भूमि का इन्द्राज करने, जमाबंदी एवं नक्शे की प्रमाणित प्रतिलिपियां देने की एवज में आरोपी रामूलाल मीणा, पटवारी, पटवार मण्डल बीजासर, तहसील धनाऊ, बाडमेर द्वारा तीन हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी जोधपुर के उप महानिरीक्षक हरेन्द्र महावर के सुपरवीजन में एसीबी की बाडमेर इकाई के उप अधीक्षक किशन सिंह चारण के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी पटवारी रामूलाल मीणा को परिवादी से दो हजार रूपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी जयपुर की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

विदेशी महिला से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने अनुसंधान तेज किया

जांच अधिकारी ने कोर्ट में बयान करवाने के बाद शहर के तीन होटलों में जाकर पीड़िता के साथ मौका मुआयना किया

- जहां-जहां पीड़िता रुकी वहां एफएसएल के जरिए साक्ष्य भी जुटाए, आरोपी के साथ कौन-कौन शामिल है इसकी भी जांच की जा रही है
- अजमेर सीआईडी के द्वारा घटना की जानकारी भारतीय एम्बेसी को भी दी गई है
- आरोपी वकील को बंदूक की सफाई करते फायर हो जाने से घायल होने पर अस्पताल में भर्ती कराया

अजमेर, (कासं)। अमेरिका निवासी विदेशी महिला से अजमेर निवासी पेशे से शादीशुदा वकील युवक द्वारा सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती करने और अजमेर बुलाकर प्रेम बढ़ाने व शादी का झांसा देकर रेप करने का मामला इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। विदेशी महिला से दुष्कर्म को लेकर अजमेर पुलिस ने अनुसंधान तेज कर दिया है। शुक्रवार को जांच अधिकारी ने कोर्ट में बयान करवाने के बाद शहर के तीन अलग-अलग होटल में जाकर पीड़िता के साथ मौका मुआयना किया। साथ ही जहां-जहां पीड़िता रुकी वहां एफएसएल के जरिए साक्ष्य भी जुटाए। वहीं आरोपी वकील एक दिन पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में दोनाली बंदूक की सफाई करते हुए फायर हो जाने से गंभीर अवस्था में जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी पर निगरानी बढ़ाकर उससे पूछताछ के प्रयास भी तेज कर दिए हैं।

मामले में जांच अधिकारी पुलिस उपअधीक्षक नेमीचंद चौधरी ने बताया कि आरोपी के साथ कौन-कौन शामिल है इसकी भी जांच की जा रही है। साथ ही अजमेर सीआईडी के द्वारा इस घटना की जानकारी भारतीय एम्बेसी को भी दी गई है।

पुलिस उप अधीक्षक नेमीचंद चौधरी ने बताया कि गुरुवार को जीरो नंबर एफआईआर बूंदी महिला थाने से अजमेर सिविल लाइन थाने को प्राप्त हुई थी। पीड़ित फॉरेनर महिला ने मुकदमा दर्ज कराया है। जिसने अजमेर निवासी वकील मानव राठौड़ पर सोशल मीडिया पर अपने आपको अनमैरिड बताकर दोस्ती करने और शादी का ऑफर देकर भारत बुलाकर रेप करने का आरोप लगाया है। डिप्टी ने बताया कि पीड़िता अप्रैल और जुलाई महीने में अजमेर के होटलों में अलग-अलग दिन रुकी हुई थी। इसके साथ ही जहां भी पीड़िता रुकी हुई थी उस संबंध में अनुसंधान किया जा रहा है। पीड़िता का मेडिकल करवा दिया गया है। कोर्ट में भी पीड़िता के बयान हो चुके हैं। पीड़िता जहां-जहां रुकी उस संबंध में अनुसंधान जारी है और घटनास्थल का मौका मुआयना कर एफएसएल के जरिए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। अजमेर के एक होटल में पीड़िता अप्रैल महीने में 6 दिन रुकना बताया है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि महिला अगर होटल में रुकी तो उसका सी फॉर्म भरवाया गया या नहीं और यदि उल्लंघन किया या इंटेंशनली और रूटीन में रुकवाया गया तो इस संबंध में भी अनुसंधान जारी है।

डीवाईएसपी ने बताया कि पीड़िता और आरोपी के बीच ऑनलाइन पैसों का लेनदेन होने की भी जानकारी दी गई है। आरोपी के द्वारा पीड़िता को विभिन्न प्रलोभन देकर और धोखे में रखकर समय-समय पर रुपए लिए गए। आरोपी के द्वारा यह तथ्य छिपाए गए कि वह पहले से ही शादीशुदा है और उसका 11 साल का बच्चा है साथ ही पत्नी प्रेग्नेंट भी है। पीड़िता को इन सब के बारे में 21 जुलाई को पता चला जब वह उसके घर पर गई थी। जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने फेसबुक पर अपनी पत्नी के साथ फोटो लगा रखी थी। उसे भी पीड़िता को अपनी पत्नी ना बता कर अपनी कजिन सिस्टर होना बताया था। पीड़िता भारत की सनातन संस्कृति से प्रभावित हो रखी थी। फेसबुक पर आरोपी से फ्रेंडशिप हुई थी। मानव ने चैटिंग में पीड़िता को शुद्ध शाकाहारी बताकर आदर्श भारतीय संबंधित बातें की थी।

आरोपी ने पीड़िता को बताया कि वह लहसुन प्याज नहीं खाता और इसी से प्रभावित होकर पीड़िता भारत आई थी। इसके साथ ही अन्य एजेंसी भी जांच कर रही है कि जब पीड़िता अजमेर के विभिन्न होटलों में रुकी तो उसके दस्तावेज जमा करवाए गए या नहीं। पुलिस जांच कर रही है कि विदेशी महिला के अजमेर आने और पुलिस में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने से विचलित अवस्था में वकील ने स्वयं को गोली मारकर जीवनलीला समाप्त करने की कोशिश की अथवा वह सही में हादसे का शिकार हुआ है।

महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय में लगे संविदा शिक्षकों को बड़ा झटका

बीकानेर, (निसं)। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने प्रदेश के हर जिले में महात्मा गांधी के नाम पर अंग्रेजी माध्यम विद्यालय तो खोल दिए, लेकिन इनमें पढ़ाने वाले शिक्षक हिंदी माध्यम स्कूलों से ही लगा दिए। इसके बाद व्यवस्था सुधारने के नाम पर एक साल के लिए करीब साढ़े चार हजार सहायक अध्यापकों की संविदा पर भर्ती की। अब इन शिक्षकों का एक साल का कार्यकाल दो दिन बाद समाप्त होने वाला है। इन अध्यापकों पर एक साथ बेरोजगार होने की तलवार लटकने लगी है।

संविदा पर लगे इन शिक्षकों को उम्मीद थी कि सरकार उन्हें संविदा से हटाकर स्थाई कर सकती है। सरकार ने उनका कार्यकाल बढ़ाने का कोई संकेत नहीं दिया है। इससे इनमें मायूसी है। अगले दो दिन इन पर बेहद भारी पड़ने वाले हैं, क्योंकि 28 जुलाई से यह लोग बेरोजगार हो जाएंगे। प्रदेश में एक साल पहले अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में सहायक अध्यापक लेवल प्रथम व लेवल द्वितीय संविदा भर्ती 2023 के अन्तर्गत 4500 शिक्षकों को नियुक्ति दी गई थी। इन शिक्षकों को प्रति माह 16900 रुपए पारिश्रमिक मिलता था। इसके अलावा मेडिक्लेम पॉलिसी प्रीमियम का पुनर्भरण 1500 रुपए प्रति वर्ष, नई पेंशन स्कीम स्वयं की निक्षेपित 50 प्रतिशत के अभिदान का पुनर्भरण तथा दुर्घटना बीमा जैसी शर्तें भी शामिल थी।

आशीष मोदी, माध्यमिक शिक्षा निदेशक का कहना है कि एक साल के लिए संविदा पर लगे शिक्षकों का कार्यकाल बढ़ाने का मामला सरकार के समक्ष विचाराधीन है। अगर कार्यकाल बढ़ेगा तो समय पर बता दिया जाएगा।

प्रवेश-पत्र 31 को अपलोड होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा कला साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग हेतु पुरालेखपाल के 3, सहायक पुरालेखपाल के 2, शोध अध्येता के 1, शोध अधिकारी के 1 व रसायनज्ञ के 1 कुल 8 पदों की परीक्षाओं का आयोजन 3 से 5 अगस्त तक अजमेर जिला मुख्यालय पर किया जाएगा। परीक्षाओं में ओएमआर उत्तर-पत्रक के पांचवे विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। आयोग सचिव ने बताया कि परीक्षा के प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर 31 जुलाई को जारी किए जाएंगे।

मोबाइल टावरों से चोरी करने वाली गैंग का खुलासा, 11 गिरफ्तार

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर पुलिस ने मोबाइल टावरों से चोरी करने के मामले में बड़ा खुलासा किया है। साथ ही 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से करीब 70 लाख रुपए के मोबाइल टावर के महंगे उपकरण आरआरयू, बीटीएस बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से दो आरोपी पूर्व में मोबाइल टावर कंपनी में काम कर चुके थे। जिन्हें मोबाइल टावर के महंगे उपकरणों के बारे में जानकारी थी, इसलिए इन्होंने मोबाइल टावरों से चोरी करने के लिए गैंग बना ली।

- आरोपियों के कब्जे से 70 लाख रुपए से अधिक का माल बरामद किया
- गिरफ्तार आरोपियों में से दो आरोपी पूर्व में मोबाइल टावर कंपनी में काम कर चुके थे
- टावरों से चोरी किए गए सामान को खरीदने वाले को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया

पुलिस ने मोबाइल टावरों से चोरी करने वाली गैंग के बदमाशों को गिरफ्तार किया।

चोरी के इस बड़े मामले और बड़ी गैंग का खुलासा करने के लिए धौलपुर एसपी सुमित मेहरड़ा ने अपने कार्यालय में शुक्रवार को प्रेसवार्ता की। एसपी ने बताया कि धौलपुर जिले में तीन दर्जन से अधिक मोबाइल टावरों से महंगे उपकरणों की चोरी होने की वारदातें हुई थी, जिन्हें लेकर पुलिस थानों में मुकदमे दर्ज किए गए थे। चोरी के इन मामलों का खुलासा करने के लिए सदर थाना धौलपुर के प्रभारी रामनरेश मीणा और बाड़ी थाना प्रभारी विनोद कुमार के नेतृत्व में साइबर थाने के साथ साइबर सैल, क्यूआरटी और डीएसटी टीम का गठन किया गया।

टीम ने मामले का खुलासा करते हुए मोबाइल टावर में पूर्व में काम कर चुके दो आरोपी अर्जुन सेन (23) पुत्र हरविलास नाई निवासी कायस्थपाड़ा न्यू कॉलोनी बाड़ी धौलपुर और राजू बघेल (22) पुत्र रमेश चंद निवासी कायस्थपाड़ा न्यू कॉलोनी बाड़ी धौलपुर को गिरफ्तार कर लिया। इन्होंने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उन्हें मोबाइल टावर के महंगे उपकरण की अच्छी तरह पहचान है। जिसको लेकर उन्होंने धौलपुर, भरतपुर और करौली के लोगों को मिलाकर एक गैंग बना ली।

पुलिस ने इस मामले में दोनों मुख्य आरोपी के साथ गैंग में शामिल राजू पुत्र रोशनलाल नाई, कुलदीप पुत्र मोहन सिंह गुर्जर, भूरा गुर्जर पुत्र रसाल सिंह गुर्जर, परमाल सिंह पुत्र रघुनन्दन गुर्जर, अजय उर्फ कल्ली पुत्र कप्तान सिंह गुर्जर, रिंकू गुर्जर पुत्र लाखन सिंह गुर्जर, करतार पुत्र जगदीश गुर्जर, सुरेन्द्र पुत्र सहाव सिंह गुर्जर, असलम पुत्र शहीद अहमत तेली को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से मोबाइल टावरों से चोरी किए गए सामान को दिल्ली में असलम खरीदता था, जिसे पुलिस टीम ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है।

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक : निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC X) /2024 / ई-07439
ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या-ERCC (XI / 2024)
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों परअधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 2 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म परइच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।
DIPR/C/6434/2024 (भगवती प्रसाद) IAS, निदेशक

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लाईमस्टोन, 8, वेस्ट पटेल नगर, सर्किट हाउस रोड, जोधपुर- 342001 (राज.)
फोन नम्बर: (0291) 2511031/2516199 फैक्स: (0291)2511029, Email-jodhpur.rsmml@rajasthan.gov.in
दिनांक :- 26/07/2024
संशोधित निविदा सूचना - 02

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम./ एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस/ जीजीएम-एलएस/संविदा 04/2024-25 दिनांक :- 13.06.2024 UBN No. MML2425WSOB00032	एस.बी.यू. एवं पी.सी.-लाईमस्टोन, जोधपुर में हेल्पर की सेवायें किराये पर ऐजेन्सी के माध्यम से दिये जाने अकुशल प्रकृति के श्रमिकों की सेवायें अनुबन्ध के आधार पर उपलब्ध करवाने हेतु (श्रमिकों की संख्या लगभग 09)। अनुमानित मूल्य (रू.) 18,60,000 लाख, धरोहर राशि(रू.) 37200/-, निविदा राशि- 1180/- निविदा प्रस्तुत करने की संशोधित तिथि 12.08.2024 को सांय 3.00 बजे तक, निविदा के तकनिकी प्रस्ताव खुलने की संशोधित तिथि 13.08.2024 को सांय 3.30 बजे

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/24/2846 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सा.नि.वि.सम्भाग भरतपुर
कमांक:अमुअ/भरत/त.स./2024-25/डी- 986 दिनांक: 22/07/24
निविदा सूचना संख्या 02 / (पीएमजीएसवाई वित्तीय प्रोत्साहन) / 2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमन्त्री ग्राम सडक योजना (वित्तीय प्रोत्साहन) के अन्तर्गत सडक नवीनीकरण हेतु मय पाँच साल की मरम्मत के लिऐ प्रतिशत दर के अनुसार कुल 02 पैकेज अनुमानित लागत राशि रू0 106.11 लाख के लिऐ उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in व www.pwd.rajasthan.gov.in, "www.sppp.raj.nic.in व www.pmgsytendersraj.gov.in पर देखा जा सकता है।
इच्छुक संवेदकों को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट www.pmgsytendersraj.gov.in पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।
NIB NO.- PWD2425A0839
UBN NO.- PWD2425WSOB03194
UBN NO.- PWD2425WSOB03195
DIPR/C/6502/2024 अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता सानिवि संभाग भरतपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004, www.jda.rajasthan.gov.in
क्रमांक: जविप्रा प.6( )जविप्रा / सा. स्टोर / स्टेशनरी आपूर्ति /2024/डी-287 दिनांक: 25.07.2024
निविदा सूचना
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा **"स्टेशनरी आपूर्ति हेतु"** जिसकी अनुमानित लागत राशि रू. **80,00,000/- (अक्षरे अस्सी लाख रूपये मात्र)** के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक **07.08.2024** को **सायं 6:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि **07.08.2024** को **सायं 6:00** बजे तक है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण **www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in** and **https://jda.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।
निविदा में भाग लेने वालो को निम्न शर्तों की पूर्ति करनी होगी :-
1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट **https://jda.rajasthan.gov.in** पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर पंजीकृत होना आवश्यक है।
(UBN No. JDA2425GLRC00192)
राज.संवाद/सी/24/2917 उपायुक्त (सा. स्टोर)

कार्यालय नगर पालिका आहोर, जिला-जालोर (राज.)
क्रमांक / नपाआहोर / विकास / 2024-25 / 512 दिनांक: 23.07.2024
-: निविदा सूचना :-
(निविदा क्रमांक 01/2024-25)
नगर पालिका आहोर क्षेत्र में निर्माण कार्यो को करवाये जाने हेतु राजस्थान के विभिन्न विभागो/निगमो/स्वायत्तशासी संस्थान/बोर्डो/राजकीय उपकमो में AA एवं A श्रेणी में पंजीकृत तथा स्वायत शासन राजस्थान के अधिन विभागो / संस्थानो नगर पालिका/नगर परिषद/नगर निगम, व बोर्डो में निर्धारित श्रेणी में निविदा जारी होने की दिनांक को पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त संवेदको से निर्धारित शर्तो के अनुसार मुहरबंद निविदाये तथा ऑन लाईन ई-निविदाए आमंत्रित की जाती है।

एन.आई.बी. नम्बर	DLB2425A1237
एवं यू.बी.एन. कोड	(DLB2425WSOB04029,30,31,32,33,34)
कार्यो की संख्या	06
कार्यो की अनुमानित लागत	79.72 लाख
ऑन लाईन निविदा फार्म मिलने की तारीख	26.07.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 05.08.2024 को सायः 06.00 बजे तक
ऑन लाईन तकनिकी एवं वित्तिय निविदा अपलोड करने की तारीख	26.07.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 05.08.2024 को सायः 06.00 बजे तक
ऑफ लाईन तकनिकी निविदा जमा कराने की तारीख	दिनांक 06.08.2024 को प्रातः 11.00 बजे तक
निर्धारित समय तक प्राप्त ऑफ लाईन तकनिकी निविदाओं की पात्रता का मुल्यांकन करना।	दिनांक 06.08.2024 को दोपहरः 12.00 बजे से
ऑन लाईन तकनिकी/वित्तीय निविदाऐं खोलने की तारीख	दिनांक 07.08.2024 को दोपहर : 02:00 बजे
निविदाऐं खोलने का स्थान	नगर पालिका कार्यालय, आहोर

निविदा से सम्बन्धित शर्ते एवं विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http//:sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है तथा निविदा प्रपत्र डाउनलोड किया जा सकता है।
राज.संवाद/सी/24/2861 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड
केंन्द्रीय रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 03/2024
सांकेतिक सूचना
जूनियर इंजीनियर (जेई), डिपो सामग्री अधीक्षक(डीएमएस), रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक(सीएमए), रासायनिक पर्यवेक्षक (अनुसंधान) और धातुकर्म पर्यवेक्षक (अनुसंधान) के विभिन्न पदों की भर्ती
नीचे दी गई तालिका में दिए गए विभिन्न श्रेणियों के पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 29.08.2024 है। **सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन जमा किए जाने चाहिए।**
आवेदन प्रारंभ होने की तिथि: 30.07.2024
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 29.08.2024

पदों के नाम	7वें सीपीसी में वेतन स्तर	प्रारंभिक वेतन (रू)	चिकित्सा मानक	आयु यथावत (01.01.2025*	कुल रिक्तियां (All RRBs) Tentative
रासायनिक पर्यवेक्षक/ अनुसंधान और धातुकर्म पर्यवेक्षक/अनुसंधान	स्तर-7	44900	विस्तृत सीईएन में अनुलग्नक-A देखें	18-36 वर्ष	17 (सिर्फ आरआरबी गोरखपुर)
जूनियर इंजीनियर (जेई), डिपो सामग्री अधीक्षक(डीएमएस) और रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक(सीएमए)	स्तर-6	35400			7934

इसमें कोविड 19 महामारी के कारण एक बार के उपाय के रूप में निर्धारित आयु सीमा से अधिक आयु में 3 वर्ष की छूट शामिल हैं।
अधिक जानकारी के लिए, कृपया नीचे सूचीबद्ध सभी भाग लेने वाले रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध विस्तृत केंद्रीकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 03/2024 देखें।

आरआरबी	बेबसाइट का पता	आरआरबी	बेबसाइट का पता
अहमदाबाद	www.rrbahmedabad.gov.in	कोलकत्ता	www.rrbkolkata.gov.in
अजमेर	www.rrbajmer.gov.in	मालदा	www.rrbmalda.gov.in
बेंगलूरु	www.rrbbnc.gov.in	मुंबई	www.rrbmumbai.gov.in
भोपाल	www.rrbbhopal.gov.in	मुजफ्फरपुर	www.rrbmuzaffarpur.gov.in
भुवनेश्वर	www.rrbbbs.gov.in	पटना	www.rrbpatna.gov.in
बिलासपुर	www.rrbbilaspur.gov.in	प्रयागराज	www.rrbald.gov.in
चंडीगढ़	www.rrbcdg.gov.in	रांची	www.rrbranchi.gov.in
चेन्नई	www.rrbchennai.gov.in	सिकंदराबाद	www.rrbsecunderabad.gov.in
गोरखपुर	www.rrbgkp.gov.in	सिलीगुड़ी	www.rrbsiliguri.gov.in
गुवाहाटी	www.rrbguwahati.gov.in	तिरूवनंतपुरम	www.rrbthiruvananthapuram.gov.in
जम्मू-श्रीनगर	www.rrbjammu.nic.in	***	****

यह अधिसूचना पूर्णत सांकेतिक प्रकार का है। उम्मीदवारों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सीईएन 03/2024 की पोस्ट पैरामीटर तालिका और रिक्ति तालिका को देखना आवश्यक है। उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र समय/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय पर केवल आरआरबी की उपरोक्त वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।
संख्याः RRB/All/Advt./CEN-03/2024 अध्यक्ष
दिनांक: 27.07.2024 रेलवे भर्ती बोर्ड
दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

RAJASTHAN LIVESTOCK DEVELOPMENT BOARD
PashudhanBhawanParisar, Tonk Road, Jaipur, Phone: 0141-4064974
Email – rldb.ah@rajasthan.gov.in, rldbraj@gmail.com, (Website: rldb.rajasthan.gov.in)
No. :- RLDB/LN/2024/3498 Dated :- 26/07/2024
INVITATION OF SHORT TERME-BIDS FOR LIQUID NITROGEN
Short term E-bids are invited from 10.00 AM on 27.07.2024 To 5.00 PM on 06.08.2024 from the Bona-fide manufacturers/Distributors/Dealers/Resellers for procurement of Liquid Nitrogen for an estimated value of Rs. 06.00 crores for the institutions of Department of Animal Husbandry receiving Liquid Nitrogen from Rajasthan Livestock Development Board (RLDB) for one year. Details of the bidding document may be seen on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the State; and RLDB website i.e. rldb.rajasthan.gov.in.
UBN No.: ANH2425GLRC00117
Raj.Samwad/C/24/2919 Chief Executive Officer

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड प्रथम बीकानेर
क्रमांकः 1210 दिनांक : 24/7/25
Notice Inviting Bid - 01 / 2024-25
Bids for Annual rate contract for Repair and mte of roads under Sub Dn Bikaner. Pugal, Khajuwala & Dantore are invited from interested bidders upto 30.07.2024 [09:30 AM] to 14.08.2024 [06:00 PM] & Open date 16.08.2024 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www. pwd.rajasthan.gov.in & eproc. rajasthan.gov.in & http:// sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 371.00 Lakh.
UBN No.
1. PWD 2425 WSRC03331, 2 PWD 2425WSRC03332
3. P4D 2425 KISRC03333, 4. PMD2425WJR103334
DIPR/C/6590/2024 Executive Engineer, PWD Distt. Dn-i, Bikaner

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम
क्रमांक : 881-88 दिनांकः 23/07/2024
ई-निविदा सूचना संख्याः 04/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला गंगापुर सिटी (खण्ड टोडाभीम) में सड़क मरम्मत, रिन्यूवल एवं अन्य कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/ डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के यथोचित श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
1 UBN No. PWD2425WSRC03259
2 UBN No. PWD2425WSRC03260
3 UBN No. PWD2425WSRC03261
4 UBN No. PWD2425WSRC03262
(के. के. मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम
DIPR/C/6555/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड जालोर
क्रमांकः अअ/जा/2024-25/ दिनांकः
निविदा सूचना संख्या : 05 वर्ष 2024-2025
NIB No. PWD2425A0747
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जालोर खण्ड कार्यालय के अधीन वार्षिक दर अनुबंध के आधार पर सड़क मरम्मत कार्य हेतु दर अनुबंध (Rate Contract) के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 180.00 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	23 जुलाई 2024, 9:30 बजे से 02 अगस्त 2024, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http:// eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http:// eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।
UBN No PWD2425WSRC02857, UBN No PWD2425WSRC02858
UBN No PWD2425WSRC02859, UBN No PWD2425WSRC02860
UBN No PWD2425WSRC02861, UBN No PWD2425WSRC02862
UBN No PWD2425WSRC02863
(आर.के. सिंघारिया) अधिशाषी अभियन्ता सा. नि. वि. खण्ड जालोर
DIPR/C/6519/2024

Phone No. 02992-294622, E mail ID eedist.jsl.phed@rajasthan.gov.in
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला खण्ड जैसलमेर
क्रमांक / अधि.अभि./ निविदा/ जैसल/2024-25/834-46 दिनांकः- 19.07.2024
बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या-2 (1-20)/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से जन स्वा. अभि. विभाग राजस्थान के अन्तर्गत इस खण्ड के अधीन विभिन्न सिविल एवं अन्य कार्यों हेतु अनुमानित लागत रू. 214.82 लाख के कुल 20 कार्य हेतु राजस्थान सरकार के अधीन पंजीकरण नियमो के तहत् उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाएं दिंनाक 05.08.2024 सांय 06:00 बजे तक डॉउनलोड की जाकर दिंनाक 06.08.2024 को सांय 1:00 बजे बिड शुल्क, ई-प्रक्रिया शुल्क, धरोहर राशि का चालान भौतिक रूप से इस कार्यालय में जमा कर उसी दिनांक 3:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा से संबधित विवरण DIPR की वेबसाइट WWW.dipronline.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। निविदा संख्या 02 (1-20)/2024-25 का विभागीय वेबसाइट www.sppp.raj.nic.in से प्राप्त NIB No:- PHE2425A1397) UBN No. निम्न प्रकार से है - PHE2425SSRC03055, PHE2425SSRC03057, PHE2425SSRC03058, PHE2425SSRC03059, PHE2425SSRC03060, PHE2425SSRC03061, PHE2425SSRC03062, PHE2425SSRC03082, PHE2425SSRC03083, PHE2425SSRC03084, PHE2425SSRC03085, PHE2425SSRC03086, PHE2425SSRC03087, PHE2425SSRC03088, PHE2425SSRC03089, PHE2425SSRC03091, PHE2425SSRC03092, PHE2425SSRC03093, PHE2425SSRC03094, PHE2425SSRC03095
(प्रेमाराम) अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जिलाखण्ड-जैसलमेर
DIPR/C/6525/2024

पट्टा जारी करने की प्रक्रिया होगी ऑनलाइन, आवेदक को 30 दिन में मिल जाएगा पट्टा : खर्रा

'सकारात्मक सुझावों को शामिल कर सफाईकर्मी भर्ती को पारदर्शी बनाया जाएगा'

जयपुर, (वि.सं.)। नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास को मूल मंत्र मानकर राजस्थान के विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का कार्य कर रही है। कठिन परिश्रम से हम यह मुकाम हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि पट्टा जारी करने की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर आवेदक को 30 दिन में पट्टा देना सुनिश्चित किया जाएगा। सफाईकर्मी भर्ती को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाएगा। खर्रा ने कहा कि राज्य के प्रमुख शहरों में इसी वर्ष से 500 ई-बसें संचालित की जाएंगी।

झाबर सिंह खर्रा शुक्रवार को विधानसभा में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग एवं स्वायत्त शासन विभाग की अनुदान मांग पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। चर्चा के बाद सदन ने नगरीय विकास एवं आवासन विभाग की 89 करोड़ 7 लाख 12 हजार रूपये एवं स्वायत्त शासन विभाग की 1 खरब 23 अरब 66 करोड़ 97 लाख 92 हजार रूपये की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दी।

मंत्री ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल करते हुए पट्टा जारी करने की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर पूर्ण पारदर्शी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पट्टे के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया आरंभ की जाएगी, जिसमें संबंधित निकाय आवेदन के 30 दिन के भीतर आवेदक को पट्टा जारी करेगा या निरस्त करेगा। उन्होंने कहा कि आवेदन में कोई कमी-खामी होने पर नगरीय निकाय एक सप्ताह की अवधि में उसकी जानकारी आवेदक को देगा। पट्टा निरस्त होने की स्थिति में आवेदक प्रशासनिक अधिकारियों की समिति के समक्ष पुन: आवेदन कर सकेगा। अगर गलत तरीके से पट्टा निरस्त करना पाया जाता है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

- **'5 वर्ष से अधिक समय से प्रतिनियुक्ति पर चल रहे अधिकारी-कर्मचारी भेजे जाएंगे मूल विभाग'**
- **'राज्य के प्रमुख शहरों में इसी वर्ष से संचालित होंगी 500 ई-बसें'**

खर्रा ने कहा कि जमीन मुआवजे के संबंध में गत 12 जुलाई को आदेश जारी कर पूर्व के आदेशों की खामियों को दूर किया गया है। उन्होंने कहा कि एक ही जोन में डीएलसी दर अलग-अलग हो सकती है, लेकिन आरक्षित दर एक ही होती है। नए आदेश में समतुल्यता लाते हुए मुआवजे का आधार डीएलसी दर को रखा गया है, जिससे अब कोई भी मुआवजे का नाजायज फायदा नहीं उठा सकेगा।

खर्रा ने सफाईकर्मी भर्ती में वाल्मिकी समाज को प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए कहा कि पूर्व में सफाईकर्मी भर्ती में नगरीय निकायों में दो वर्ष कार्य अनुभव का प्रावधान था, जिसे बाद में एक वर्ष कर दिया गया। तत्पश्चात् निजी संस्थाओं के अनुभव को भी इसमें शामिल कर लिया गया, जिससे यह प्रक्रिया दूषित हो गई। अब सभी के सकारात्मक सुझावों को शामिल कर सफाईकर्मी भर्ती को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि विभाग से सम्बन्धित नियम-कानूनों में कोई खामी है तो उन्हें संशोधन कर दुरूस्त किया जाएगा। नगरीय निकायों की टाउनशिप पॉलिसीज को बदलकर इन्हें और बेहतर बनाया जाएगा। नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री ने कहा कि जमीन अधिग्रहण के मामलों में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अंतिम रूप से जमीन जिसके नाम थी, उसे मुआवजा मिले। वहीं यूडी टैक्स के सरलीकरण का भी प्रयास किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न राज्यों के यूडी टैक्स मॉडल का अध्ययन करने के लिए विभागीय अधिकारियों की टीम इन राज्यों के दौरे पर भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि जवाहर नगर कच्ची बस्ती को फॉरेस्ट डिनोटिफाई कराने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विभाग में कोई भी कर्मचारी यदि तीन वर्ष से अधिक अवधि से एक ही शाखा में कार्यरत है तो उसका दूसरी शाखा में तबादला किया जाएगा। साथ ही, यदि कोई अधिकारी-कर्मचारी 5 वर्ष से अधिक समय से विभाग में प्रतिनियुक्ति पर है तो उसे मूल विभाग में भेजा जाएगा। खर्रा ने कहा कि तथ्यात्मक शिकायतें प्राप्त होने पर उनकी निष्पक्ष जांच करवाकर दोषी कार्मिकों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

बारां, चित्तौड़गढ़ व जोधपुर के लोगों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास एवं विधानसभा में विभिन्न जिलों के प्रतिनिधिमंडलों ने मुलाकात की। जोधपुर जिले के लूणी विधानसभा क्षेत्र से आए प्रतिनिधिमंडल ने संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के नेतृत्व में लूणी क्षेत्र की बजट घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

चित्तौड़गढ़ से आए प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया तथा बजट में की गई चित्तौड़गढ़ जिले के विकास कार्यों की घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। साथ ही, बारां से आए प्रतिनिधिमंडल ने भी शर्मा का अभिनन्दन करते हुए बजट में मिली सौगातों के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गोतम कुमार सहित विभिन्न विधायकगण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि परिवर्तित बजट 2024-25 में की गई जनकल्याणकारी घोषणाओं को लेकर प्रदेशभर में खुशी का माहौल है। प्रदेश के युवा, महिला, किसान एवं विभिन्न क्षेत्रों के लोग बजट में मिली सौगातों के लिए मुख्यमंत्री का लगातार आभार व्यक्त कर रहे हैं।

- **बजट घोषणाओं के लिए प्रदेशवासी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जता रहे आभार**

भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने नई दिल्ली प्रवास पर भाजपा राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को नवीन दायित्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मदन राठौड़ को जिले से लेकर प्रदेश तक संगठन का लंबा अनुभव है, वह एक सामान्य कार्यकर्ता से लेकर प्रदेश अध्यक्ष के पद पर पहुंचे हैं, जो मारवाड़ से लेकर राज्य के समस्त कार्यकर्ताओं के लिए खुशी का पल है, पूर्ण विश्वास है कि मदन राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा राजस्थान इकाई और अधिक मजबूत होगी और कार्यकर्ता नई ऊर्जा के साथ पार्टी की मजबूती के लिए कार्य करेंगे, ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।

कांग्रेसी नेताओं ने जनता में नेगेटिव एजेंडा सेट करने का काम किया : भूपेंद्र चौधरी

जयपुर। उत्तर प्रदेश के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी आज शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने उनका राजस्थानी परम्परा के अनुसार साफा और दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर से यूपी प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने मुलाकात कर मंत्रणा की। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, प्रदेश मंत्री मिथिलेश गौतम भी उपस्थित रहे।

यूपी भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव धर्म और आस्था के नाम पर राजनीति करती है। कांग्रेसी नेता तुष्टिकरण की नीति पर काम कर रहे है। कांग्रेस केवल झूठ की दुकान चला रही है और देश की जनता को गुमराह करने का काम कर रही है। कांग्रेसी नेताओं ने जनता के बीच नेगेटिव एजेंडा सेट करने का काम किया है, लेकिन देश की जनता कांग्रेस और कांग्रेसी नेताओं के इस नेगेटिव एजेंडे को समझ गई है। देश की जनता ने तीसरी बार प्रधान सेवक के रूप में नरेंद्र मोदी पर विश्वास जताकर कांग्रेस को करारा जवाब दिया है।

यूपी भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि ये भाजपा ही है जो आस्था और परम्परा को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। भाजपा ने 500 सालों से लंबित जन जन के आस्था के केंद्र राम मंदिर का निर्माण करवाकर जन भावनाओं का सम्मान किया है। चौधरी ने कारगिल विजय दिवस पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए याद किया। वहीं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को प्रदेशाध्यक्ष बनाए जाने पर केंद्र का आभार जताया और राठौड़ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मदन राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान में पार्टी आगे बढ़ेगी। इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक उपस्थित रहे।

- **'लेकिन देश की जनता ने मोदी पर विश्वास जताकर दिया करारा जवाब'**
- **'नए प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान में आगे बढ़ेगी भाजपा'**

युवा बनेंगे स्पीकर, मुख्यमंत्री और प्रतिपक्ष नेता

जयपुर, (का.सं.)। विधान सभा में शनिवार को युवा संसद होगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर प्रदेश के युवाओं को प्रोत्साहन मिल रहा है। भावी पीढी को देश की राजनीति की से परिचय कराने की स्पीकर देवनानी की सोच है। इसके तहत युवा संसद का आयोजन विधानसभा में किया जा रहा है। विधान सभा में शनिवार को होने वाले एक दिवसीय कार्यक्रम में विधायक के रूप में युवा सदन में बैठकर जनहित के प्रश्न पूछेंगे।

राजस्थान की 586 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित

जयपुर। राजस्थान में केंद्र सरकार के केन्द्रीय क्षय अनुभाग ने राज्य की 586 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने शुक्रवार को बताया कि राज्य के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चिकित्सा विभाग द्वारा टीबी रोगियों को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं एवं योजनाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए यह सफलता प्राप्त की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में आगे भी टीबी मुक्त राजस्थान अभियान को प्रतिबद्धता के साथ संचालित किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि टीबी उन्मूलन प्रयासों को मजबूत करने के क्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 24 मार्च, 2023 को वाराणसी में आयोजित 'विश्व टीबी रोग दिवस' समारोह में 'टीबी मुक्त पंचायत' अभियान का शुभारम्भ किया था।

उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य पंचायतीराज सदस्यों को टीबी रोग कार्यक्रम, रोगियों की सहायतार्थ संबल प्रदान करना एवं पंचायत को टीबी मुक्त करने की दिशा में सम्मिलित प्रयास करना है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ-2024 पंजीकरण तिथि संशोधन

दिल्ली। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ-2024 के अंतर्गत योजना पंजीकरण की अंतिम तिथि पिछले संस्करण में 5 अगस्त 2024 प्रकाशित हो गयी थी। जिसको अब 31 जुलाई 2024 पढ़ा जाये।

विपक्ष ने बाजरे की खरीद के मुद्दे पर सदन में किया हंगामा

जयपुर (वि.सं.)। विधानसभा में शुक्रवार को विपक्ष के सदस्यों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बाजरे की खरीद की मांग को लेकर जोरदार हंगामा किया।

प्रश्नकाल में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा जब विधायक रितु बनावत के प्रश्न प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बाजरे की खरीद का जवाब दे रहे थे और प्रश्नकाल के समाप्त होने में महज दो मिनट शेष थे तभी विपक्ष के सदस्य गोविंद सिंह डोटासरा खड़े हुए और बाजरे की खरीद की मांग करने लगे। इस पर विपक्ष के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एवं विपक्ष के अन्य सदस्य भी खड़े हो गए और बोलने लगे। इस पर सत्ता पक्ष के सदस्य भी खड़े होकर बोलने लगे। इससे सदन में शोरगुल और हंगामा हुआ।

इस पर अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हंगामा कर रहे सदस्यों को अपनी जगह पर बैठने के लिए कहा लेकिन विपक्ष के सदसय वेल की तरफ बढ़ने लगे और वेल के पास एकत्रित हो गए और बाद में वेल में आकर हंगामा करने लगे। इस पर नाराज विधानसभा अध्यक्ष ने वेल में आये सदस्यों के खिलाफ प्रस्ताव लाकर कार्यवाही की चेतावनी दी। इतने में प्रश्नकाल समाप्त हो गया और मामला शांत हो गया।

इसके बाद देवनानी ने व्यवस्था देते हुए कहा कि कोई भी सदस्य वेल में नहीं आये और जो वेल आये उनके खिलाफ मंत्री संज्ञान ले और आवश्यकता पड़ने पर उनके खिलाफ प्रस्ताव भी लाए।

जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री सदन में आये तो अच्छा लगा और तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत भी सदन में बैठते थे। मुख्यमंत्री सदन में आते हैं तो सदन की गरिमा बढ़ती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष मंत्री पर लांछन नहीं लगाना चाहता हैं लेकिन विशेष प्रश्न लगाया गया, उसका उत्तर मिलना चाहिए, गुमराह करके उत्तर नहीं मिले। उन्होंने कहा कि बाजरे की खरीद के लिए सदन को आश्वस्त कर दे कि बाजरे की खरीद की जायेगी। इसके लिए घोषणा की जाती है तो किसान खुश होंगे। इसके बाद विधायक मनोज कुमार ने बोलना चाहा लेकिन अध्यक्ष ने उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी।

इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल ने बाजरा खरीद के लिये सदन को आश्वस्त किया।

- **स्पीकर देवनानी ने व्यवस्था देते हुए कहा कि कोई भी सदस्य वेल में नहीं आये और जो वेल आये उनके खिलाफ मंत्री संज्ञान ले और आवश्यकता पड़ने पर उनके खिलाफ प्रस्ताव भी लाए**

कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती पर चित्र प्रदर्शनी

दक्षिण पश्चिमी कमान के चीफ़ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एच.एस. वांदरा ने केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से जवाहर कला केन्द्र में आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

जयपुर। भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय, जयपुर की ओर से गुरूवार को जवाहर कला केंद्र में कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती के अवसर पर कारगिल वॉर हीरोज का सम्मान समारोह व चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के लेफ्टिनेंट जनरल एच एस वांदरा, सेना मेडल व चीफ़ ऑफ स्टाफ-दक्षिण पश्चिमी कमान ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल एच एस वांदरा तथा ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज ने कारगिल वॉर हीरोज तथा उनके परिजनों का सम्मान किया।

पत्र सूचना कार्यालय व केंद्रीय संचार ब्यूरो कि अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला ने कहा कि आज के दिन हम भारत माता के उन वीर सपूतों को याद करने, नमन करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने कारगिल युद्ध में देश कि रक्षा के लिए अपने प्राणों कि आहुति दे दी। आज कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती पर देश के वीर सपूतों के बलिदान और शौर्य की गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचने के मकसद से इस सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से कारगिल युद्ध के विभिन्न पहलुओं को एक जीवंत रूप में प्रस्तुत करने का प्रयत्न भी किया गया है। कार्यक्रम में कारगिल वॉर हीरोज और उनके परिजनों ने इस अवसर पर अनुभव साझा किए। शहीद अमित भारद्वाज के परिजनों ने कहा की देश के लिए हमने एक अमित खोया है लेकिन आज हजारों अमित हमारे साथ है। इस अवसर कारगिल वॉर हीरो कर्नल वीएस बालोठिया व ग्रुप कैप्टन एसएस धोलिया ने अपने भी अनुभव साझा किए। इस अवसर पर शहीद कैप्टन अमित भारद्वाज, शहीद विक्रम सिंह के परिजनों को तथा कर्नल वीएस बालोठिया को सम्मानित किया गया। एयर कोमोडोर एमएल वर्मा, ग्रुप कैप्टन आरएस राघव तथा ग्रुप कैप्टन एसएस धोलिया को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेना व वायु सेना के अधिकारी तथा आकाशवाणी के समाचार निदेशक नीलेश कालाभोर, दूरदर्शन समाचार की समाचार प्रमुख उपनिदेशक मंजू मीणा मौजूद थे।

- **कार्यक्रम में कारगिल वॉर हीरोज तथा उनके परिजनों का सम्मान किया गया**

निःशुल्क दवा योजना के क्रियान्वयन में राजस्थान देश में प्रथम

जयपुर। राजस्थान ने निःशुल्क दवा योजना के क्रियान्वयन में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने शुक्रवार को बताया कि राजस्थान ने निःशुल्क दवा योजना में अनुमोदित दवाओं की संख्या, उपलब्ध दर संविदा, विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में दवाओं की उपलब्धता सहित अन्य मानकों में समग्र रूप से अधिकतम अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की है।

उन्होंने बताया कि निःशुल्क दवा योजना के संचालन को लेकर भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग में राजस्थान प्रथम रहा है। भारत सरकार द्वारा अप्रैल 2019 में ड्रग्स एण्ड वैक्सीन्स डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (डीवीडीएमएस) डैशबोर्ड का निर्माण किया गया था। इस डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न राज्यों में संचालित निःशुल्क दवा योजना की प्रगति की सूचना संकलित की जाती है।

गिरि ने बताया कि डैशबोर्ड पर प्राप्त सूचनाओं के अनुसार राजस्थान निःशुल्क दवा योजना के संचालन में निरंतर अग्रणी राज्यों में रहा है। इस वर्ष भी राजस्थान ने 76.78 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है। तेलंगाना 75 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रहा है।

उन्होंने बताया कि रैंकिंग का निर्धारण योजना के तहत चिकित्सा संस्थानों की संख्या, दवाओं के स्टॉक, ऑनलाइन आपूर्ति, गुणवत्ता जांच, दवाओं के अवधिपार होने की स्थिति, आपूर्ति में लगने वाले समय सहित 10 मानकों के आधार पर किया जाता है। इसके लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं।

देवनानी ने शहीदों को किया नमन

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को यहां अमर जवान ज्योति पर पहुँच कर शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। देवनानी ने वहां विजिटर्स बुक में लिखा कि "कारगिल विजय दिवस भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। यह साहस, समर्पण और अदम्य पराक्रम के जज्बे का परिचय देता है। देश के वीर सैनिकों ने कारगिल में 37 डिग्री तापमान पर निष्ठा से देश की रक्षा की।

पेट्रोल पंप संचालक को खराब इंजन के 8.42 लाख रुपए देने का आदेश

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने जीप कम्पास में पेट्रोल की जगह डीजल डालने और इससे वाहन का इंजन खराब होने को लापरवाही व सेवादोष करार देते हुए पेट्रोल पंप संचालक तांबी एंटरप्राइजेज के निदेशक व मैनेजर सहित अन्य पर 36 हजार रुपए हर्जाना लगाया है। वहीं उन्हें निर्देश दिया है कि वे परिवादी को खराब इंजन के नुकसान के पेटे 8,42,939 रुपए भुगतान करे। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीना व सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह निर्देश रजनी देवी के परिवाद पर दिया।

भारी मात्रा में ई-सिगरेट जब्त

जयपुर। राजधानी में सी स्कीम और विद्याधर नगर इलाके में डीआरआई की टीमों ने कारवाई करते हुए बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट का जखीरा पकड़ा है। जानकारी के अनुसार डीआरआई की टीमों ने सी-स्कीम और विद्याधर नगर इलाके में 16 घंटे ऑपरेशन चलाकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

शेष मांगें मुखबंद का प्रयोग कर पारित की

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा ने शुक्रवार को आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2024-25 की शेष मांगें मुखबंद का प्रयोग कर ध्वनिमत से पारित कर दी।

देवनानी ने स्व.मोहन लाल सिंधी के परिजन को एक लाख रु. की आर्थिक सहायता दी

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने स्वर्गीय मोहन लाल सिंधी के परिजन को स्वयं की तरफ से एक लाख रूपये की धन राशि प्रदान कर आर्थिक सहायता दी। देवनानी से शुक्रवार को उनके राजकीय निवास पर स्वर्गीय मोहन लाल सिंधी के परिजन ने मुलाकात की। देवनानी ने स्व. मोहन लाल सिन्धी की माता बेबीरानी व अन्य परिजन के हाल-चाल जाने और उनको आर्थिक सहायता प्रदान की। देवनानी ने बताया कि राज्य सरकार से भी आर्थिक सहायता दिलाने के लिए प्रयास कर रहे है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से भी उन्होंने आग्रह किया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने उन्हें आश्वस्त किया है कि जल्द ही पर्याप्त राशि पीडित परिवार को उपलब्ध करवाई जायेगी। उल्लेखनीय है कि सिंधी समाज के गरीब युवक जयपुर निवासी मोहन लाल सिंधी की एक विवाद में हत्या हो गई थी। देवनानी ने उस दौरान स्व. मोहन लाल के परिजन को ढांढस बंधाया था और उन्हें अपनी तरफ से एक लाख रुपये की धन राशि की आर्थिक सहायता दिये जाने की घोषणा भी की थी। देवनानी के साथ स्व. मोहन लाल सिंधी के परिजन और सिंधी समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधिगण ने मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा से इस संबंध में कार्यवाही किये जाने हेतु मुलाकात भी की थी।

दोनों एड्रेनल ग्रंथियों का सफल ऑपरेशन

जयपुर। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में एक 21 साल के युवक की दोनों एड्रेनल ग्रंथियों का सफल ऑपरेशन किया गया है। उन पर बनी फियोक्रोमोसाइटोमा नामक ट्यूमर को बाहर निकाला गया है। इस तरह एक साथ दोनों ग्रंथियों का लैप्रोस्कोपिक से ऑपरेशन करने का ये पहला मामला है।

सार-समाचार

राह भटकी बालिका को दिया सहारा

डूंगरपुर, (निसं)। बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित हेल्पलाइन 1098 पर एक गुमशुदा बालिका के असहाय अवस्था में मिलने की सूचना प्राप्त हुई। कॉलर द्वारा बताया गया कि जिले के बिछीवाडा रेलवे स्टेशन पर एक गुमशुदा बालिका को मदद की आवश्यकता हैं। इस पर बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक पिंकी मीणा ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक मेहुल शर्मा के नेतृत्व में टीम केस वर्कर हिमांशु जैन ने रेल्वे पुलिस के सहयोग से बालिका को सहायता दी और चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय लाई गई। जिसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन टीम द्वारा बालिका से बातचीत करने के दौरान बालिका ने अपना नाम फातिमा खातुन उम्र 15 वर्ष पिता मोहम्मद शाहिरदे आलम निवासी गांव गड मिर्जापुर थाना लगनिया जिला मधुवनी, बिहार होना बताया। इसके अलावा बालिका और कुछ नहीं बता पा रही हैं। चाइल्ड हेल्पलाइन व रेलवे पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में बालिका को बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष भावेश जैन, सदस्य बालकृष्ण परमार, उमेश रावल व जयश्री भट्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति द्वारा बालिका को अस्थाई आश्रय मुस्कान संस्थान के बालिका गृह डूंगरपुर में दिलवाया गया हैं। जो कोई भी व्यक्ति इस बालिका के संबंध में और अधिक जानकारी रखता हो तो तत्काल 1098 अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय में सूचित करें।

खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

बांसवाड़ा, (निसं)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान को लेकर सख्त जांच जारी है। खाद्य सुरक्षा की टीम जिला कलक्टर डॉ इंद्रजीत यादव के निर्देशन में लगातार कार्यवाही कर रही है। सीएमएचओ डॉ एचएल ताबियार ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा मिलावटखोरों पर सख्ती बरती जा रही है इसी अनुपालना में खाद्य औषधि नियंत्रण विभाग की ओर से शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान जिले में चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ उम्मेदमल टेलर ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में 11 सैंपल लेकर जांच के लिए लेब में भेजे है। उन्होंने बताया कि धनिया पाउडर गोल्ड, चंबल फ्रेश रिफाइंड सोयाबीन तेल, देशी घी परम प्रीमियम, बंसल का हल्दी पाउडर, लूज उडद दाल, गोल्ड चाय, पारले कंपनी के बिस्किट ब्रुबोन, इंम्पेरियल टोस्ट, बिगर ओरेंज बाइट, बेसन और तुकंति के सैंपल लेकर लेब में भेजे है। यदि जांच में गडबडी मिलती है तो संबंधित फर्म पर कार्यवाही की जाएगी। इसी प्रकार सिंटेक्स मिल औद्योगिक क्षेत्र में भी निरीक्षण करते हुए यहां पर बने कैंटिन के लाइसेंस की जांच की गयी। साथ ही यहां पर भी तेजा लाल मिर्ची पाउडर, रोयल चना के सैंपल लिए गये।

दो युवकों ने मारपीट कर मैनेजर पर किया हमला

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय पर कांकरोली प्रधान डाकघर के पास मिनी सुपर मार्केट पर कार्य करने वाले मैनेजर पर दो युवकों ने मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर घायल हो गया, जिसे गंभीर हालत में कमला नेहरु चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसका उपचार जारी है। मारपीट व चाकूबाजी का इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। प्रथम दृष्टया लेनदेन की बात को लेकर चाकू से हमले की बात सामने आ रही है, मगर वास्तविकता तो पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

■ दो दिन पहले रामचन्द्र भील और मैनेजर किशन लाल के बीच काम को लेकर कहासुनी हो गई थी

कांकरोली थाना प्रभारी हनवंत सिंह सोढा ने बताया कि विवेकानंद सर्कल व मुखर्जी चौराहा के बीच में कांकरोली निवासी उदयलाल का मिनी सुपर मार्केट है। गुरुवार को दोपहर में सुपर मार्केट में मैनेजर के पद पर कार्यरत किशन लाल कुमावत को आरोपी रामचन्द्र पिता अम्बालाल भील निवासी वांसोल ने चाकू मार दिया। इस दौरान रामचंद्र के साथ उसका साथी भी था। दरअसल रामचंद्र 2 दिन पहले सुपर मार्केट में काम करने आया था। इस दौरान रामचन्द्र भील और मैनेजर किशनलाल के बीच काम को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसके बाद गुरुवार को रामचन्द्र अपने साथी के साथ सुपर मार्केट पहुंचा और किशन लाल को बाहर बुलाकर पहले मारपीट की और बाद में चाकु मार दिया। किशन कुमावत जैसे ही मुख्य द्वार पर पहुंचा, तो कहासुनी के बाद आसप में झगड गए और खींचकर सडक पर ले आया। तभी बाहर खडा अन्य युवक भी आ जाता है और दोनों युवक मिलकर किशन कुमावत से मारपीट करने लगते हैं और फिर एक युवक धारदार हथियार निकाल हमला कर दिया। इससे किशन कुमावत के पैर, जांघ, पेट में गंभीर घाव उभर आए। हमला चाकू से किया है या अन्य कोई हथियार था, इसको लेकर पुलिस की जांच जारी है। धारदार हथियार से हुए हमले में युवक गंभीर घायल हो गया। बाद में उसे तत्काल कमला नेहरु चिकित्सालय पहुंचाया गया। सुपर मार्केट के बाहर कांकरोली पुलिस जाब्ता पहुंच गया, जबकि कमला नेहरू अस्पताल में भी कई लोग एकित्रत हो गए। पुलिस द्वारा हमलावर दोनों युवकों की तलाश में जुट गई है। बाद में राजनगर थाने से भी जाब्ता मौके पर पहुंच गया। वहीं इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि हमलावार में से एक युवक को दो-तीन दिन पहले ही काम पर रखा था। इसके बाद काम को लेकर उलाहना दिया था, जिसके बाद गुरूवार को युवक सुपर मार्केट के बाहर पहुंचा और दुकान में से मैनेजर को बुलाया और मारपीट करते हुए चाकूबाजी की वारदात को अंजाम दिया। उनकी पहचान हो गई है।

चाकूबाजी की घटना के बाद घायल को कमला नेहरू अस्पताल में उपचार के लिए ले जाते।

सार-समाचार

कार्यशाला का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर के फार्माकोलॉजी विभाग ने पहली बार गुड मेडिकल प्रैक्टिस पर एक सीएमई और कार्यशाला का आयोजन किया। यह कोर्स क्लिनिकल ट्रायल्स या अन्य अनुसंधान संबंधित गतिविधियों के दौरान अनुसंधान प्रथाओं के बारे में है, जिसे अब सभी स्नातकोत्तरों के लिए एनएमसी द्वारा अनिवार्य कर दिया गया है। यह कोर्स उन संकायों के लिए भी महत्वपूर्ण है जो नैदानिक परीक्षणों में शामिल हैं और नैतिकता समिति के सदस्य हैं।विभिन्न व्यापक और सुपरस्पेशलिटी विभागों के कुल 80 डॉक्टरों ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला शुरू करने से पहले एक प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गई और कार्यशाला के अंत में एक अंतिम परीक्षा आयोजित की गई। सीएमई और कार्यशाला का आयोजन डॉ. अरविंद यादव, प्रोफेसर और हेड फार्माकोलॉजी विभाग जीएमसीएच ने किया। डीन डॉ. संगीता गुप्ता और एडिशनल प्रिंसिपल डॉ. मनजिंदर कौर ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। डॉ. अपूर्वा अग्रवाल, प्रोफेसर और हेड फार्माकोलॉजी आरएनटी मेडिकल कॉलेज, डॉ. अरविंद यादव, प्रोफेसर और हेड फार्माकोलॉजी जीएमसीएच, डॉ. मनु शर्मा, प्रोफेसर साइकियाट्री जीएमसीएच, और डॉ. मीनू पिचोलिया, प्रोफेसर फार्माकोलॉजी जीएमसीएच ने कार्यशाला के दौरान विभिन्न इंटरएक्टिव सत्र प्रस्तुत किए। कार्यशाला के दौरान कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अर्चना राठौर, सहायक प्रोफेसर फार्माकोलॉजी विभाग ने किया। राजस्थान मेडिकल कॉलेज ने इस कार्यशाला के लिए क्रेडिट घंटे प्रदान किए।

कारगिल के शहीदों को किया याद

बांसवाड़ा, (निसं)। कारगिल विजय दिवस की 25वी वर्षगांठ पर जोश, जज्बे और जुनून के साथ कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विजय दिवस मनाया गया। विद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थाओं एवं संगठनों ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की वहीं सेना की उपलब्धियों को मुक्त कंठ से सराहा। न्यू लुक सीनियर सेकेंडरी स्कूल लोधा में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि के रुप में एनसीसी बटालियन के नायब सूबेदार टोनी सिंह और हवलदार रमेशचंद्र और रिटायर्ड फौजी हेमंत राजभाई शामिल हुए। शहीदों को श्रद्धांजलि एवं सेना के शौर्य को सराहते हुए कार्यक्रम का आगाज किया गया। अतिथियों ने अपने अनुभव सुनाते हुए कहा कि राष्टकृसेवा सर्वोपरि है। सैनिक के रूप में सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही एनसीसी कैडेट्स और आम नागरिक भी नियमों की पालना कर एक अच्छा नागरिक बन राष्ट्र की सेवा कर सकते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी जिज्ञासा से परिपूर्ण कई प्रश्न किए, जिसका अतिथियों ने एक-एक कर जवाब दिया। न्यू लुक ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. प्रदीप कोठारी ने कहा कि शहीदों के बलिदान को कभी बुलाया नहीं जा सकता। शहीदों से प्रेरणा लेकर हमें राष्ट्र सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। न्यू लुक ग्रुप के एएनओ ललितपाल ने बताया कि उदयपुर पर 1० राज बटालियन में शानदार प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया गया। साथ ही नए कैडेट्स का भी पंजीयन किया गया। कार्यक्रम में धन्य सोमपुरा ने कश्मीर से जुडी देशभक्ति कविता प्रस्तुत की। इस अवसर पर शिखा कोठारी, दीप कोठारी, डॉ. सुशील सोमपुरा, जॉन्सन सर, अनामिका व्यास सहित संस्थान सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। संचालन चारु जोशी ने किया।पीएमश्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खांदू कॉलोनी में वीर अमर शहीदों की गाथाओं का स्मरण करते हुए राष्टकृ के प्रति समर्पण के भाव को जीवन में उतारने का संकल्प लिया गया। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य माया सेमसन ने कारगिल विजय में शहीद हुए अमर सैनिकों का स्मरण करते हुए परमवीर एवं महावीर चक्र को पाने वाले शहीदों की गाथाओं को साझा किया।

भाजयुमो ने निकाली मशाल रैली

राजसमंद, (निसं)। जिला मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक गिरीश पालीवाल ने बताया की भाजयुमो राष्ट्रीय नेतृत्व के आव्हान एवं कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह बारहठ की उपस्तिथि एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष मोहन कुमावत के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर गुरूवार को सांय मशाल रैली निकाली गई। मशाल रैली शहर का मुखर्जी चौराहे से प्रारंभ होकर बस स्टेंड कांकरोली पर समापन किया गई। मशाल रैली में कार्यकर्ताओं ने देश भक्ति नारे लगाए और अंत में वीर शाहिदो को नमन कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी हरिसिंह वांगरोदा, पूर्व सभापति दिनेश पालीवाल, अशोक रांका, भानु पालीवाल, प्रधान अरविंदसिंह राठौड, मंडल अध्यक्ष सुभाष पालीवाल, राजकुमार अग्रवाल, दिग्विजय सिंह भाटी, प्रमोद गौड, महेंद्र टेलर, रजनीकांत साहू, नानालाल कुमावत, जिला महामंत्री हितेश पालीवाल, नेता प्रतिपक्ष हिम्मत कुमावत, जिला उपाध्यक्ष देशबंधु रांका, चंद्रेश कुमावत, जिला मंत्री कन्हैयालाल कुमावत, मंडल अध्यक्ष किशन गाडरी, किशन कुमावत, पार्षद चेतन कुमावत, उत्तम खींची, भेरूलाल गायरी, पवन सुरोलिया, मोतीलाल कुमावत, अश्विनी देराश्री, रत्नेशसिंह, अंबालाल पालीवाल, हेमंत गुर्जर, हिम्मतसिंह, गोपाल शर्मा, शैलेंद्र पालीवाल, अनिल खटीक, नरेश कुमावत, विरेंद्रसिंह राव, यश पालीवाल, गर्वित पालीवाल, प्रमोद सैन, प्रेम माली सहित सैंकडों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मस्टरोल जारी करने व शिक्षित महिलाओं को मेट बनाने की मांग

भीम, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के पीपलीनगर ग्राम पंचायत मुख्यालय स्थित राजीव गांधी सेवा केंद्र पर नरेगा श्रमिकों महिलाओं ने सरपंच सचिव ग्राम पंचायत प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी कर धरना प्रदर्शन कर मस्टरोल जारी करने एवं शिक्षित महिलाओं को मेट बनाने की मांग की।

■ पीपलीनगर ग्राम पंचायत के नरेगा श्रमिकों ने धरना प्रदर्शन किया

महिलाओं ने सरपंच सचिव पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि जल जीवन मिशन के तहत नल जल मित्र के चयन को लेकर गुरुवार को विशेष ग्राम सभा का आयोजन होना था जिसमें नरेगा में काम मांगने एवं शिक्षित महिला को मेट लगने की मांग को लेकर छपरा सिरोडी एवं रावली ग्राम के नरेगा श्रमिक पहुंचे थे लेकिन सरपंच सचिव मौके पर नदारद मिले महिलाओं का कहना था कि चार घंटे तक प्रतीक्षा के बावजूद एक बजे बाद तक सरपंच सचिव सेवा केंद्र पर नहीं पहुंचे बताया कि अनपढ़ महिला को मेट बना रखा है जिसके द्वारा घर बैठे महिलाओं की फर्जी हजरियां भरी जाती है एवं काम पर आने वाली महिला को अनुपस्थित दर्शाया जाता है गांव में कई पढ़ी-लिखी एवं प्रशिक्षित महिलाएं होने के बावजूद उनको मेट नहीं बनाया जा रहा है एवं सरपंच के रिश्तेदार एवं चहेते लोगों को मेट बना रखा है तथा मनमर्जी पूर्वक धांधली की जा रही है मामले से विकास अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी को अवगत कराया गया लेकिन कोई समस्या समाधान नहीं हुआ बताया कि विकास अधिकारी के पास जाते हैं तो सरपंच उनसे पहले ही वहां पहुंच जाते हैं तथा महिलाओं की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। सोहनलाल सालवी सहायक विकास अधिकारी पंचायत समिति ने बताया कि ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा प्राप्त आदेश अनुसार 25 जुलाई 2024 को प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन को लेकर पंचायत समिति कार्यालय से 28 जुलाई को समस्त ग्राम पंचायत के सरपंचों एवं ग्राम विकास अधिकारियों को विशेष ग्राम सभा में जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत नल जल मित्र के चयन किया जाकर प्रारूप एवं सूचनाओं को कार्यालय में प्रेषित करने को लेकर आदेश जारी किया गया है। पीपली नगर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ग्रामसभा का आयोजन नहीं होने को लेकर शिकायत मिली है। ग्राम विकास अधिकारी से तथात्मक रिपोर्ट मांगी गई है।

पीपलीनगर सरपंच सुरेश कुमार भाट का कहना है कि आरोप निराधार है ग्राम विकास अधिकारी मौके पर मौजूद थे पुत्र के बीमार होने के कारण वह बाहर होने से ग्राम सभा में उपस्थित नहीं हो सके।सचिव मुकेश हिंगोनिया का कहना है कि आरोप गलत है आमजनों के नहीं पहुंचने पर गणपूर्ति के अभाव में विशेष ग्राम सभा स्थगित कर दी गई जो आगामी 30 जुलाई को रखी गई है तथा पंचायत समिति द्वारा जारी पैनल के हिसाब से मेट लगाया जाता है पंचायत समिति द्वारा आदेशित किए जाने पर शिकायतकर्ता को मेट बनाया जा सकता है शिकायतकर्ता पूर्व में मेट रह चुकी है श्रमिक बहू के स्थान पर सास एवजी होने की स्थिति में मेट द्वारा अनुपस्थिति दर्ज किया गया है

पिम्स में समय से पहले जन्मे बच्चे का सफल इलाज

उदयपुर, (कासं)। चिकित्सा उत्कृष्टता की एक हृदयस्पर्शी कहानी में, केवल 26 सप्ताह में पैदा हुए केवल 800 ग्राम वजन वाले समय से पहले जन्मे बच्चे ने पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, उदयपुर की नवजात गहन देखभाल इकाई (एनआईसीयू) में 60 दिन बिताने के बाद जीत हासिल की है। इस नाजुक शिशु को रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (आरडीएस), जन्म के समय कम वजन (एलबीडब्ल्यू) और अविकसित फेफडों सहित कई चुनौतियों का सामना करना पडा, जिसके लिए तत्काल वेंटिलेटर सहायता की आवश्यकता पडी।

मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने कहा कि नेक्रोटाइजिंग एंटरोकोलाइटिस (एनईसी) की शुरुआत से यात्रा और भी जटिल हो गई थी, जो समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों में आमतौर पर होने वाली एक गंभीर आंत की स्थिति है। एनआईसीयू के प्रमुख डॉ. अंकितकुमार पंचाल और बाल रोग विभाग के प्रमुख डॉ. विवेक पाराशर की विशेषज्ञ देखरेख में, सलाहकार बालरोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल खत्री के साथ एनआईसीयू टीम ने शिशु को स्थिर और पोषित करने के लिए हर उन्नत चिकित्सा का उपयोग किया। गंभीर जटिलताओं के बावजूद, बच्चे ने उल्लेखनीय प्रगति दिखायी। रेजिडेंट्स डॉ. सुभाजीत दत्ता, अमिता हेम्स, तनय अग्रवाल, शिवानी पटेल और पूजन खम्मार सहित मेडिकल टीम ने धीरे-धीरे शिशु को वेंटिलेटर से हटाया और बबल कंटीन्यूअस पॉजिटिव एयरवे प्रेशर (सीपीएपी) थेरेपी शुरू की, जो श्वसन सहायता का एक कम आक्रामक रूप है। सीपीएपी थेरेपी के दौरान भी पूर्ण आहार की शुरूआत और कंगारू मदर केयर (केएमसी) के कार्यान्वयन ने बच्चे की रिकवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्नत चिकित्सा देखभाल और केएमसी द्वारा प्रदान किए गए अंतरंग, त्वचा से त्वचा के संपर्क के इस अभिनव संयोजन ने बच्चे की वृद्धि और विकास को बढावा दिया।

पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की मेडिकल टीम के साथ शिशु।

हरियाली तीज पर होगा विशेष पौधारोपण

राजसमंद, (निसं)। जिला कलक्टर डॉ भंवरलाल के निर्देशन में मिशन हरियालो राजस्थान के तहत जिला परिषद सीईओ हनुमानसिंह राठौड ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए सकारात्मक सहयोग करने के निर्देश प्रदान किए। सीईओ राठौड ने बताया कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत मिशन हरियालो राजस्थान आगामी 7 अगस्त को सम्पूर्ण राजस्थान में आयोजित होगा। जिसमें जिले में एक लाख ग्यारह हजार पौधे एक ही दिन में लगाए जाने का लक्ष्य लिया गया है। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि हरियाली तीज पर महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जानी है। अब तक किए गए वृक्षारोपण की शत प्रतिशत जियो टैगिंग कराई जानी है तथा इस दिन को लहरिया तीज के रूप में मनाना है। सीईओ ने बताया कि जिला एवं ब्लाक स्तर पर कन्ट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, एनजीओ आदि को सम्मिलित कर उनका सहयोग लिए जाने के निर्देश प्रदान किए गए।

प्रवेश आवेदन प्रक्रिया शुरू

राजसमंद, (निसं)। जवाहर नवोदय विद्यालय राजसमन्द में कक्षा 6 में सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। आवेदन की अंतिम तिथि 16 सितंबर 2024 है। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे।

कारगिल विजय दिवस मनाया

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती राजस्व गांव नोगामा के गुरु नानक शिक्षण संस्थान में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। विद्यालय प्रभारी तिलका टेलर ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय के विद्यार्थियों ने देश के सैनिकों के सम्मान में देशभक्ति नारे लगाते हुए पूरे विद्यालय परिसर को गुंजायमान कर दिया। संस्थान निदेशक शांतिलाल कुमावत ने कारगिल विजय के बारे में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही विद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने 2 मिनट का मौन रखकर कारगिल युद्ध में शहीद हुए शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान संस्थान सचिव संतोष कुमावत, जयेश सुथार, दाखु पुरोहित, रेखा बंसीवाल, धनवंती कुमावत, त्रिफला कुंवर, रेणुका पालीवाल, अनीता लोहार, कुंतेश रावत, शिवानी गुर्जर, दीपिका पालीवाल, शिवदास बैरागी, रेखादेवी सहित विद्यालय स्टाफ, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

पथराव की घटनाओं को लेकर व्यापारियों में भय व्याप्त : गुप्ता

डूंगरपुर, (निसं)। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राजस्थान सरकार के प्रदेश समन्वयक और संभाग के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष के के गुप्ता लगातार दूसरे दिन जिले के सघन दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने गांव आंतरी, ओबरी और चिखली, सरोदा, सागवाडा क्षेत्र में व्यापारियों की बैठके ली और चेंबर जिला कार्यकारिणी का भी विस्तार करते हुए नए पदाधिकारी मनोनीत किए। बैठक में चेंबर महामंत्री प्रभु लाल पटेल, सुबोध जैन, पदाधिकारी रोशन दोशी, पवन जैन, हितेश दावड़ा, वीपी जैन, मुकेश श्रीमाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण सम्मिलित रहे।

■ रोडवेज बसों का संचालन शुरू करवाने की मांग

बैठक में गुप्ता ने कहा कि पथराव की घटनाओं को लेकर व्यापारियों में भय जरूर बना हुआ हैं। लेकिन इसके लिए चेंबर संगठन सरकार के समक्ष घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने को लेकर काम कर रहा है। गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों को डरने की जरूरत नही हैं। चेम्बर ऑफ कॉमर्स बहुत बड़ा संगठन हैं। व्यापारिक हितों के संरक्षण के लिए चेंबर सदैव तत्पर रहेगा। जिले में हो रही रात्रि को पथराव की घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद सीएम ने पुलिस अधिकारियों एवं प्रशासन को सख्ती से निपटने एवं गश्त बढ़ाने पर काम शुरू कर दिया हैं। उन्होंने कहा कि सरकारें व्यापारियों के टेक्स से चलती हैं। सरकारों से व्यापारियों की सुरक्षा के लिए हर प्रयास लगातार जारी हैं। संगठन की सदस्यता अभियान के तहत हर छोटे से छोटे व्यापारी को जोडने की बात कहीं। इस दौरान व्यापारियों ने रविवार के दिन लगने वाले हॉट बाजार से यातायात व्यवस्था बिगडने की समस्या बताई। गुप्ता ने दूरभाष पर बात कर कुआं थानाधिकारी सुनील चावला, चौकी प्रभारी राजाराम को बुलाकर रविवार को ट्राफिक व्यवस्था को सुधारने की बात कहीं।व्यापारियों ने बताया कि चीखली कस्बे में एक भी रोड़वेज बस नहीं चलती हैं। चीखली कस्बे में रात्रि विश्राम रोड़वेज बसों का संचालन शुरू करवाने की मांग रखी। गुप्ता ने दो से तीन दिनों में बसों का संचालन शुरू करवाने को आश्वस्त किया। संचालन ऐडवोकेट महेन्द्र जैन व आभार रमेश दर्जी ने जताया। इस दौरान जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए के के गुप्ता ने चीखली ब्लॉक प्रभारी विक्रमसिंह चौहान, सह सचिव मनीष कलाल, रमेशचन्द्र दर्जी व प्रकाश जैन संगठन मंत्री, राजेन्द्र पाटीदार उपाध्यक्ष मनोनित किया। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करने के बारे में अवगत कराया।बैठक के पश्चात गुप्ता द्वारा बतौर स्वच्छ भारत मिशन (ठामीण) प्रदेश समन्वयक गांवो में स्वच्छता संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया गया। वहां उपस्थित लोगों द्वारा विभिन्न प्रकार की समस्याएं बताई गई जिस त्वरित कार्रवाई करते हुए गुप्ता द्वारा जिला परिषद के अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

निरीक्षण में यह पाया कि गैंजी गांव में बनी सीसी सड़क उखड़ चुकी है रोड लाइट बंद पड़ी है जगह जगह गंदगी फैल रही है नालियाँ गंदगी से भरी पड़ी है। कुआं गांव में नालियों में गंदगी भरी हुई है जगह : जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं तथा गांव में जो पानी की सप्लाई का कार्य पंचायत द्वारा किया जा रहा है वह नियमित नहीं है। चितरी ठाम पंचायत में सामुदायिक शौचालय गंदगी से भरा पड़ा है रंग रोगन पूरी तरह से उतर चुका है, रोड लाइट बंद है तथा नालियों में गंदगी भरी पड़ी है वह जगह-जगह कचरो के ढेर लगे हुए हैं। ओबरी गांव में सफाई व्यवस्था सही नहीं है तथा सफाई कर्मचारियों के वेतन को लेकर भारी विरोध है। धंबोला गांव में सड़कों पर जानवर बैठे हुए थे तथा सड़क गांव के अंदर की भारी गंदगी से भरी पड़ी थी तथा तालाब के अंदर गांव का गंदा पानी जा रहा है। चेंबर अध्यक्ष गुप्ता द्वारा जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति के संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा गया। पत्र में लिखा कि विगत दिनों से जिले में पथराव कि घटनाए बढ़ रही है जिले का व्यापारी व आमजन भयभीत महसूस कर रहा है।

व्यापारिक संगठन चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष के.के गुप्ता (बीच में) ने व्यापारियों की बैठक ली।

राठौड़ को प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत करने पर हर्ष की लहर

डूंगरपुर, (निसं)। राज्य सभा सांसद मदन राठौड के राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत होने पर भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश पाटीदार के नेतृत्व मे महाराणा प्रताप चौराहे पर आतिशबाजी कर कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुँह मीठा कराया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने कहां कि डूंगरपुर जिले के कार्यकर्ता नव मनोनीत प्रदेश अध्यक्ष को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें देते है एवं आपके नेतृत्व मे डूंगरपुर भाजपा संगठन निश्चित तोर पर ओर आगे बढेगा जिला मिडिया संयोजक किरणेश्वर चौबीसा ने बताया की इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुशील कटारा, जनजाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष कांतिलाल डामोर, नगर परिषद सभापति अमृत कलासुआ, समाज सेवी बंशीलाल कटारा आदि मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर ने सुनी परिवेदनाएं

डूंगरपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने गुरुवार रात तेज हो रही बारिश में दिवडा बडा में ग्राम वासियों के बीच पहुंचकर उनकी परिवेदनाओं को सुना तथा मौके पर ही अधिकारियों से तथ्यात्मक जानकारी लेते हुए निस्तारण के संबंध में दिशा निर्देश प्रदान किए।पंचायत समिति गलियाकोट की ग्राम पंचायत दिवडा बडा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्राम वासियों ने एक-एक कर अपनी परिवेदना को प्रस्तुत किया तथा मौके पर ही जिला कलक्टर ने संबंधित विभाग अधिकारी से जानकारी लेते हुए निस्तारण के निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि रात्रि चौपाल का उद्देश्य ग्राम वासियों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करवाना तथा ऐसी परिवेदनाएं जिसमें जांच की आवश्यकता हैं अथवा जो राज्य स्तर से संबंधित थे उनको उच्च स्तर तक पहुंचा कर समाधान करना है। उन्होंने कहा कि रात्रि चौपाल में आने वाली परिवेदनाओं के संबंध में मौके पर जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति से वस्तुस्थिति से अवगत हो पाते हैं तथा त्वरित निस्तारण की दिशा में कार्यवाही संभव हो पाती है। इस अवसर पर उन्होंने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दिवडा बडा के शैक्षिक उपलब्धियों की सराहना करते हुए बच्चों को करियर काउंसलिंग करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसरो के बारे में जानकारी दी।

कार्यालय नगरपालिका फतहनगर सनवाड़ जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-न.पा.फ.स./90-ए/2024-25/635 दिनांक: 26/07/2024

-:: लोक -सूचना ::-

श्री नन्दलाल भील पिता श्री तलसिया भील, निवासी-काला कुंआ, भील बस्ती, खातीखेड़ा, तहसील मावली, जिला उदयपुर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर -कृषिक (फार्म हाउस प्रयोजनार्थ) हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल
भुपालसागर जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)	राजस्व ग्राम-सादडी, (राणावतों की सादड़ी) पटवार हल्का-पटोलीया	284,	0.3800है.में से0.1063है.
		285,	0.5400है.में से0.1468है.
		कुल किता-02	यानी कुल 0.2531हैक्टेयर यानि 27233.56 वर्गफीट यानि 3025.95 वर्गगज यानि 2531 वर्गमीटर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज .... को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी, नगर पालिका फतहनगर सनवाड़

कार्यालय ग्राम पंचायत वाणियातलाई, पंचायत समिति भीण्डर, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-ग्रापवा/निविदा/2024-25/48 दिनांक-19.07.2024

-: ई निविदा सूचना-01/2024-25:-

ग्राम पंचायत वाणियातलाई में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 30.07.2024 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No - ZUD2425GLRC00209

सरपंच
ग्राम पंचायत वाणिया तलाई
पंचायत समिति भीण्डर
जिला-उदयपुर (राज.)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत वाणिया तलाई
पंचायत समिति भीण्डर
जिला-उदयपुर (राज.)

हम विश्व चैम्पियन हैं और उसी अंदाज में प्रदर्शन करेंगे। उम्मीद है कि नये कोचिंग स्टाफ के साथ भी कामयाबी मिलेगी। मैं पहली बार गंभीर साथ काम कर रहा हूं। दो नेट सत्र में ही पता चल गया कि उनके विचारों में काफी स्पष्टता है। - शुभमन गिल

भारतीय क्रिकेटर, गौतम गंभीर के बारे में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

भारतीय भाला फेंक स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय एथलेटिक्स को विश्व मानचित्र पर ला दिया था। ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने के बाद से नीरज ने 2022 विश्व चैंपियनशिप, 2022 एशियाई खेलों में रजत पदक और साथ ही 2022 डायमंड लीग फिनाले में नंबर एक स्थान पर रहकर कई पदक अपने नाम किए हैं। 2022 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदत जीतने वाले नीरज 2023 में स्वर्ण पदक जीतकर अपने पदक का रंग बदलने में सफल रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

बांग्लादेश को 10 विकेट से रौंदकर भारत फाइनल में

रेणुका और राधा की शानदार गेंदबाजी के आगे श्रीलंका टीम बेबस

भारत 9वीं बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में, स्मृति मंधाना की अर्द्धशतकीय पारी

नई दिल्ली, 26 जुलाई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को सेमीफाइनल में हराकर एशिया कप 2024 के फाइनल में अपनी एंट्री कर ली है। इस दौरान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को 10 विकेट से मात दी। वहीं अब फाइनल में भारत का सामना पाकिस्तान या श्रीलंका में से किसी एक टीम के साथ होगा। दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका और पाकिस्तान आपस में भिड़ेंगी।

महिला एशिया कप 2024 के पहले सेमीफाइनल में भारत ने रेणुका सिंह और राधा यादव की बेहतरीन गेंदबाजी और शेफाली वर्मा (नाबाद 26 रन) और स्मृति मंधाना (नाबाद 55 रन) के दम पर बांग्लादेश टीम को हरा दिया। इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की जो कि बाद में गलत फैसला हुआ। टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर महज 80 रन ही बनाए। जिसके बाद भारत ने 81 रन का आसान लक्ष्य बिना विकेट गंवाए 11वें ओवर में ही हासिल कर लिया था। भारत ने टी20 फॉर्मेट में पहली बार बांग्लादेश को 10 विकेट से हराया है जबकि इस प्रारूप में भारत को 4 साल के बाद 10 विकेट से जीत मिली।

भारत की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने सेमीफाइनल मैच में बेहद धैर्य के साथ नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली और टीम को जीत दिलाकर वापसी लौटीं। मंधाना का साथ शेफाी वर्मा ने शानदार तरीके से निभाया और वो भी 28 गेंदों पर 2 चौकों की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहीं। वहीं मंधाना ने इस अहम मुकाबले में एक छक्के और 9 चौकों की मदद से 39 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए।

दूसरी तरफ इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों की तरफ से बेहतरीन गेंदबाजी देखने को मिली। रेणुका सिंह और राधा यादव ने निभाई। रेणुका सिंह ने इस मैच में 4 ओवर में 10 रन देकर 3 विकेट लिए और एक ओवर मेडन फेंका तो वहीं राधा यादव ने भी गजब की गेंदबाजी की और 4 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए और एक ओवर मेडन फेंका। पूजा वस्त्रकार और दिप्ती शर्मा को भी एक-एक सफलता मिली। बांग्लादेश की तरफ से निगार सुल्ताना ने 32 रन जबकि शोरना अख्तर ने नाबाद 19 रन की पारी खेली। इस टीम ने अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

श्रीलंका छठी बार फाइनल में, पाक को 3 विकेट से हराया

कल फाइनल में श्रीलंका का डिफेंडिंग चैम्पियन भारत से मुकाबला होगा

दांबुला, 26 जुलाई। विमेंस एशिया कप का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच खेला जा रहा है। श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 140 रन बनाए हैं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका विमेंस टीम ने 19.5 ओवर में 7 विकेट पर 141 रन बनाते हुए जीत दर्ज की।

पाकिस्तान की तरफ से ओपनर मुनीबा अली ने सबसे ज्यादा 37 रन बनाए। गुल फिरोजा ने 25 और फातिमा सना ने 23 रन का योगदान दिया। श्रीलंका की तरफ से उदेशिका प्रबोधनी और कविशा दिलहारी को 2-2 विकेट मिले।

रविवार को फाइनल में श्रीलंका का डिफेंडिंग चैंपियन भारत से मुकाबला होगा। आज यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुनीबा अली और गुल फिरोजा की सलामी जोड़ी ने पाकिस्तान को धीमी लेकिन अच्छी शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिये 61 रन जोड़े। 10वें ओवर में उदेशिका प्रबोधनी ने गुल फिरोजा को डिसिल्वा के हाथों कैच आउट कराकर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई।

पड़ोसी देश में सुरक्षा स्थिति अभी भी अस्थिर : हरभजन

नई दिल्ली, 26 जुलाई। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। इसकी मेजबानी पाकिस्तान के पास है। हालांकि, टीम इंडिया के पाकिस्तान दौरे को लेकर असमंजस की स्थिति बरकरार है। इन सब के बीत भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने इसको लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इंडिया को अगले साल होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सीमा पार पाकिस्तान नहीं जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पड़ोसी देश में सुरक्षा स्थिति अभी भी अस्थिर है।

अनुभवी गेंदबाज ने टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी की पुष्टि करने से पहले दौरे के लिए सरकार की मंजूरी लेने के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले का भी समर्थन किया। अपने बयान में हरभजन ने कहा कि भारतीय टीम को पाकिस्तान क्यों जाना चाहिए? पाकिस्तान में सुरक्षा को लेकर चिंता है।

पाकिस्तान में हालात ऐसे हैं कि लगभग हर दिन घटनाएं होती रहती हैं। मुझे नहीं लगता कि वहां जाना (टीम के लिए) सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई का रुख बिल्कुल सही है और हमारे खिलाड़ियों की सुरक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। मैं बीसीसीआई के रुख का समर्थन करता हूं। भारतीय बोर्ड ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से परहेज किया है और कहा है कि देश की सरकार तय करेगी कि पाकिस्तान की यात्रा करनी है या नहीं।

पंजाब ने क्रोएशियाई मिडफील्डर फिलिप को किया साइन

मोहाली, 26 जुलाई। पंजाब एफसी ने क्रोएशियाई मिडफील्डर फिलिप मर्ज्लिजक के साथ शुक्रवार को अनुबंध की घोषणा की है। आगामी 2024-25 सीज़न से पहले पंजाब की पहली विदेशी साइनिंग है। क्रोएशियाई खिलाड़ी ने आखिरी बार क्रोएशियाई टॉप-फ़्लाइट क्लब, एचएनके गोरसिया के लिए प्रदर्शन किया था। 31 वर्षीय खिलाड़ी का जन्म ज़ाग्रेब में हुआ था और वह मुख्य रूप से एक रक्षात्मक मिडफील्डर के रूप में खेलते हैं। उन्होंने प्रसिद्ध डिनामो ज़गरेब अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की, जहां से लुका मोड्रिक, माटेओ कोवासिक, वेड्रन कोरलुका, जोस्को ग्वार्डिओल, डेजन लोवरेन, निको क्रांजकर और कई अन्य प्रसिद्ध फ़ुटबॉलर निकले हैं। ज़ाग्रेब में रैडनिक सेसवेटे को ऋण पर भेजे जाने से पहले उन्होंने डिनामो ज़ाग्रेब के साथ अपने पहले पेशेवर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने क्रोएशियाई टॉप-फ़्लाइट क्लब, लोकोमोटिवा के लिए तीन सीज़न खेले और फिर बाद में रोमानिया में पांडुरि टार्गु जिउ, एस्ट्रा गिउर्गिउ और डिनामो बुकुरेस्टी के लिए खेलते हुए पांच साल बिताए। एचएनके गोरसिया के साथ अनुबंध करने से पहले उन्होंने रूसी क्लब एफसी ऊफ़ा के लिए दो सीज़न खेले। फ़िलिप क्रोएशिया के लिए एक कुशल अंतर्राष्ट्रीय युवा खिलाड़ी है जिन्होंने अंडर-14 से लेकर अंडर-21 तक सभी आयु वर्ग श्रेणियों में देश का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 2013 फीफा अंडर 20 विश्व कप और 2012 यूईएफए अंडर19 चैंपियनशिप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व किया था। पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक, निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, हम आगामी सीज़न के लिए फिलिप को अपनी टीम में पाकर उत्साहित हैं।

ओलंपिक इतिहास में पहली बार स्टेडियम के बाहर ओपनिंग सेरेमनी

पेरिस की सीन नदी में परेड, 206 देशों के 10,500 एथलीट्स लेंगे हिस्सा

पेरिस, 26 जुलाई। पेरिस ओलिंपिक की ओपनिंग सेरेमनी परेड में भारत का दल 84 नंबर पर दिखाई देगा। फ्रांस ने 34वें ओलिंपिक गेम्स की शानदार तैयारी कर इसे ऐतिहासिक बना दिया। 129 साल के ओलिंपिक इतिहास में ओपनिंग सेरेमनी पहली बार स्टेडियम के अंदर नहीं, बाहर होगी। सेरेमनी पेरिस की सीन नदी से शुरू होगी। सीन नदी पर नावों के सहारे 206 देश और एसोसिएशन के 10,500 एथलीट्स परेड करेंगे। जो शहर के बीचों-बीच उद्घाटन प्रोग्राम का लुत्फ उठाएंगे। परेड 6 किमी. लंबी होगी। इसे देखने के लिए रिकॉर्ड 3 लाख दर्शकों के पहुंचने की संभावना है।

फ्रांस की राजधानी पेरिस में 26 जुलाई को रात 11 बजे से ओपनिंग सेरेमनी शुरू होगी। इतिहास में पहली बार स्टेडियम से बाहर निकलकर नदी और सड़कों पर परेड ऑफ नेशंस और प्रोठााम होंगे। सीन नदी से शुरू होकर 6 किमी लंबी परेड ट्रोकेडारो गार्डन तक चलेगी। इसमें 10 हजार से ज्यादा एथलीट्स हिस्सा लेंगे।

सेरेमनी में 120 से ज्यादा देशों के नेता और प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल होंगे। परेड खत्म होने के बाद कुछ देर फ्रांस का कल्चर दर्शाते डांस और सिंगिंग प्रोग्राम होने हैं। सेरेमनी करीब 2 घंटे तक चलेगी। फ्रांस ने 2024 ओलिंपिक का स्लोगन गेम्स वाइड ओपन रखा है। जिसका मतलब है, खेल पूरी तरह से खुल चुके हैं।

हार्दिक टीम के लिए काफी अहम खिलाड़ी : सूर्यकुमार

नई दिल्ली, 26 जुलाई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने श्रीलंका के खिलाफ खेले जाने वाले 3 मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के बारे में भी बयान दिया।

दरअसल, जब सूर्या से पूछा गया कि आपके कप्तान बनने के बाद क्या टीम में हार्दिक पंड्या के रोल में किसी तरह का कोई बदलाव होगा? इस पर उन्होंने कहा कि हार्दिक पंड्या हमारी टीम के लिए काफी अहम खिलाड़ी हैं। उनके रोल में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं होगा। टीम के लिए वैसी ही भूमिका निभाएंगे जिस तरह से निभाते आ रहे हैं। बता दें कि, हार्दिक ने टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप जीतना में अहम भूमिका निभाई थी।

वहीं सूर्यकुमार यादव ने रोहित शर्मा को लेकर कहा कि, वह एक लीडर हैं, मैंने उनसे कप्तान के बारे में बहुत कुछ सीखा है। मैं इस टी20 टीम में उनकी खेल सैली का अनुकरण करना चाहता हूं। उन्होंने हिटमैन के बारे में आगे कहा कि रोहित शर्मा कप्तान से ज्यादा लीडर थे। मैं इस टी20 टीम में यही करना चाहूंगा। रोहित शर्मा ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब दिलाने के बाद टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था।सूर्या ने आगे कहा कि भारतीय टी20 टीम में ज्यादा कुछ नहीं बदला है सिर्फ कप्तान बदला है।

गंभीर के लिए अपने खिलाड़ियों को समझना मुख्य चुनौती : रवि शास्त्री

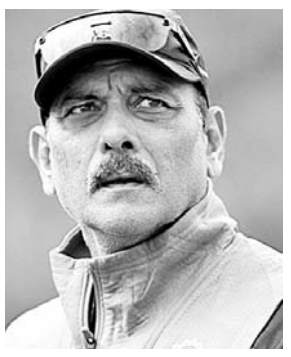

नयी दिल्ली, 26 जुलाई। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि अनुभव के बावजूद भारतीय टीम के नये मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए अपने खिलाड़ियों को समझना बड़ी चुनौती होगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रिव्यू कार्यक्रम के दौरान शास्त्री ने कहा, खिलाड़ियों का प्रबंधन कोच का प्रमुख काम है। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह इसे कैसे करता है। उसके पास ये सब करने का पर्याप्त अनुभव और साधन है। वह खिलाड़ियों को जल्द से जल्द समझने का प्रयास करेगा कि उनकी क्या विशेषता है, वे किस तरह के इंसान हैं, उनका व्यक्तित्व और स्वभाव कैसा है। एक इंसान को समझने के लिए कई तरह के मानक होते हैं।

उन्होंने कहा, वह समकालीन है और मेंटॉर के रूप में उसका पिछला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र अच्छा गया है। उसकी उम्र भी सही है और वह अभी युवा भी है। वह नए आइडियाज के साथ टीम में आएगा। इसके अलावा वह अधिकतर खिलाड़ियों को करीब से जानता है क्योंकि खिलाड़ी और मेंटॉर के रूप में वह अलग-अलग आईपीएल टीमों का हिस्सा रहा है। कुल मिलाकर यह बिल्कुल ही एक नया और तरोताजा कदम है।

उन्होंने कहा, हम गौतम के बारे में जानते हैं वह एक सीधा-सादा आदमी है। उसके पास अपने आइडिया भी होंगे। उसके लिए सबसे अच्छी बात यह है कि उसके पास एक परिपक्व और स्थिर टीम है। भले ही आपको लगता हो कि आप परिपक्व हैं, लेकिन आपको नए आइडियाज से लाभ हो सकता है। इसलिए मुझे लगता है कि यह दिलचस्प समय होगा।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह उसका सबसे महत्वपूर्ण कार्य होगा। लेकिन मुझे नहीं लगता कि उसे इसमें कोई समस्या आएगी, क्योंकि वह समकालीन है। उसने इसमें से बहुत से लोगों के साथ खेला है, बहुत लोगों के साथ काम किया है।

एफिल टॉवर के लोहे के टुकड़ों से सजेंगे ओलंपिक पदक

पेरिस, 26 जुलाई। ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों की शुरुआत हो चुकी है। ओलंपिक प्रतियोगिता में इस बार हजारों खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और अपने देश का नाम रोशन करने के लिए खेलेंगे। जीतने वाले विजेताओं को हमेशा की तरह तीन पदकों से पुरस्कृत किया जाएगा। इस बार के ये पदक काफी खास है।

जानकारी के मुताबिक पेरिस ओलंपिक और पैरालिंपिक पदकों में एक अनूठी डिजाइन होगी जिसमें एफिल टॉवर का एक टुकड़ा शामिल होगा। प्रत्येक स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के केंद्र में प्रतिष्ठित लैंडमार्क से लिया गया लोहे का एक षट्कोणीय, पॉलिश किया हुआ टुकड़ा लगा होगा। ओलंपिक इतिहास में यह पहली बार है कि किसी मेजबान शहर ने पदकों में किसी प्रसिद्ध स्मारक के टुकड़े को शामिल किया है।

कोच गौतम गंभीर की अगुवाई में श्रीलंका से पहला टी-20 मैच आज

पहले टी-20 मैच पर मंडरा रहा है बारिश का साया

श्रीलंका, 26 जुलाई। भारत और श्रीलंका के बीच कल टी20 सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाना है. जिसका फैंस काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे है। टी20 विश्व कप के बाद पहली बार भारत की टीम सीनियर खिलाड़ियों के साथ सीरीज खेलने के लिए गई है। जिसमें भारत की कप्तानी सूर्यकुमार यादव संभालते हुए नजर आने वाले है। मगर इन सबके बीच फैंस के लिए एक बुरी खबर भी है। इस सीरीज के पहले टी20 मैच में बारिश का साया मंडरा रहा है। अगर पहले मैच में बारिश होती है तो फैंस का मैच देखने का मजा जरुर किरकिरा हो सकता है। पल्लेकेले की पिच को बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए फायदेमंद माना जाता है। मैच के शुरुआत में तेज गेंदबाजों के लिए पिच में मदद रहती है। तो वही बॉल पुरानी होने पर बल्लेबाजों के लिए शॉट खेलना काफी आसान हो जाता है। इस मैदान पर अबतक कुल 23 टी20 मैच खेले गए है। जिसमें पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को 12 मैच में जीती मिली है तो वही 9 मैचों में रनों का पीछा करने वाली टीम को जीत मिली है। वही दो मैच ऐसे ही रहे है जिनका रिजल्ट नहीं निकल सका था।

उदयपुर में मैराथन के साथ ओलंपिक महोत्सव का आगाज

उदयपुर, 26 जुलाई। राजस्थान में उदयपुर के थर्ड स्पेस और फ्रांसीसी दूतावास की सांस्कृतिक शाखा आलियांस फ्रांस के संयुक्त तत्वावधान में ओलंपिक महोत्सव का आग़ाज़ शुक्रवार को पांच किलोमीटर मैराथन के साथ हुआ। धरोहर संस्थान के केतन भट्ट ने बताया कि मैराथन को उदयपुर ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सुधीर बख्शी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन में विभिन्न आयुवर्ग के 260 से अधिक धावकों ने भाग लिया। शहर के रॉकवुड्स, सीपीएस, महाराणा मेवाड़, अभिलाषा मूक बधिर संस्थान, सुखेर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के बच्चे, मेवाड़ी रनर क्लब और शहर के आयरन मैन ऋषभ जैन भी मैराथन का हिस्सा रहे। मैराथन में डेकेथलॉन, सेलिब्रेशन बेकरी, सिक्योर मीटर्स आदि का भी सहयोग रहा। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और मेडल प्रदान किए गए। उन्होंने बताया कि यह महोत्सव 11 अगस्त तक चलेगा।

शोएब मलिक ने टीम इंडिया से की पाकिस्तान आने की गुजारिश

कराची, 26 जुलाई। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान के पास है। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल फरवरी और मार्च में होना है। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। टीम इंडिया के पाकिस्तान जाने पर अनिश्चितिता बनी हुई है। बीसीसीआई स्पष्ट कर चुका है कि भारतीय खिलाड़ियों के पाकिस्तान में खेलने पर सरकार फैसला लेगी। वहीं, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने टीम इंडिया से पाकिस्तान आने की गुजारिश की है।

इस दौरान शोएब मलिक ने याद दिलाया कि पाकिस्तान टीम पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में भारत जाकर खेली थी। शोएब ने कहा कि अब भारत को हमारे यहां आना चाहिए।

दरअसल, शोएब मलिक ने क्रिकेट पाकिस्तान से कहा कि, दोनों देशों के बीच जो भी मतभेद हैं, वो एक अलग मुद्दा है। उसे अलग हल किया जाना चाहिए। खेलों में राजनीति नहीं आनी चाहिए। पिछले साल पाकिस्तान की टीम भारत गई थी और अब भारतीय टीम के लिए भी ये अच्छा मौका है। मुझे लगता है कि भारतीय टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो पाकिस्तान में कभी नहीं खेले हैं। ऐसे में ये उनके लिए बहुत अच्छा मौका होगा।

ओलंपिक में भारत के 12 साल के पदक सूखे को खत्म करने को तैयार है निशानेबाजी दल

शेटौरॉक्स (फ्रांस), 26 जुलाई। ओलंपिक में पदार्पण करने वाले निशानेबाजों से भरी टीम पिछले प्रदर्शन के बोझ से मुक्त होकर शुक्रवार को फ्रांस के शेटौरॉक्स में निशानेबाजी प्रतियोगिता में होने वाली परीक्षा में सफल होने का लक्ष्य बनायेगी। भारत ने अभी तक निशानेबाजी में कुल चार ओलंपिक पदक जीते हैं लेकिन पिछले दो ओलंपिक में खाता खाली रहा जिससे रिकॉर्ड 21 सदस्यीय भारतीय दल पर उम्मीदों का अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। भारतीय राष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ टीम चुनने के लिए मौजूदा फॉर्म को तरजीह दी है और उसे उम्मीद है कि इस बार वे यहां पदक जीतेंगे।

इसलिये ही कोटा विजेताओं को भी ट्रायल में उतारा गया जिसमें कम अनुभवी संदीप सिंह ने 2022 के विश्व चैम्पियन रुद्रांक्ष पाटिल को पछाड़ दिया जिन्होंने 10 मीटर एयर राइफल में भारत के लिए कोटा हासिल किया था। पाटिल ने एनआरएआई को पत्र लिखकर ट्रायल में बरकरार रखने की बात रखी, लेकिन महासंघ अपने फैसले पर अड़ा रहा। मनु भाकर, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, अंजुम मौदगिल और इलावेनिल वलारिवान को छोड़कर अन्य सभी निशानेबाज पहली बार ओलंपिक मंच का अनुभव करेंगे। भारत 15 निशानेबाजी स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा। विश्व स्पर्धाओं में कई पदक जीत चुकी 22 वर्षीय मनु तोक्यो ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालीफिकेशन में पिस्टल में आई खराबी से उबर नहीं सकी थीं।

कीवियों के खिलाफ मैच से भारत करेगा ओलंपिक अभियान का आगाज

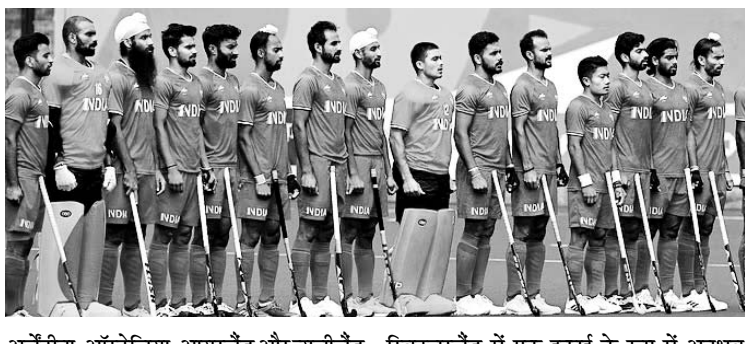

पेरिस, 26 जुलाई। न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को खेले जाने वाले मैच को लेकर हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय हॉकी टीम उत्साहित है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेरिस 2024 ओलंपिक में शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत से पहले आत्मविश्वास दिखाया है। दो सप्ताह से कुछ अधिक समय पहले यूरोप पहुंचने के बाद, भारतीय टीम स्विट्जरलैंड में तीन दिवसीय मानसिक अनुकूलन शिविर से गुजरी है, अपने पहले दिन से पहले मलेशिया, नीदरलैंड, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ पूल बी के उच्च-ऑक्टेन अभ्यास मैच खेले हैं।

शीर्ष ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह का मानना है कि मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और न्यूजीलैंड के साथ ग्रुप में भारत को अच्छी शुरुआत करने की जरूरत है। उन्होने कहा पेरिस पहुंचने से पहले हमारे पास कुछ अच्छे अभ्यास मैच थे और स्विट्जरलैंड में एक इकाई के रूप में अनुभव कुछ अनोखा था, हमने अतीत में जो किया है, उसके जैसा कुछ भी नहीं। हम अपना अभियान शुरू करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से अच्छी जगह पर हैं। हरमनप्रीत ने कहा, यहां खेल गांव में माहौल बेहद अच्छा है। हमारे भारतीय दल के एथलीटों से मिलना और यह देखना कि हमारे अपने दल के भीतर हमें कितना समर्थन है, काफी अभिभूत करने वाला रहा है और यह हमें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए और अधिक प्रेरित करता है।

उन्होने कहा न्यूजीलैंड हमेशा से भारत के लिए एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी रहा है। पिछले साल भुवनेश्वर में विश्व कप में उनके 3-3 (4-5 एसओ) की यादें इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ आत्मसंतुष्ट नहीं होने की याद दिलाती हैं। हमने हमेशा न्यूजीलैंड को एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा है और हमने अपनी टीम ब्रीफ के दौरान इस टीम के बारे में विस्तार से चर्चा की है।

अफगानिस्तान न्यूजीलैंड के साथ पहला टेस्ट मैच उप्र. के ग्रेटर नोएडा में खेलेगा

नयी दिल्ली, 26 जुलाई। अफगानिस्तान उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के अपने घरेलू मैदान पर सितंबर में न्यूजीलैंड के साथ अपना एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगा। यह अफगानिस्तान का कुल 10वां तथा वर्ष 2024 में तीसरा टेस्ट मैच होगा। इसके अलावा यह ग्रेटर नोएडा में भी पहला टेस्ट मैच होगा। यह टेस्ट मैच नौ से 13 सितंबर के बीच होने की संभावना है। इसके बाद केवल इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ही ऐसी टीमें बचेंगी, जिनके साथ अफगानिस्तान ने टेस्ट मैच नहीं खेला है। इसके लगभग एक महीने बाद 16 अक्तूबर से न्यूजीलैंड का भारत दौरा शुरू होगा, जहां मेहमान टीम को तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इन दोनों सीरीज के बीच में न्यूजीलैंड की टीम टेस्ट सीरीज खेलने श्रीलंका भी जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती पर अमर जवान ज्योति स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित समारोह में कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी उनके साथ मौजूद रहे।

'मैं राजस्थान के वीर शहीदों की वीरांगनाओं को प्रणाम करता हूँ'

कारगिल विजय दिवस समारोह में मुख्यमंत्री ने शहीदों की वीरांगनाओं को सम्मानित किया

- मुख्यमंत्री ने अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।
- इस अवसर पर विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी, सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, कई प्रशासनिक व सैन्य अधिकारी मौजूद थे।

जयपुर, 26 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को अमर जवान ज्योति शहीद स्मारक पर आयोजित कारगिल विजय दिवस के रजत जयन्ती समारोह में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले जाबाज़ सैनिकों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विषम परिस्थितियों में सीमा पर मुस्तैदी के साथ मोर्चा सम्भालने वाले हमारे शूरवीरों की बहादुरी और अदम्य साहस अतुलनीय है। मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले ऐसे वीरों को मैं नमन करता हूं। शर्मा ने कहा कि कारगिल के युद्ध में शहीद होने वाले राजस्थान के वीर शहीदों की वीरांगनाओं को भी मैं प्रणाम करता हूं, जिन्होंने देश के लिए समर्पण की भावना दिखाते हुए सर्वोच्च त्याग की मिसाल पेश की।

समारोह में मुख्यमंत्री ने शहीदों की वीरांगनाओं का शॉल ओढ़ाकर एवं श्रीफल देकर सम्मान किया। इस अवसर पर कारगिल युद्ध में साहस का परिचय देने वाले वीर सैनिकों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड, सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनन्द कुमार, जनरल ऑफिसर कमांडिंग 61 सबएरिया मेजर जनरल आर एस गोदारा सहित भारतीय सेना के उच्चाधिकारी, सैनिक, शहीदों के परिजन एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

राज्य सरकार प्रदेश में एम.एस.पी. पर बाजरे की खरीद पर विचार करेगी

विधानसभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आश्वासन दिया

- विधानसभा के प्रश्नकाल में बाजरे की खरीद पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय में किसानों को 1400 से 1500 रूपए प्रति क्विंटल पर बाजरा बेचना पड़ रहा था, जबकि, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा व मध्य प्रदेश में बाजरा 2300 रूपए प्रति क्विंटल की दर से बिक रहा था।
- मुख्यमंत्री ने कहा हमारी सरकार किसानों को लाभान्वित करने की पूरी कोशिश करेगी।

जयपुर, 26 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) पर बाजरे की खरीद पर विचार करेगी। उन्होंने शुक्रवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान बाजरे की खरीद पर पूछे गए प्रश्न पर स्पष्ट करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस सम्बन्ध में केन्द्र सरकार को पत्र लिखा है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के कार्यकाल में प्रदेश के किसानों के साथ धोखा हुआ और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बाजरे की फसल की खरीद नहीं की गई। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय में बाजरे के किसानों को 1400 रुपए से 1500 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर अपनी फसल बेचने को मजबूर होना पड़ा, जबकि उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और मध्य प्रदेश के किसानों का बाजरा 2300 रुपए प्रति क्विंटल की दर से बिक रहा था।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है। वर्तमान सरकार के गठन के बाद बाजरे की पहली फसल आएगी। हम किसानों को लाभान्वित करने का पूरा प्रयास करेंगे।

इससे पहले खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बाजरे के उत्पादन और खरीद के सम्बन्ध में सदस्य डॉ. ऋतु बनावत द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्न के जवाब में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीअन्न को देश-विदेश में बढ़ावा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार भी श्रीअन्न को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए तत्पर है। हमारी सरकार के समय में गेहूं के समर्थन मूल्य पर 125 रुपए प्रति क्विंटल अतिरिक्त बोनस देने, किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 650 करोड़ रुपए देने, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी करने एवं कृषि कनेक्शन जारी करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लम्बे समय से प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बाजरे की खरीद नहीं की गई है, लेकिन हमारी सरकार इस पर गम्भीरता से विचार करेगी।

राहुल गांधी को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रसंगवश बता दें कि प्रियंका गांधी का लोदी ऐस्टेट स्थित बँगला भी उस समय खाली पर दिया गया था, जब सरकार ने गांधी परिवार को सुरक्षा की दृष्टि से दी गई एस.पी.जी. सुरक्षा हटा दी गई थी तथा उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सी.आर.पी.एफ. को दे दी गई थी। उस समय से वे प्राइवेट आवास में रह रही हैं। लेकिन जब वे केरल की वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी, जो राहुल गांधी ने खाली कर दी है तथा अगर वे जीत जाती हैं, जिसकी काफी संभावना है तो उन्हें भी एक सरकारी बँगला आवंअित हो जायेगा।

सुरक्षा कारणों से बनाई गई गाइडलाइनों के अनुसार, बँगला दो तरफ से खुला होना चाहिये तथा दोनों तरफ दो-दो दरवाजे होने चाहिये। इस प्रकार आने वाले दिनों में गांधी परिवार के तीनों व्यक्ति अपने-अपने घरों में पहुँच जायेंगे।

रोज 14 घंटे काम करने का प्रस्ताव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आसान बना देगी। यह संशोधन कम्पनियों को यह अनुमति दे देगा कि वे मौजूदा तीन शिफ्ट वाली व्यवस्था के स्थान पर दो शिफ्ट वाली व्यवस्था ला सकें तथा एक-तिहाई श्रमिकों से उनकी नौकरी छीन ली जायेगी।"

प्रस्तावित "कर्नाटक शॉप्स एंड कॉमर्शियल ऐस्टाब्लिशमेन्ट्स (अमेन्डमेन्ट) बिल 2024" वर्तमान अधिनियम, जिसमें ओवरटाइम सहित एक दिन में अधिकतम 10 घंटे काम लेने की अनुमति दी गई है, के स्थान पर प्रतिदिन 14 घंटे काम करना अनिवार्य कर देगा।

एक दिन में 14 घंटे तक आई.टी. कर्मचारियों के लिए काम के घंटों में वृद्धि करने पर एन.ए.एस.सी.सी.ओ.एम. (नासकोम) ने अपनी रोचक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वे सरकार के इस कदम का समर्थन नहीं करते हैं।

नैसकॉम के उपाध्यक्ष व लोक नीति के प्रमुख आशीष अग्रवाल ने कहा कि "नासकोम के बतौर हमने एक दिन में 14 काम के घंटों के लिए अनुरोध नहीं किया है या एक सप्ताह में 70 घंटे काम का भी नहीं किया। हमने कर्नाटक में इस विधेयक की प्रति नहीं देखी है इसिलए इस विषय पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते हैं।

हम पूर्ण रूप से एक सप्ताह में 48 घंटे काम का समर्थन करते हैं जो कि पूरे देश में एक मानक हैं।

उन्होंने एक बयान में आगे कहा कि "हमने राज्यों व केन्द्र सरकार से जो कहा था, वह यह है कि 48 घंटों की कार्यसीमा को कुछ लचीला बनाने पर विचार किया जाए। ऐसा करने से कंपनियों को अखिल भारतीय स्तर पर अपना मानक कार्य संचालन करने में मदद मिलेगी। कर्नाटक में कुछ माह पूर्व हमने इस तरह का विचार-विमर्श आई.टी. विभाग के साथ किया था। हालांकि, हमारी इस विषय पर श्रम विभाग के साथ कोई बैठक नहीं हुई थी।"

कर्नाटक के चैम्बर ऑफ कामर्स व उद्योग ने भी कहा कि आई.टी. सेक्टर में लगभग आधे कर्मचारीगण पहले से ही मानसिक स्वास्थ्य के मामलों, जैसे कि अवसाद के रोग व शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों से जूझ रहे हैं।

के.सी.सी.आई. ने कहा कि काम के घंटों में बढ़ोतरी करने से स्थिति और भी खराब हो जाएगी, उन्होंने डब्ल्यू.एच.ओ. आई.एल.ओ. के एक अध्ययन का उल्लेख करते हुए कहा कि काम के घंटों में वृद्धि करने के कारण, अनुमान अनुसार, स्ट्रोक से मृत्यु होने का खतरा 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा तथा हृदय रोग से मृत्यु का खतरा 17 प्रतिशत ज्यादा बढ़ जाएगा।

गलता पीठ प्रकरण में यथास्थिति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एकलपीठ ने संपत्ति के खुर्द-बुर्द होने के आरोप की सुनवाई करते हुए मठ के महंत की नियुक्ति करने की व्यवस्था पर ही फैसला दे दिया है, जबकि एकलपीठ ने अपने फैसले में भी माना है कि रामोदराचार्य की मृत्यु के बाद उनका महंत पद समाप्त हो गया।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि एक मई 1943 को जयपुर स्टेट के हाईकोर्ट ने इन संपत्तियों को मूर्ति के स्वामित्व में नहीं मानकर महंत के स्वामित्व में माना था।

इसका विरोध करते हुए हिंदू विकास समिति की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी. माथुर ने कहा कि जयपुर स्टेट के तत्कालीन हाईकोर्ट ने इन संपत्तियों को गलता पीठ का माना था। उन्होंने आगे कहा कि अपीलार्थी के पिता को मेरिट के आधार पर तत्कालीन जयपुर स्टेट ने नियुक्त किया था और अपीलार्थी की महंत के रूप में नियुक्ति कभी हुई ही नहीं थी। माथुर ने अदालत को कहा कि अपीलार्थी ने उत्तराधिकार के आधार पर स्वयं को महंत घोषित कर दिया, इसके अलावा अपीलार्थी ने गलता पीठ की कई संपत्तियों को खुर्द-बुर्द भी किया है।

करीब दो घंटे से ज्यादा सुनवाई होने के बाद करीब 4.30 बजे अदालत के उठने का समय आ गया था, तब याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उन्हें सूचना मिली है कि अधिकारी मौके पर पहुंचकर अवधेशाचार्य के घर का ताला तोड़ रहे हैं और मठ के आसपास की दुकानों पर भी कार्रवाई शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अदालत को इस अपील की पूर्ण सुनवाई करनी होगी तथा तब तक यथा स्थिति बनाई रखी जाये। जिस पर अदालत ने यथा स्थिति बनाये रखने के आदेश दिये और मामले में सरकार की तरफ से इतनी त्वरित कार्यवाही करने पर भी नाराजगी जताई।

स्वामी अवधेशाचार्य के वकीलों ने बताया कि अदालत का फैसला आने तक स्वामी अवधेशाचार्य व उनका परिवार ही पीठ में पूजा अर्चना जारी रखेगा।

कर्नाटक में जोर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संकल्प तमिलनाडु विधानसभा ने पारित किया था वैसा संकल्प कर्नाटक राज्य ने तैयार करके रखा है और इस पर मंत्रिमण्डल की मुहर लग चुकी है। एक बार जब कर्नाटक

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर, 26 जुलाई। राजस्थान विधानसभा में नगरीय विकास विभाग की अनुदान मांगों पर बहस करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल ने अपशब्द बोले। यह मामला देर रात तक सदन में गर्माया। खुद स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि "यह निंदनीय और शर्मनाक बात है कि पूर्व मंत्री के मुंह से मां-बहन की गाली जैसे शब्द निकले। मैं इस पर पूरा वीडियो देखकर सोमवार को अपना निर्णय दूंगा।"

दरअसल धारीवाल ने चर्चा के दौरान, पहली बार कांग्रेस राज के दौरान गड़बड़ियों पर लगे आरोपों पर पलटवार करते हुए अपशब्द का इस्तेमाल किया। दूसरी बार उन्होंने फर्जी पट्टे जारी करने के मामले में तथा तीसरी बार सभापति संदीप शर्मा के टोकने पर अपशब्दों का इस्तेमाल कर दिया।

शांति धारीवाल ने विधानसभा में अपशब्द कहे

सभापति संदीप शर्मा के टोकने पर धारीवाल बोले "कोटा में रहना है कि नहीं"

- पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी ने जब धारीवाल के शब्दों पर आपत्ति जताई तो धारीवाल ने कहा, "कृपलानी जी! आप तो मेरे मित्र हो, एक बार गलती से मंत्री बन गए थे, आप जानकारी हासिल नहीं कर पाए थे। अब मैं जो बोल रहा हूं, अपना ज्ञान बढ़ाओ।"
- स्पीकर देवनानी ने सारे प्रकरण पर कहा कि, "पूर्व मंत्री के मुंह से गाली जैसे शब्द निकलना निंदनीय है। मैं पूरा वीडियो देखकर सोमवार को निर्णय दूंगा।"

जब सभापति संदीप शर्मा ने शांति धारीवाल को अपनी बात खत्म करने को कहा तो धारीवाल ने अपशब्द के साथ सभापति को यहां तक कह दिया, "तुम तो कोटा के हो, कोटा में रहना है कि नहीं रहना है।" दरअसल संदीप शर्मा कोटा दक्षिण से विधायक हैं और धारीवाल कोटा उत्तर से विधायक हैं।

जब भाजपा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने धारीवाल के अपशब्द पर आपत्ति जताई तो उन्होंने कहा, "कृपलानी जी! आप तो मेरे मित्र हो, एक बार गलती से मंत्री बन गए थे, आप जानकारी हासिल नहीं कर पाए थे। अब मैं जो बोल रहा हूं, अपना ज्ञान बढ़ाओ।"

इससे पहले जब मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने पिछली कांग्रेस सरकार पर फर्जी पट्टे देने का आरोप लगाया तो धारीवाल ने कहा, "नगर निकायों में इस तरह का स्टाफ बैठा हुआ है, लेकिन इसकी वजह से पट्टे बांटना बंद थोड़े ही कर देंगे। शिकायत आती है तो जांच होती है, जांच कराते हैं। आप भी जांच करवाइए, सस्पेंड कीजिए, बर्खास्त कीजिए। धारीवाल ने दावा कि पिछली सरकार में उन्होंने 13 लाख पट्टे बांटे, लेकिन सिर्फ 254 पट्टों में ही गड़बड़ियां मिली है।"

इससे पहले धारीवाल ने नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा पर टिप्पणी करते हुए कहा, "पिछले 7 माह से नगरीय निकायों में काम बंद पड़ा है। आपके कामों पर क्या कमियां निकालूं, पिछले 7 माह में कुछ किया ही नहीं। उन्होंने यह चुटकी इसलिए ली, क्योंकि मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने सदन में कहा था कि, पिछली कांग्रेस सरकार ने नगरीय निकायों में कई गड़बड़ियां की थी, लेकिन इस सरकार पर कोई एक पैसे का भी आरोप नहीं लगा सकता। गर्ग की इस बात पर चुटकी लेते हुए धारीवाल ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की सरकार बनने के 7 माह बाद भी नगरीय विकास विभाग में काम ठप्प पड़ा है, मंत्रीजी सभी निकायों व विकास प्राधिकरणों की शक्तियां छीनकर खुद के नियंत्रण में लेने में लगे हुए है।" कब्जे में करने में लगे हैं।"

भारतवासी 58 देशों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया जाता है। इसके विपरीत 2024 में, भारत 82वें स्थान पर है और 58 देशों की वीज़ा फ्री यात्रा करवा रहा है, जिसमें इण्डोनेशिया, माल्दीव्ज़ और थाइलैण्ड जैसे लोकप्रिय पर्यटक देश शामिल हैं। भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है। वह वर्ष 2023 में 84वें और वर्ष 2022 में 83वें स्थान पर था।

भारत के नागरिक अब अंगोला, बारबडोस, भूटान, बोलीविया, ब्रिटिश, वर्जिन आइलैंड्स, बुरूण्डी, कम्बोडिया, केप वर्डे आइलैण्ड्स, कमारा आइलैण्ड्स, कुक आइलैण्ड्स, ज़िबूती, डोमीनिका, इथोपिया, फिजी, ग्रेनडा, गुयाना, बिसाऊ, हैती, इन्डोनेशिया, ईरान, जमैका, जॉर्डन, कज़ाखस्तान, केन्या, किरीबाती, लाओस, मकाओ (एस.ए.आर. चीन), मैडागास्कर, मलेशिया, माल्दीव्ज़, मार्शल आइलैण्ड्स, मॉरीतानिया, मॉरीशस, माइक्रोनेशिया, मांटसरा, मोज़ाम्बीक, म्यांमार, नेपाल, न्यू, पलाउ आइलैण्ड्स, कतर, रवांडा, समोआ, सेनेगल, सैशल्स, सिएरा लिओन, सोमालिया, श्रीलंका, सैंट किट्स एवं नेविस, सैन्ट लूसिया, सैंट विन्सैन्ट एवं ग्रेनेडाइन्स, तंज़ानिया, थाइलैण्ड, तिमोर लैस्त, ट्रिनीडाड एवं टोबेगो, ट्यूनिशिया, तुवालू, वनुआतु और जिम्बाब्वे की वीज़ा फ्री यात्रा कर सकते हैं। पाकिस्तान के कमजोर पासपोर्ट की रैंक यमन के बराबर है और वह पिछले वर्ष की तरह इस बार भी इराक (101), सीरिया (102) और अफगानिस्तान (103) से आगे है।

मोची की गुमटी में बैठ चप्पल की सिलाई की राहुल गांधी ने

- सुल्तानपुर कोर्ट में पेशी से वापस लौटते हुये एक बार फिर अपने चर्चित अंदाज़ में दिखे राहुल गांधी।

सुलतानपुर, 26 जुलाई (वार्ता) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज सुलतानपुर न्यायालय में पेशी से वापस होते समय एक मोची की दुकान पर रुके और अपने चर्चित अंदाज में जूते और चप्पलों में टांके लगाए और उसका कुशलक्षेम पूछा। मोची ने कोल्ड ड्रिंक पिलाकर नेता विपक्ष का स्वागत किया।

गांधी आज सुलतानपुर में मानहानि के एक मामले में अपना बयान दर्ज करवाने पहुंचे हुए थे। कोर्ट की कार्यवाही पूरी करने के बाद राहुल पुन: पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के रास्ते लखनऊ के लिए रवाना हुए थे। पहले अयोध्या प्रयागराज हाइवे पर कूरेभार थानाक्षेत्र के विधायक नगर चौराहे के पास अचानक से उनका काफिला रुका और वे गाड़ी से उतरकर रामचेत मोची की गुमटी वाली दुकान पर पहुंच गए और गुमटी पर रामचेत के बगल बैठकर हालचाल लिया। उसके रोजगार और घर परिवार की बात की। उन्होने मोची से पूछा कि गरीबों को सबसे ज्यादा किन चीजों की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने जूते और चप्पलों की मरम्मत कैसे की जाती है, ये भी रामचेत से जाना और खुद सिलाई की।अपने बीच राहुल गांधी को देखकर राम चेत भाव विभोर हो गया। पहले तो वह विश्वास ही नहीं कर पा रहा था कि राहुल गांधी उसकी गुमटी पर बैठकर उसकी तरह चप्पल सिल रहे हैं।

प्रियंका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जवाब दें, इसे रोकने की पहल करें।

इज़राइल के प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू के अमेरिकी संसद में संबोधन के बाद प्रियंका ने इज़राइल सरकार को बर्बर करार दिया। प्रियंका का यह कठोर वक्तव्य अवश्य ही मोदी सरकार का ध्यान खींचेगा जो इज़राइल के हमले पर मौन साधे है। मोदी सरकार की इज़राइल समर्थक नीति से पश्चिम एशियाई देश भली-भांति वाकिफ हैं।

प्रियंका ने कहा कि नेतन्याहू को अमेरिकी संसद को संबोधित करते देखना बेहद शर्मनाक है।

'एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लांट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव व जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश ओमप्रकाश टांक की जनहित याचिका पर दिए। अदालत ने सांगानेर पुलिस को भी निर्देश दिए हैं कि आई.ओ.सी.एल. परिसर के बाहर गैस के टैंकर व सिलेंडर भरे वाहनों की अवैध तौर पर पार्किंग नहीं होने दें।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने कहा कि साल 2009 में आई.ओ.सी.एल. के फ्यूल ऑयल स्टोरेज प्लांट में लगी आग में 12 लोगों की मौत हुई थी। डिपो की आग एक हफ्ते धधकती रही और प्रशासन देखता रहा, लेकिन इस हादसे के बाद भी कोई सुरक्षात्मक कदम नहीं उठाए गए। जबकि, राज्य सरकार की जांच कमेटी ने 2011 की रिपोर्ट में माना था कि आई.ओ.सी.एल. के सीतापुरा स्थित घरेलू गैस के बॉटलिंग प्लांट को जगतपुरा व सीतापुरा में आबादी विस्तार को देखते हुए शहर से बाहर भेजना चाहिए। जनहित याचिका में कहा गया है कि 1996 में यहां पर आबादी नहीं थी और इसलिए ही जयपुर से 30 किमी दूर इस जगह पर बॉटलिंग प्लांट बना। इस प्लांट में जामनगर लूणी गैस पाइप लाइन से एल.पी.जी. उच्च दबाव पर सप्लाई होती है। इसके ऊपर ही महात्मा गांधी अस्पताल, पूर्णिमा कॉलेज, राजस्थान फार्मेसी काउन्सिल सहित अनेक शैक्षिणक संस्थान बन गए हैं। प्लांट की बाउंड्री के पास ही कई मल्टीस्टोरी भवन व फ्लैट्स भी बन गए हैं और एच.पी. का एक पेट्रोल पंप भी चल रहा है। इसलिए बॉटलिंग प्लांट को शहर से बाहर भेजा जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने यू.पी. सरकार पर लगे "स्टे" की अवधि

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उस पर रोक नहीं है। कोर्ट ने कहा कि "हमने हमारे 22 जुलाई के आदेश में वही कहा है, जिस बात को कहने की आवश्यकता थी। किसी को भी नाम बताने के लिए बाध्य नही कर सकते हैं।"

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने पैरवी की ओर सरकार के निर्देशों का यह कहते हुए बचाव किया कि कांवड़ यात्रा के मार्ग में पड़ने वाले ढाबा मालिकों के द्वारा उनके नाम बाहर प्रदर्शित करने की जरूरत बताते हुए कहा कि इसके पीछे पारदर्शिता लाने का उद्देश्य है ताकि "सम्भावित भ्रम की स्थिति" को टाला जा सके और शान्तिपूर्ण यात्रा सुनिश्चित की जा सके।

रोहतगी ने इस मामले की सुनवाई अगले सोमवार अथवा मंगलवार को करने का अनुरोध यह कहते हुए किया कि "मैं (उत्तर प्रदेश सरकार) एकतरफा अन्तरिम स्टे आदेश से पीड़ित हूँ और यदि मामले में देरी की गई तो यह मामला निरर्थक हो जाएगा।

उन्होंने इस बात पर जोर देने की कोशिश की कि राज्य सरकार तो सामान्य रूप से उस कानून को लागू कर रही थी जो कानून संसद ने बनाया था तथा जिसके तहत जरूरी है कि दुकानदार अपना नाम दुकान के बोर्ड पर लिखे और याचिकाकर्ता ने पहले से बने हुए इस कानून के बारे में कोर्ट को सूचित नहीं किया।

इस तर्क पर बैंच ने कहा कि "ऐसा है तो फिर इसे सब जगह पर लागू किया जाना चाहिए, न कि कुछ राज्यों में ही। यह बताते हुए जवाबी हलफनामा दाखिल करें कि इसे सब जगह पर लागू किया जाएगा।"

इसके बाद, बैंच ने मामले की अगली सुनवाई 5 अगस्त तक के लिए टाल दी ताकि उत्तराखण्ड व मध्य प्रदेश सरकारें भी उनका जवाब दाखिल कर सकें। कोर्ट ने भक्तों/कांवड़ यात्रियों की ओर दाखिल की गई हस्तक्षेप याचिकाओं पर सुनवाई से इन्कार कर दिया।

उत्तर प्रदेश सरकार ने उसके निर्देशों को चुनौती देने वाली जनहित याचिकाओं (पी.आई.एल.) के जवाब में दाखिल शपथपत्र में कहा कि "इस बात पर गौर किया जाए कि इन निर्देशों को जारी करने का विचार यह है कि कांवड़ यात्रा के दौरान जो भी उपभोक्ता अर्थात कांवड़िया जो भी खाना खाना चाहता है, उसे उस खाद्य पदार्थ के बारे में जानकारी हो ताकि पारदर्शिता बनी रहे, यह निर्णय यात्रियों की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है ताकि वे गलती से भी अपने विश्वासों से गलत न हो जाएं।"

एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, टी.एम.सी. सांसद महुआ मोइत्रा, प्रोफे. अपूर्वानन्द झा एवं अन्य याचिकाकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों की वैधता को चुनौती दी थी, याचिकाकर्ताओं की ओर से कोर्ट में उपस्थित वरिष्ठ वकील ए.एम. सिंघवी ने रोहतगी के तर्कों का विरोध किया।

सिंघवी ने अपने तर्क में बैंच से कहा कि अस्थायी प्रकृति के निर्देशों में यह सुनिश्चित किया गया है कि इनसे भोजन विक्रेताओं के प्रति किसी प्रकार का स्थायी भेदभाव नहीं होगा और न ही इससे उनके लिए कोई मुश्किल स्थिति उत्पन्न होंगी इसके साथ ही साथ कांवड़ियों की धार्मिक भावनाएं भी सुरक्षित रहेगी तथा उनके धार्मिक विश्वास व श्रद्धा भी बनी रहेगी।" "इसलिए वे कह रहे है कि इसमें भेदभाव दिखता है परंतु यह स्थायी आदेश नहीं है।"

उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर स्टे लगाते समय 22 जुलाई को उसके स्टे आदेश में कहा गया था कि, "हमने उपरोक्त निर्देशों को लागू करने पर रोक का अन्तरिम आदेश उचित समझ कर पारित किया था। दूसरे शब्दों में कहें तो खाद्य पदार्थ विक्रेताओं, थड़ी ठेले वालों इत्यादि के लिए यह आवश्यक है वे कांवड़ियों को परोसे जाने वाले भोजन के प्रकार को अपनी दुकान पर प्रदर्शित करें परंतु उन्हें दुकान मालिक का नाम और कार्यरत कर्मचारियों का नाम प्रदर्शित करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है।"

याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश धर्मनिरपेक्षता के विरुद्ध हैं तथा पहचान करके उनको अलग-थलग करने का उद्देश्य है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा, यह निर्णय कानून व व्यवस्था के हित में है। यूपी सरकार ने 19 जुलाई को यह आदेश जारी किया है और कांवड़ यात्रा के मार्ग में स्थित सभी भोजन व पेय पदार्थ विक्रेताओं को इसका पालन करना है और इनको संचालित करने वाले संस्थानों के मालिक अपनी दुकान व संस्थान के बाहर पहचान के लिए अपना नाम प्रदर्शित करेंगे।

हालांकि, विपक्षी राजनीतिक दलों एवं मुस्लिम संगठनों ने इस फैसले की कटु आलोचना की है तथा इसे मुस्लिमों के साथ भेदभाव करने वाला बताया है।

मध्य प्रदेश में भी भाजपा शासित उज्जैन महानगर पालिका ने ऐसा ही एक सर्कुलर जारी किया है जिसमें शहर में दुकानों के मालिकों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी दुकानों व संस्थानों के बाहर अपना नाम व मोबाइल नम्बर प्रदर्शित करें। उज्जैन महानगर पालिका के बारे में कहा जाता है कि उसने इस आदेश का उल्लंघन करने वाले पर पहली बार अपराध करने पर 2000 रुपए का जुर्माना व दूसरी बार इसी तरह आदेश की अवहेलनता करते पाए जाने पर 5000 का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया है।

बैंच ने आज उज्जैन महानगर पालिका से अपना पक्ष रखने को कहा।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908